॥ ओ३म् ॥

इंगलिश संस्कृतानुवाद दीपिका

प्रथमभाग

मुरादाबाद ऋठगर निवासि-
कान्यकुब्ज वंशावतंस पण्डित गणेशप्रसाद शुक्लः
तत्तनयेन पं० रामस्वरूप साहित्याचार्येण विरचितः

ENGLISH SANSKRIT TRANSLATION TEACHER

By

Pt. Ram Sarup Sahityacharya, Author of Trilingual Dicktinary Sanskrit Sagar Dash Kumar Charitra bhasha

MORADABAD

1st Edition 1917

1000 Copies

Price per copy 12 annas

पं० शंकरदत्त शर्मा प्रबन्धेन धर्मदिवाकर प्रिंटिंग प्रेस मुरादाबाद में मुद्रित।

PREFACE

Dear Reader! I have been teaching for about 20 years. For 8 or 9 years I was teaching in Government High school. For certain causes I had to leave Government service. It is needless to say I was a victim of unjustice and tyranny, but God Almighty sees all and has already punished the wrong doers. I have always been inclined towards book making, and to my mind this book (Sanskrit English Translation Teacher) will supply the want of the student. I have divided it into two parts the first part is before you and the second part is in course of preparation.

The first part treats of all the Karaks on the basis of servant portion. The second part treats of Tingent or verbs For the benefit of those students of English who have sanskrit for their second language, illustrations are given for explanation, and in accordance with the arrangement of the Sanskrit Grammer every thing is done up to the seventh *Karak.*

I am specially indebted to P. Johorilal Sharma of Bulandshahar in the compilation of this part and I thank him for the help he has given me. Teachers are requested kindly to inform me of the mistake that might have crept in this part so that Imay have an opportunity of correcting them in the second edition. The officers of the Inspection departments will hope encourage me in my enterprise by recommending the book to the teachers for the benefit [illegible] difficulty in

इंगलिश

संस्कृतानुवाद दीपिका

प्रणम्य शिव मद्वैतं शान्तं शाश्वत मव्ययम् ।
दीप्यते बाल बोधार्थ मनुवाद प्रदीपिका ॥१॥

प्रथम प्रकाशः ।

A

ब्रह्मन् n धातृ m.	The Creator	रचनेवाला
ईश्वरः, विष्णुः m.	The Preserver	पालन करनेवाला
शम्भुः m रुद्रः ।	The destroyer	नाश कर्त्ता
देवाः । अमराः ।	Gods	देवता
ग्रहः ।	A planet	ग्रह
सूर्य्यः । अर्य्यमन् m	The sun	सूरज
इन्दुः । सोमः ।	The Moon	चन्द्रमा
कुजः । भौमः ।	Mars	मंगल
बुधः । सौम्यः ।	Mercury	बुध
गुरुः । बृहस्पतिः ।	Jupiter	बृहस्पति
भृगुः । शुक्रः ।	Venus	शुक्र
शनिः । मन्दः ।	Saturn	शनैश्चर
मही । भूमिः f.	The Earth	पृथ्वी
राहुः m. & केतुः		राहु केतु ।

B

सत्यं, ऋतम् n ।	Truth	सच ।
ज्ञानं n. विद्या f ।	Knowledge	विद्या-इल्म ।
शौचं n, पवित्रता ।	Purity	शुद्धि । पाकीज़गी
शमः m. शान्तिः f ।	Tranquility	शान्ति ।
धृतिः f. धैर्यम् n ।	Courage	धीरज ।
दमः m. दमनम् n	Self-Control Descipline	इन्द्रिय दमन ।
तपः n तपस्या f	Religious Austerities	तपस्या
शङ्का f	Suspicion	शक, सन्देह,
स्थानं n. पदम् n ।	Object, Receptacle.	पद, पात्र स्थान
बलम् n शक्तिः f	Power	बल, ज़ोर ।
बुद्धिः f	Intellect	बुद्धि, अक्ल ।
आनन्दः m	Happinese	सुख, आनन्द ।

C Adjective

गुणवत्, गुणिन्	Meritorious.	गुणवान् ।
सुन्दर, रुचिर, चारु । सत्, शोभन ।	Good,beautiful Pretty.	अच्छा, सुन्दर खूब सूरत ।
मृदुल, मृदु, कोमल ।	Soft, tender.	नर्म मुलायम ।
विधेय । आश्रव ।	Obedient, dutiful	आज्ञापालक ।
वश्य, विनीत ।	Modest, Gentle	नम्र, हयादार ।
अधृष्ट, शालीन ।	Shy, Bashful	लजवन्ता ।
धृष्ट, विपात ।	Bold, Aucicious,	ढीठ ।

D Adverb

अत्र	Here	यहाँ
अद्य	Today	आज
अद्यत्वे	Now-a-days	आज कल
यदा	When	जब

कदा	When ?	कब ?
क्व	Where ?	कहां ।
आम्, बाढम्	Yes, Well,	हां । अच्छा ।
तदा	Then	तब ।
सायम्	In the evening	सांझ को

E Verbs

भू (सत्तायाम्)	P.I. To be, to become	होना ।
अनु	To experience	अनुभव क तजरुबा करना
प्र	To prevail, to be able	समर्थ होना ।
परा	To defeat	हराना ।
सम्	To take place	होना ।
	To be possible	सम्भव होना ।
	To be born	पैदा होना ।
प्रादुस्	To be visible	दिखाई देना ।
	to become manifest	प्रगट होना ।
उद्	To rise, to spring up	निकलना ।
आविस्	To become visible	दिखाई देना ।
अभि	To overcome ossail	दबाना हमलाकरना

III Render the following into Sanskrit.

1 Therois a city named Cawnpore. 2 He is the receptacle of his happiness. 3 I believe him to be a learned man. 4 Either he will go or she. 5 Thou, he and I cook it. 6 Mohan Lal became an object of their suspicion. 7 Truth, knowledge, purity and self-control are firm in that good man 8 Shanker Dayal was honoured by the boys. 9 This boy is obedient to his parents, 10 You are, as it were, his second life.. 11 Murari Could not prevail on Behari Lal 12. He wishes to become a learned man. 13 The moon is visible to day. 14 He was made king of Avanti.

द्वितीयः प्रकाशः

A

भारतः । आर्य्यावर्त्तः m ।	India	हिन्दुस्तान
पाठालयः । पाठशाला f	School	मद्रसा।
माणवकः । बालकः m	Boy	लड़का
परिजनः	attendent	सेवक
राज्यम्	kingdom	राज
वर्गः । कक्षा ।	class	दर्फ
न्यायकर्तृ m	Judge	मुन्सिफ
ताम्र खण्डः m	a pice	पैसा
राजती मुद्रा	a rupee	रुपया
पुष्पं, प्रसूनं, कुसुमं n	flower	फूल
प्रेमन् m	love	प्यार
विद्यार्थिन्, छात्रः m	student	तालिबइल्म,
गुरुः m। पाठकः।	teacher	उस्ताद्
गोष्ठं, व्रजः ।	cow-pen	खिड़क
करपाटिका f	bread-loaf	रोटी
देवी	goddess	देवी
कटः	mat	चटाई
पिष्टं, चूर्णम्	flour	आटा
सिंहासनम्	throne	तख्त
क्षेत्रपतिः	farmer	किसान
बलीवर्दः	ox	बैल
चौरः	thief	चोर
सेवा	service	टहल
सस्यम्	harvest, crop	फसल
अमृतम्	nectar	अमृत
शास्त्रं	science	विज्ञान,शास्त्र
स्वर्गः, दिव् f	heaven	स्वर्ग लोक

निरयः	hell	नरक
व्योमन् n	sky	आसमान
दिक् । दिशा	direction	तरफ, दिशा
पूर्वा—प्राची	east	पूरब
अवाची	south	पूरब
उदीची	north	उतर
प्रतीची	west	पच्छिम
मेघः । अभ्रम्	cloud	बादल
स्तनितम्-गर्जितम्	thunder	गर्जन
जलं—वारि n	water	पानी
वृष्टिः । वर्षम्	rain	वर्षा-मेंह
बुद्बुदः	bubble	बुलबुला
धारासम्पातः । आसारः	shower	बौछार
अम्बुकणः । शीकरः ।	drop of rain	बूंद
तडित् । सौदामिनी ।	lightning	बिजली
वर्षोपलः । करका	hail	ओला
शक्र धनुः n	rain-bow	इन्द्र धनुष
अवग्राहः	draught	सूखा-खुश्की
चन्द्रिका, कौमुदी ।	moon-light	चांदनी
प्रभा, रुक् । रुचिः ।	light	चमक
किरणः । मयूखः ।	ray	किरण
शकलः । खण्डः ।	pice,bit	टुकड़ा

B Adjective

सुकृतिन्	Fortunate, Lucky	भाग्यवान्
सहृदयः । हृदयालुः ।	benevolent	भला
इभ्य । आढ्य ।	rich	धनी
सरल । उदार । दक्षिण	gintle, sincere	सच्चा सीधा
Caus, भावयति	to consider	विचार करना

सम्—to think, to imagine, to honour ख्याल करना सत्कार-मान-करना

चि— to trace out खोज लगाना,
Des. बुभूष to wish to be होनेकी इच्छा करना
Freq. बाभूय् to be frequently अतिशय वा बार२ होना
Pass भूयते

D W. भवत्-न् । भूतः । भवनम् । सम्भवः भावः ।
विभावना। प्रभ.वः। अनुभवः सम्भूतिः,भूत्वा।भविष्यत्।भवितुम्

F

Nominative Case कर्तृकारक:

(१) प्रधान क्रियाके करनेवाले को कर्त्ता कहते हैं । कर्त्तामें प्रथमा विभक्ति होती है । हिन्दी में इसका चिह्न, ने है यथा आसीद्राजा दशरथो नाम । There was a king named Dashratha.

(२) सम्बोधन वह है जिससे किसीको बुलाकर या चिताकर सम्मुख करें । सं० में प्रथमा विभक्ति होती है यथा अत्रागच्छभ्रातः। हे भाई यहाँ आओ ।

(३) उक्त कर्ममें प्रथमा होती है जैसे स मन्त्री कृत He was made a minister. वह मन्त्री बनायागया ।

-b-जो शब्द निपात (इति, अपि आदि) शब्दों से उक्त होता है उसके आगे प्रथमा विभक्ति आती है । यथा जना चन्द्रम संसुधाकर इति वदन्ति । लोग चन्द्रमा को सुधाकर ऐसा कहते हैं ।

(४) जो लिंग, वचन, विभक्ति विशेष्य के होते हैं वे विशेषण के । गुणवाचक शब्द विशेषण होता है और जिसमें वह गुण विद्यमान हो वह विशेष्य कहलाता है । यथा नील कमलम् । A blue lotus नीला कमल । शोभनाय गृहाय For a decorated house रूपवती भार्याम्- to a beautiful wife.

(५) परन्तु जहाँ उद्देश्य और विधेय होते हैं वहां पूर्वो

नियम नहीं लगता। जिसके विषय में कुछ विधान किया जाता है वह उद्देश्य और जो विधान कियाजाता है वह विधेय कहलाता है जैसे सम्पदः पदं मापदाम् wealth is the abode of miseries सम्पत् आपत् का घर है।

(६) यदि एक वचनान्त अनेक कर्त्ता " वा या" " अथवा " शब्द से भिन्न कियेजावें तो क्रिया एक वचन की आवेगी। यथा। हरिः रामः प्रभुर्वा तत्रगच्छतु। Let Hari, Rama or Prabhu go there हरि या राम अथवा प्रभु वहां जावे।

(७) यदि प्रथम पुरुष (3rd Person) और मध्यम् पुरुष (2 nd person) कर्त्ता " च " शब्दसे जोड़ेजावें तो क्रिया वचन के अनुसार मध्यम् पुरुष की आवेगी यथा, स च त्वं च तत्र गच्छथः You and He go there तू और वह वहाँ जाते हो। और यदि इन के साथ उत्तम पुरुष (1st person) का कर्त्ता भी आवे तो क्रिया वचन (१-२-३) के अनुसार उत्तम पुरुषकी आवेगी जैसे स च त्वं च अहं च तत्र गच्छामः Thou, he and I go there तू, वह और मैं वहां चलते हैं।

G

संस्कृत विभक्तियां।

विभक्ति.	एकवचन.	द्विवचन	बहुवचन	हिं. वि
प्रथमा.	सु-स्-ः	औ.	जस. अस. आः	ने
द्वितीया.	अम्	औ.	शस. अस. अन्	को
तृतीया.	टा- आ	भ्याम्.	भिस् भिः। ऐः	से,द्वारा
चतुर्थी.	ङे. ए.	भ्याम्.	भ्यस् भ्यः।	लिये,
पञ्चमी.	ङ सि (अत्)	भ्याम्	भ्यस् भ्यः।	से
षष्ठी.	ङ स्. (स्य)	ओस्. ओः	आम्.	का
सप्तमी.	ङि. इ. ए.	"	" सुप् सु. षु.	में. पर
सम्बोधन.				

॥

अकारान्त राम शब्द के प्रथमा विभक्ति में रूप।

	रामः	रामौ	रामाः
	रामने	दो रामों ने	रामों ने।
इकारान्त हरि शब्द।	हरिः	हरी	हरयः।
ईकारान्त सुधी	सुधीः	सुधियौ	सुधियः।
उकारान्त भानु	भानुः	भानू	भानवः।
ऊकारान्त स्वयम्भू ,,	स्वयम्भूः	स्वयम्भुवौ	स्वयम्भुवः
ऋकारान्त पितृ ,,	पिता	पितरौ	पितरः।
,, दातृ ,,	दाता	दातारौ	दातारः।
ऐकारान्त रै (धन)	राः	रायौ	रायः।
ओकारान्त गो (बैल)	गौः	गावौ	गावः।
औकारान्त ग्लौ (चन्द्र)	ग्लौः	ग्लावौ	ग्लावः।
च्— जल मुच् (बादल)।	जलमुक्	जलमुचौ	जलमुचः
ज्— वणिज (वैश्य)।	वणिक्	वणिजौ	वणिजः
त्— भूभृत् (पहाड़)।	भूभृत्	भूभृतौ	भूभृतः।
इन्नान्तकरिन् —	करी	करिणौ	करिणः
स्—चन्द्रमस्	चन्द्रमाः	चन्द्रमसौ	चन्द्रमसः
त्—भगवत्	भगवान्	भगवन्तौ	भगवन्तः
अन—मन्—आत्मन्	आत्मा	आत्मानौ	आत्मानः
वस्— विद्वस्।	विद्वान्	विद्वांसौ	विद्वांसः

स्त्री लिङ्ग।

आ— रमा।	रमा	रमे	रमाः।
इ—रुचि।	रुचिः	रुची	रुचयः।
ई—नदी।	नदी	नद्यौ	नद्यः।
ऊ—वधू।	वधूः	वध्वौ	वध्वः।
औ—नौ।	नौः	नावौ	नावः।
च्—वाच्।	वाक्	वाचौ	वाचः।

ध्— क्षुध् ।	क्षुत्	क्षुधौ	क्षुधः ।
ष्— प्रावृष् ।	प्रावृट्	प्रावृषौ	प्रावृषः ।
द्— शरद्	शरत्	शरदौ	शरदः ।

नपुंसक लिङ्ग ।

अ— ज्ञान	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि
इ— दधि	दधि	दधिनी	दधीनि
,, वारि	वारि	वारिणी	वारीणि
त् जगत्	जगत्	जगती	जगन्ति
स् धनुस्	धनुः	धनुषी	धनूंषि
उ मधु	मधु	मधुनी	मधूनि
अन् नामन्	नाम	नामनी	नामानि

EXERCISE I

Translate the following into English or Hindi.

१ धाता विश्वं सृजति २ तस्य दासा स्त्वं अहं च प्रभवाम स्तत्कर्तुम् ३ तीर्थोदकं च वन्हिश्च नान्यतः शुद्धि मर्हतः ४ देवदत्तो मम शङ्का स्थाने जातः ५ त्वं तु देव शर्म्मणो द्वितीयं जीवितमिव ६ रामप्रसादो व्रजयाशि लालो वा तन्नाम लिखेत् ७ नव ग्रहाः भवन्ति ८ सोऽस्मिन् नगरे यज्ञदत्तः कृतः ९ नाहं प्रभवामि तस्मै १० अभून्नृपो देवसखः परन्तपः श्रुतान्वितो दशरथ इत्युदाहृतः । ११ अहं परितोषमनु भवामि तद्दर्शनात् १२ विद्या महाधनं अस्ति १३ मम शरीरं पितृभ्यां सम्भूतम् १४ प्रादुर्भूतो नन्दानन्दः, नन्दानन्दः प्रादुर्भूतः इति श्री कृष्ण जन्मनि दुन्दुभयो नेदुः १५ प्रभुर्बुभूषु र्भुवनत्रयस्य स तप स्तेपे १६ यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानि र्भवति भारत—

सम्भवामि युगे युगे १७ विपवृक्षोऽपि सम्वर्ध्य स्वयं छेत्तुम साम्प्रतम् १८ सूर्यः शौर्य्य मथेन्दुरिन्द्र पदवीं सन्मङ्गलं मङ्गलम् । सद्बुद्धिं च बुधो गुरुश्च गुरुतां शुक्रः सुखं शं शनिः। राहु बाहुबलं करोतु विपुलं केतुः कुलस्योन्नतिम् नित्यं प्रीतिकरा भवन्तु भवतो सर्वेऽनुकूलाग्रहाः १

II Translate the following into Sanskrit.

१आज यहां एक नई संस्कृत पाठशाला स्थापित हुई है २ मेरा उसके साथ कुछ बस नहीं चलता ३ या तो मदन मोहन मथुरा को जाय या मधुसूदन ४ ये दोनों लड़के सुन्दर और गुणवान् हैं ५ सांझ को हम तुम दोनों वहां चलेंगे ६ यह लड़का गुरु जी का प्रेम पात्र है । ७ मुकुन्द देव ने स्याम सुन्दर को हटा दिया ८ विद्या पुरुष का भूषण है ९ सब वस्तु ईश्वर से उत्पन्न होती हैं १० यह संसार असार है ऐसा सदा विचार करो ११ सत्य, विद्या, पवित्रता, शान्ति धीरज और इन्द्रियों को वश में रखना यही बड़ी तपस्या है १२ चंद्रमा कल दिखाई देगा १३ कृष्ण देव राजा किया गया था । १४ प्यारे भाई यहां आओ

दयालु कृपालु । kind, gracious, दयावान् ।
नव, नूतन, नवीन । New, fresh Modern नया ।
पुराण, पुरातन, चिरन्तन । Old पुराना ।
विद्वस् । विपश्चित् । A learned man पण्डित ।
अज्ञ, मूर्ख । बालिश । Fool, ignorant मूर्ख ।
वस् निवासे) 1P To live, to dwell. रहना । बसना ।
अधि— to inhabit
प्र—to go abroad प्रदेश जाना ।
उप— to fast, dwell उपासक रहना ।
Caus: वासय्
निर— to banish देश निकाला देना ।

धि— to dress, adorn जिलायतन क० सुशोभित क०
s: विवत्स्- Fre बावस्यते। Pass. उप्यते।
W. वसन् वसनम्। वासः। उष्टम्। अधिवासनम्
युष्टिः। वस्तुम्। वसतिः।
स् (उपवेशने) II A. To sit, to remain. बैठना, बना-रह
र— To honour, worship. पूजा क० आदर करना
धि— to sit down on बैठना।
द्— to be indifferent to be sad उदासहोना।
aus: आसय् Des: आसि सिष्. Pass आस्यते।
W. आसीनः आसनम्। उपासना। आस्यमानः।
दासीनः। आसितुम्। आसित्वा।
ध् (अवगमने) P. IV A To know, think जानना
— to awaken जगाना।
म्— to know, demonish जानना।
aus बोधय् to advise शिक्षा देना।
प— to inform जताना।
es. बुभुत्सते। Fre. बोबुध्यते। Pass बुध्यते।
W. बुध्यमानः। प्रबोधः। बुद्धिः। सम्बोधनम्। बोध्यम्–
धनीयम्। बुद्ध्वा। सम्बोध्य। बोद्धुम् प्रबोधयितुम्। बोद्धृ।
वेद् (ज्ञाने) IIP. To know जानना।
म्— To Medidate ध्यान क०।
aus: वेदय To report जताना
— Do to present देना।
— to represent हाल बताना
es. विवेदिष्- Fre वेविद्यते। Pass विद्यते।
W. विदन्। वेदनम्। विद्या। वेत्तुम्। वेदः। विदितम्
वेद्वान्। वेदितव्यम्। वेद्यम्। वेदनीयम्।
वेद् (सत्तायाम्) IV A. To be, to happen होना
वेद्— To be tired खिन्न होना, थकना।
म्+प्रति— To tell, to report कहना बतलाना।

Caus छेदयति Des छिच्छित्सति । चेच्छिद्यते । Pass छिद्यते ।

D. W. छिद्यमानः छित्तः छिन्नः । निर्भेद्यः । छिदिरा ।

ष्ठा-स्था (गतिनिवृत्तौ तिष्ठ) 1 P. to stand, to sit खड़ा होना स्थित होना

प्र— A to start off रवाना होना ।

अधि— P. to dwell, to live. रहना ।

Caus. स्थापयति Des तिष्ठासति Fre तेष्ठीयते । Pass स्थीयते

D. W. तिष्ठन् । स्थानम् । स्थितिः स्थित्वा । प्रस्थाप्य ।
स्थापनम् स्थातुम् ।

डुकृञ्-कृ- (करणे) 8 P & A To make, to compose बनाना । करना ।

उप— to oblige, to serve. भलाई करना

चमत्— to wonder आश्चर्य करना ।

तिरस्- to despise तिरस्कार करना ।

सम्—(स्कृ)— to hallow, to adorn संस्कार क० आरास्त=

प्रति— to cure, to repay प्रतीकार क० इलाज क०

वि to injure दुःख देना । बदलना । बिगाड़ना ।

आविस्— to change to manifest प्रगट क०

अप— To disgrace बे इज़्ज़ती क०

निरा— To disapprove नापसन्द क०

अलम्— To adorn सुशोभित क० सजाना

अङ्गी— To accept अंगीकार क० मंजूर क०

सत्— To honour आदर करना ।

Caus कारयति । to cause to make बनवाना ।

आ— To call बुलाना ।

Des चिकीर्षति Fre चेक्रीयते । Pass क्रियते

D. W. शतृ- कुर्वन् । शान- कुर्वाणः । क्त- कृतः । क्तवतु- कृतवान् । तव्य- कर्तव्यम् । अनीय- करणीयम् । तु-

र्ता । अन- करणम् । क्ति- कृतिः । स्यतृ- करिष्यन् स्य
मान- करिष्यमाणः । क्वसु-चकृवान् । कान- चकाणः । घञ्-
कारः । तुम्-कर्तुम् । क्त्वा- कृत्वा । णमुल्- कथंकारम् ।
दिप् (दीप्तौ) IVA. To shine चमकना ।
Caus दीपय् । To cause to shine चमकाना ।
उत्— To kindle जलाना ।
सम्— to blaze चमकाना । प्रज्वलित क०
Des दिदीपिष्-Fre देदीप्यते। Pass दीप्यते
D. W. दीप्यमानः । दीपनम् । प्रदीपः । दीप्तिः ।
देदीप्यमानः । दीप्तः । सन्दीपयितुम् । उद्दीप्य ।
दुह् (प्रपूरणे) II P&A. To Milk, to make a profit
दुहना- लाभ उठाना
Caus दोहयति- Des. दुधुक्षति Fre दोदुह्यते
D. W. दुहन् । दुग्धम् । दुग्धवान् । दोग्धा । दोहनीयम् ।
दोग्धुम् । दुग्ध्वा । दुधुक्षा । सन्दोहः दोहनम् । दोग्धव्यः ।
डुयाचृ-याच् (याच्ञायाम्) P & A. To beg, to demand in marriage मांगना ।
Caus याचयति ते—Des. यियाचिषति ते- Fre यायाच्यते । Pass याच्यते ।
D. W. याचन् । याचमानः। याचितः । याचितवान्।याचकः।
याचितव्यम् । याचितुम् । याच्त्वा । याच्यमानः । याचनीयम्।
याचयित्वा । याचित्वा ।
डुपचष्-पच्- (पाके) IU To cook, to bake, to digest. पकाना
Caus. पाचयति Des पिपक्ष् Fre पापच्यते । Pass पच्यते
D. W. पचन् । पचमानः । पक्ता । पक्तुम् । पक्वः । पक्वान् ।
पचनम् । पक्तिः । पच्यमानः । पक्ता । पचनीयम् ।
दण्ड् (निपाते) X U. To fine, to punish- दण्डदेना- सजादेना ।

Caus दण्डयति-ते Des. दिदण्डयिषति-ते Pass दण्ड्यते D. W. दण्डयन् । दण्ड्यमानः । दण्डयिता । दण्डयित्वा । दण्डयितुम् । दण्डनीयः । दण्डः । दण्डनम् । रुध् । रुधिर् (आवरणे) VII U,

	to oppress	दबाना ।
	to hold up	थामना ।
अव—	to bind	बाँधना ।
	to hide	छिपाना ।
वि—	to oppose, to quarrel.	विरोध करना ।

Caus रोधय्. Des. रुरुत्स्. Fre रोरुध्यते । Pass रुध्यते । D. W. रुन्धन् । रुद्धः । अवरोधः । रुध्वा रोद्धुम् ।

प्रच्छ् (ज्ञीप्सायाम्) VI P. To ask, to seek for पूछना ।

आ— A. To obtain leave आज्ञामांगना ।

Caus, प्रच्छयति । Des, पिपृच्छिषति Pass पृच्छ्यते Fre. पापृच्छीति ।

D W. पृच्छन् । प्रष्टा । प्रष्टव्यः । पृष्टम् । पृष्ट्वा । प्रष्टुम् । पिपृच्छिषा । पृच्छकः । पृच्छमान् ।

चिञ्-चि (चयने) V. U. To heap up, to collect: इकट्ठा करना ।

सम्—	Do	Do
परि—	to know, to recognise	जानना, पहिचानना ।
सम्—	to collect. accumulate	इकट्ठा करना ।
सम्—उत्—	to put together.	do
निस्—	to ascertain	निश्चय करना ।
अव—	to pluck gather	तोड़कर इकट्ठा क० ।
अप—	to diminish	घटाना ।
आ—	to explain	व्याख्या करना ।
उप—	to increase	बढ़ाना ।

Caus. चाययति Des चिचीषति, Fre चेचीयते Pass चीयते।

D. W. चिन्वन्। चिन्वानः। चयनम्। सञ्चयः। चेतुम्। सञ्चित्य। चेता। चेतव्यम्। चयनीयम्। चितम्। चितवान्।

वच् or ब्रू (व्यक्तायां वाचि) HU. To speak, to tell कहना

प्र— to answer जवाब देना।

Caus वाचयति Des विवक्षति। Fre वावच्यते Pass उच्यते।

D. W. ब्रुवन्—ब्रुवाणः। उक्तम्। उक्तवा। उक्तिः। वक्तुम्। वक्ता, ऊचिवान्। प्रोच्य। वक्तव्यम्। वचनम्, वचः।

शास् (अनुशिष्टौ) II P. To govern, to teach, हुकूमत करना शिक्षाकरना।

अनु— to teach, to punish शिक्षा क० सजादेना।

प्र— to rule— हुकूमत करना

A— to pray for प्रार्थना करना

आ— A to hope, to praise आशा क० बड़ाई क०

Caus शासयति Des शिशासिषति Fre शाशास्यते Pass शिष्यते D. W, शासत्। शिष्टः। शिष्यः। शास्ता। शासनम्। शासकः। शासनीयम्। अनुशास्य. शासितुम् शशासिवान्।

जि (जये) IP. To conquer, to win, जीतना।

निर्— to defeat हराना।

वि— A to be victorious विजयी होना।

परा— A to subjugate, to hate जीतकर वस में क०

Caus. जापयति Des जिगीषति Fre जेजीयते Pass जीयते

D. W. जयन्। जितः। पराजयः। जेतुम्। विजित्य। जित्वा। जेतव्यम् जिगिवान्। जेता। जेष्यन्। जीयमानः।

मथ् (विलोडने) I & IX P. To churn मथना

लोना Caus, मन्थयति । Des मिमन्थिषति Fre मा मथ्यते Pass मथ्यते । D. W. मथन । मथ्नन् । मथितः । मथ्यमानः मन्थमानः । मन्थनम् । मथित्वा मथितुम् मुष् (स्तेये) IXP. To steal, to rob चुराना । लूटना । परि– to carry off उठा लेजाना ।

Caus, मोषयति Des मुमुषिषति Fre मोमुष्यते Pass मुष्यते । D W. मुष्णन् । मुषितम् । मुषितवान् । मूषकः । मुषित्वा । परिमृष्य । मुमुषिषान् । नी (प्रापणे) IU. To lead, to guide पहुंचाना । राह बताना ।

अनु—	to appease to beg.	ठंडा क० प्रार्थना क०
अप–	To lead away	दूर करना
आ—	to bring	लाना ।
निर्—	to settle	निर्णय या फसला क०
प्र—	to compose	बनाना ।
उत्—	A. to raise	उठाना ।
उप—	A. to hire	किराये पर लेना
	to investwith the sacred thread	यज्ञोपवीत संस्कार करना
प्रति—	p. to carry back	फेर लेजाना ।
वि—	to remore	सरकाना, हटाना
	to train	सिखाना ।

अभि— to represent dramaticelly नाटक करना Caus, नाययति. Des निनीषति Fre नेनीयते Pass नीयते D. W. नयन् । नीयमानः । नीतः । नीतवान् । नीत्वा, नेतुम् नेष्यन् । नेष्यमाणः । निनीषवान् । विनीय । नेता । नायकः । अभिनयः । नीतिः । उपनयनम् । नेतव्यम । नयनम् । विनयः।
हृ (हरणे) IU. to take,to carryoff लेजाना, हरण क०
कृष् (विलेखने) IP.todraw खेंचना ।

वह (प्रापणे) To lead or carry लेजाना पहुंचाना
इनका विवरण आगे के पाठों में मिलेगा।

II

The Accusative Case कर्म्म कारक।

१ जिसमें कर्त्ता के व्यापार का फल रहे उसे कर्म कहते हैं। अनुक्त कर्म्म में द्वितीया विभक्ति होती है हिन्दीमें उसका चिह्न को और संस्कृतमें १ अम् २ औ ३ अः, आन् हैं यथा मोहन लालम् आह्वय। Call Mohan Lal मोहनलाल को बुलाओ।

२ गत्यर्थक धातुओं के कर्म के आगे द्वितीया आती है। यथा-सः परं विषादम् अगमत् He was greatly dejected वह बड़े शोक को प्राप्त हुआ।

३ यदि "शी" (to down)। "स्था" (to stand) "आस्" (to sit) धातुओं के पूर्व अधि उपसर्ग रहे तो उनके आधार (स्थानवाचक शब्द) के आगे द्वितीया विभक्ति आती है, जैसे-स कटम् अधिशेते। He lies down on the mat वह चटाई पर लेटा है। स आसनम् अधितिष्ठति He stands on the seat वह आसन पर बैठा है। वैकुण्ठं अध्यास्ते हरिः। Hari dwells in vaikunth. हरि वैकुंठमें रहतेहैं

४ यदि अभि + नि उपसर्ग पहिले हो तो "विश्" to enter or resort धातु के आधार के आगे द्वितीया आती है। यथा रामदत्तः सन्मार्गं अभिनिविशते। Ram Datta resorts to a good path रामदत्त अच्छे मार्गमें प्रवृत्त होता है।

५ यदि "वस्" (to dwell) धातु के पहिले उप, अनु, अधि, या आ उपसर्ग आवें तो उसके आधार के आगे द्वितीया आती है। यथा हरिः वैकुंठम् उप-, अनु- अधि- आ- वसति। Hari dwells in vaikunth हरि वैकुंठमें रहतेहैं।

न्तु यदि "वस्" धातु का अर्थ लङ्घन व्रतकरना to
st हो तो उसके आधार के आगे द्वितीया नहीं किन्तु
तमी विभक्ति लगतीहै। यथा वने उपवसति नन्दलालः Nand
al is fasting in the forest. नंदलाल वन में उपवास
रता है।

७ उभयतः on both sides सर्वतः on all sides धिक्
e। अधि×अधि. bove। उपरि×उपरि over। अभितः,
रितः all around। समया, निकषा, near। अधःअधः
elow। प्रति to। हा woe be to। इन में से प्रत्येक के यो-
में द्वितीया विभक्ति आती है। यथा उभयतः कृष्णं गोपाः
ow-herds are on both sides of Krishna गोप कृष्ण
ी के दोनों ओर हैं १ सर्वतः शिक्षकं छात्राः The student,
re standing on all sides of their teacher विद्यार्थी
पने अध्यापक के चारों ओर खड़े हैं। धिक्त्वाम् बालि
म् Fie upon thee O fool। रो मूढ़ तुझे धिक्कार है।
ध्यधि लोकं देवाः Devas are above the world देव
ाग लोक के ऊपर हैं। उपर्युपरि लोकं विष्णुः Vishnu
s over the world विष्णु संसार के ऊपर हैं। अधोऽधो
ोकं शेषः Shesh is below the world शेष पृथ्वी लोक
के नीचे हैं। भवतः परीक्षाया मुत्तीर्णतांप्रति नास्ति मे सं-
शयः I have no doubt as to your passing the exa-
mination. आपके परीक्षा में पास होने के विषय में मुझे
कोई सन्देह नहीं। विद्यार्थिनो गुरुमभितः स्थिताः The
pupils stood round their teacher. चेले गुरु के चा-
रों ओर खड़ेथे। ते मां परितः स्थिताः They stood round
me वे मेरे चारों ओर खड़ेथे। निकषा गोष्ठं सः तिरस्कृतः
He was despised near the cow-pen. वह गोशाला
के समीप तिरस्कार कियागया। हा गोविन्दा भक्तम्! Woe

be to non worshiper of God ! अफसोस उसके लिये जो गोविन्द भक्त नहीं ॥

८ अन्तरा (between) । अन्तरेण (without) इन में से प्रत्येक के योग में द्वितीया विभक्ति आती है यथा अन्तरा त्वां मां कमण्डलुः There is a jug between you and me मेरे तुम्हारे बीच लोटा है । अन्तरेण हरिसेवां न सुखम् No happiness without the worship of Hari ईश भजनबिन सुख नहीं ।

यदि "अनु" आदिकों के निम्न लिखित अर्थ हों तो उन में से प्रत्येक के योग में द्वितीया विभक्ति आती है ।

अनु—	After, resembling, imitating, along, by the side of, inferior to, repetition, portion	पीछे, उनहार, किनारे । छोटा, भाग
प्रति—	do	do
परि —	do	do
उप—	Inferior to	do कम, छोटा
अपि—	1 Censure	गर्हा, निन्दा ।
	2 also	समुच्चय, और
	3 In the sense of a understood word.	ऊपर से पढ़कर अर्थ समझना ।
	4 Permission to do as one likes	किसी की इच्छानुसार काम करने की आज्ञा
अति	superior to	अधिक
अभि		भाग अर्थ के सिवाय उक्त अर्थ ।
सु		पूजा ।

यथा—१ जप मनु प्रावर्षत्मेघः It rained after the muttering of prayer जप के पीछे मेंह बरसा ।

२ राम प्रसादः स्वपितरमनु । R. P. is after his father. रा० प्र० अपने बाप की उनहारि है ।

३ नदीमनु अवासेता सेना The army encamped by the side of the river. सेना नदीके किनारे२ पड़ी थी।
४ स वृक्षं २ प्रति सिञ्चति He waters every tree.
यह प्रत्येक वृक्ष को सींचता है।
५ सर्पिषोऽपि स्यात् Even a drop of ghee. घी की बूंद भी है
६ अपि तिष्ठ अपि कुरु stand and do. खड़े हो और करो।
७ अपि कुरु you may do it. आप को यह करना चाहिये।
१० यदि द्रव्य, गुण, और क्रिया के काल और मार्ग का निरन्तर संयोग हो तो काल और मार्ग वाचक शब्दों के आगे द्वितीया वि० आती है। यथा १ क्रोशं गिरिः। कोस भर तक पर्वत

२ योजनद्वयं कुटिला नदी The rever runs winding for two yojans दो योजन तक टेढ़ी नदी॥

३ इन्द्रो द्वादश वर्षाणि न ववर्ष॥ Indra did not rain for twelve years बारह बरस तक मेंह नहीं बरसा।
११—दुह आदि १६ धातु द्विकर्मक हैं, इन के अपादानादि कारक यदि अपने रूपसे न समझे जाय तो वे कर्म होजाते हैं और द्वितीया विभक्ति पाते हैं। इन के समानार्थक धातु भी ऐसे ही होते हैं।
यथा-१ स गां दोग्धि पयः He milks the cow वह गायसे दूध दुहता है)।
२ बलिं मयाचते वसुधां वामनः V. begged the earth of Bali. वामन ने बलिसे पृथ्वी मांगी थी।
३ तण्डुलानोदनं पचति जानकी Janki cooks rice जानकी चावलों का भात पकाती है।
४ राजा वैश्यान् शतद्वयं दण्डयति The king fined the vaishyas two hundred (rupees) राजा वैश्यों पर २००) रु० जुर्माना करता है।
५-मजमवरुणद्धि गाः गोपालः The cow-herd obst-

ructs the cows in the cow-pen ग्वालिया गौओं को खिड़क में बन्द करता है।

६-माणवकं पन्थानं पृच्छति जनः a man asks the boy of the way आदमी लड़के से मार्ग पूछता है।

७—वृक्षमव चिनोति कुसुमानि मालाकारः The gardener plucks up flowers from the tree. माली पेड़ से फूल तोड़ता है।

८—गुरुः शिष्यं धर्मं ब्रूते। The precepter tells the virtue (duty) to his pupil, गुरु चेले से धर्मकी बात कहता है।

९—पिता पुत्रं धर्मं शास्ति, The father instructs his sons in virtue. पिता पुत्रको धर्मकी बात सिखाता है।

१०-श्यामः सुन्दरं शतं जयति Shiam wins 200 from Sundar श्याम सुन्दर से २००) जीतता है।

११—देवा दानवाश्च समुद्रं सुधां ममन्थुः The Devas and Danavas churned nectar from the sea देव और दानवों ने समुद्र से अमृत निकाला।

१२—चौरस्तं सहस्रं मुष्णाति A thief robbed Rs 1000 of him, चोर उसके १०००) रु० चुराता है।

१३—दासोऽश्वं नगरं नयति. The servant takes horse to the city. नौकर घोड़ेको नगरको लेजाता है।

इसी प्रकार और भी।

E-The causative verbs. प्रेरणार्थक धातु।

जिससे प्रेरणा समझी जातीहै वह प्रेरणार्थक क्रियाहोती है।

1 शुद्ध क्रिया। प्रेरणार्थक क्रिया।

देवदत्तः ओदनं पचति। यज्ञदत्तः देवदत्तेन ओदनं पाचयति।

दे० द० भोजन बनाता है। यज्ञदत्त देवदत्तसे भोजन पकवाताहै

II. D. Cooks food I Y. D. Causes D. D. to cook food.

2 जिन धातुओं का अर्थ गति (motion) बुद्धि (kno-

wledge) प्रत्यवसान (eating) है और जो धातु इनके समानार्थक हैं। और जिन धातुओंका कर्म शब्द है और जो धातु अकर्मक हैं उनकी शुद्ध क्रियाका कर्त्ता प्रेरणार्थक क्रिया का कर्म होता है। औरवह द्वितीया विभक्ति पाता है। यथा

शुद्ध क्रिया	प्रेरणार्थिक क्रिया
a-शत्रवः स्वर्गं अगच्छन्।	स शत्रून् स्वर्गं अगमयत्।

The enemies went to heaven. He sent the enemies to Heaven.

शत्रु लोग स्वर्ग गये। उसनेशत्रुओं को स्वर्ग भेजा।

b—ऋषयो वेदार्थं मविदुः। हरिः ऋषीन् वेदार्थं मवेदयत्।

ऋषियोंने वेदार्थजाना। हरिने ऋषियोंको वेदार्थ जनाया।

c—देवाअमृतमपन्। विष्णुर्देवानमृत माशयत्।

देवों ने अमृत पिया। विष्णुजीने देवोंको अमृत पिलाया।

d—विधिर्वेद मध्यैत। नारायणो विधिं वेदमध्यापयत्।

ब्रह्माजी ने वेद पढ़ा। नारायणजीने ब्र०जीको वेदपढ़ाया।

e—पृथ्वी सलिले आस्त। वाराहः पृथ्वीं सलिले आसयत्।

पृथ्वी जल में थी। वाराहजीने पृथ्वीको जलमें रक्खा।

३ यदि प्रयोजक कर्त्ताको कोई दूसरा प्रेरणा करे तो उस प्रयोजक कर्त्ता के आगे तृतीया आती है। यथा—

रामः कृष्णं गमयति। गोविन्दोरामेण कृष्णं गमयति।

R.Causes k. to go। G.prompts R.to cause K.to go

रा० कृ० को भेजता है। गो०राम से कृ० को भिजवाता है।

४ "नी" और "वह" धातुओं की शुद्ध क्रिया का कर्त्ता यदि यन्ताहो तो वह द्वितीया विभक्ति पाताहै और यदि इस सेभिन्न दूसरा कर्त्ता हो तो तृतीया। जैसे—

a अश्वा रथं वर्त्तयंति वहन्ति वा। सूतोऽश्वान् रथं नाययति। वाहयति वा घोड़े रथ को लेजातेहैं। सारथी घोड़ोंसे रथ चलवाता है।

b भृत्यः भारं नयति वहति। प्रभुः भृत्येन रथं नाययति,

वाहयति । नौकर बोझ लेजाता है, ढोता है, । स्वामी नौकर से बोझ ढुवाता है ।

५ "अद्" और "खाद्" (to eat) धातुओंकी शुद्ध क्रिया का कर्त्ता प्रेरणामें करण हो तो तृतीया विभक्ति पाताहै। यथा बालकः अन्नमत्ति- खादति । स बालकेन अन्न मादयति— खादयति वा ।

The boy takes his food, He causes the boy to eat his food

६. यदि "भक्ष्" धातु का अर्थ खाकर दुख पहुंचाना हो तो शुद्धक्रिया का कर्त्ता प्रेरणा में कर्म होकर द्वितीया या विभक्ति पाता है । यथा बलीवर्दाः सस्यं भक्षयन्ति । गोपः बलीवर्दान् सस्यं भक्षयति । बैल खूंद चरते हैं । ग्वालिया बैलों से खूंद चरवा कर बिगाड़ता है ।

७— "दृश् to see धातु की शुद्ध क्रिया का कर्त्ता प्रेरणार्थ कर्म हो तो द्वितीया वि० पाता है । यथा-

भक्ताः रामं पश्यन्ति । स भक्तान् रामं दर्शयति ।

The worshippers see ram, He shows R. to Devotees

८-"स्मृ" (to remember) और "घ्रा" (to small) धातुओं की शु० क्रि० का कर्त्ता प्रेरणा में करण हो तो ३. या वि० पाता है ।

यथा— रामः मातरं स्मरति । गोविन्दः रामेण मातरं स्मारयति । राम माताको याद करता है । गोविन्द राम से माता को याद कराता है ।

९ - "हृ" (to take or carry) 'कृ' (to do) और आत्मने पदमें "दृश्" और अभि उपसर्ग पूर्वक 'वद"

धातुओं की शु० क्रिया का कर्त्ता प्रेरणामें कर्म और करण हो तो २ या और ३या दोनों विभक्तियां पाते हैं ॥ यथा

१ भृत्यः कटं करोति । मोहनः भृत्यं, भृत्येन कटं कारयति । नौकर चटाई बनाताहै,मोहन नौकरसे चटाई बनवाता है ।

८ माणवकः देवं पश्यति, गुरुः माणवकं-माणवकेन देवं दर्शयति। बालक देव को देखता है, गुरु बालक को देव का दर्शन कराता है।

माणवकः गुरुम् अभिवादयते।

९ माणवक गुरु को प्रणाम करता है।

पिता माणवकं माणवकेन गुरुम् अभिवादयति। पिता बालक से गुरु को प्रणाम कराता है।

१०—द्विकर्मक धातुओं की शु० क्रि० का कर्ता प्रेरणा में कर्म और करण होकर २ और ३ दोनों विभक्तियां पाते हैं। यथा

वामनः बलिं वसुधां याचते। गोविन्दः वामनं वामनेन बलिं वसुधां याचयति। वामन बलि से पृथ्वी मांगते हैं और गोविन्द वामनसे बलि से पृथ्वी मंगवाते हैं। इत्यादि।

F Exercise

I (a)

Translate the following sentences into Hindi

१ ततोऽहं तमगच्छम् २ काशी मधिवसति विश्वनाथः ३ परिजनो राजान मभिवर्त्तते ४ आसनकमण्डलुं चान्तरा मया पुस्तकं स्थापितम् ५ उभयतोविद्वान्सं बहवो जना आसते ६ ईश्वर सेवा मन्तरेण न सुखमनु भवति जनः ७ राजा सिंहासनमधितिष्ठति ८ नास्ति मे संशयो गोविन्दरामस्य विद्वत्वं प्रति ९ श्रीमद्विजयि राजान मनु सर्वेऽन्ये राजानः १० रामनगरमुपतिष्ठते ऽयं मार्गः ११ नवीनं परिच्छदं परिधेहि १२ दीप शलाका- सम्पुटं पिधेहि १३ अति बालान् तान्स- र्वान् वर्तते श्यामसुन्दरः १३ सर्वे ग्राममनु तेषाम् १५ क्रीडतः शिशूनाकारय १६ शङ्करलाल मन्तरेण कीदृङ् महावीरस्य भावः १७ मथुरां समया नदी श्रीयमुना वर्तते १८ एकदा जनकस्य नाम राज्ञो देशे बहूनि वर्षाणि न ववर्ष देवः १९ प्रति सर्वान् ग्रहान् सूर्यः २० धिक् तमनुपकारिणं जनम् २१ आचार्यं परितः शिष्या आसते २२ अत्रि मनु अनुसूया।

B

Translate the following Into Sanskrit,

1 I want to him. 2 He dwelt for twelve years in Benares. 3 Every-thing of Bansidhar resembles that of Murari Lal. 4 The first three are superior to the last four. 5 They all stood round their teacher 6 King Dasratha sat on half the seat of Indra.

7 You should follow the instructions of your preceptor 8 God is above all. 9 Is there any river near your town 10 No gain without pain. 11 Allahabad is between Benares and Cawnpore 12. They are planting fruit trees along the path. 13. Make me a box after this Model. 14 He is two places below me in class. 14 He is above you. 16 I doubt (as to) his going there.

C

Translate the following idto Sanskrit.

१—तुम्हारी सब बातें पंडितोंकी सी हैं। २ शम्भुदत्त दर्जे में मुझसे नीचे है पर मुरारिलाल ऊपर है। ३ राम लक्ष्मण और सीता कई बरस तक चित्रकूट पर्वत पर बसे थे ४ सेवा करै सो मेवा पावै ५ धिक्कार है उन मनुष्यों को जो पराई भलाई नहीं करते ६ तुम्हारे सिवाय कौन ऐसा कर सकता है ७ भगवान् के विषय में उसका प्रेम कैसा है ८ जब मैं वहां गया तो बहुत लोग मेरे चारो ओर आखड़े हुए ९ हमारे तुम्हारे बीच मुरारी है १० कृपालु महाराज ज्यौर्ज पञ्चम हिन्दके सब राजाओं के ऊपर हैं। ११ गोविन्द तालाब के किनारे २ टहल रहाथा १२ तुम हाथीपर चढ़ोगे या घोड़ेपर १३ कृपा करके मुझे इस नमूने की कुर्सी बनवादीजे १४ ये दोनों अपने बापकी सूरतहैं १५ पहिलेके देखे दूसरा अच्छा है १६ हमें तो कोईसंदेह नहीं कि ब्रजभूषण इसको न करस-

देगा १७ वह घरके पास ही छिपगया १८ सेना नदी के किनारे २ पड़ी थी १९ इस सन्दूक को बन्द करदो २० उस पेड़ के पास मत खड़े हो २१ उसकी बाबत उसका आपका क्या ख्याल है ?।

II (A)

Translate into Hindi or English.

१ पप्रच्छ राज्ये राजानं सुकृती मुनिः २ मुनिस्तापसान् धर्मं शास्तिस्म ३ हनुमान् देवान् कल्याणं याचमानो विभीषणं सीतामपृच्छत् ४ क्षेत्रपतिर्गां बलीवर्दान् महिषीश्च गोष्ठ अवरुद्धवान् ५ मालिकस्तरून् मालती कुसुमानि चिन्वन्नासीत् ६ सूदः पयः पायसं पचा७ धर्मं शाधि मां गुरो ८ केदारनाथः सपिधानं सम्पुटं द्वौ क्रोशौ वोढुं समर्थः ९ शिवदत्तं प्रधानाध्यापकं नय १० मुरारिलालो महिषीं पयो दुग्धवति ११ सुरासुराः सागरममृतं ममन्थन्ते स्म १२ त्वं मां ताम्रखण्ड अयमजयः १ विपीक्ष्न्तमिदंवाक्यमुवाचमधुसूदनः १४ अजा ग्रामं नीयते शम्भुदासेन नाम्ना अजाजीविना १५ विष्णुदत्तस्तस्करैः पञ्चमुद्रा मुषितः १६ काष्ठभारंनगरमुवाह शिवदीनः ।

(B)

Translate the following into Sanskrit.

1. Ram Prasad begged a rupee of Manohar Lal. 2 He wishes to confine all the oxen in the cow-pen. 3 I asked him four questions. 4 The preceptor instructs his pupils in the principles of vedant. 5 Take this boy to the Headmaster. 6 Will you pluck a flower from the true. 7 They will rob the travellers of their robes. 8 He taught them English well. 9 Carry this load to my house. 10 Mohan Lal was fined five rupees. 11 The Devas and Danavas got fourteen gems by churning the sea,

(C)

Render the following into Sanskrit.

१ राजा ने पण्डित से 'सुकुमार' का अर्थ पूछा २ मदनमोहन ने हरिसिंह से एक पैसा मांगा ३ पद्मावती ने दही बिलोकर घी निकाला ४ वहां अकेले मतजाओ, नहीं तो चोर तुम्हारे कपड़े छीन लेंगे । ५ न्यायाधीशने धनसिंह पर पांच रुपये जुर्माना किए ६ जाकर उस पेड़ पर से पत्ते तोड़ लाओ ७ पाण्डवों ने कौरवों से सब राज जीत लिया था ८ क्या तुम इस तख़्त को हमारे घर तक पहुंचा सकते हो ९ तुमने राम गोपाल से अपने भाइयों की कुशल पूंछी थी १० गोविन्दप्रसाद अपनी माके पास दूध और मेवा लेगया है ११ हमारे गुरुजी हम सबको शास्त्र की बातें बताया करते हैं १२ प्रभुदत्त रसोइये से कहो कि इस आटेकी रोटी बनावें १३ उसने उस बन्दर के बच्चे को पिटारी में बन्द करा दिया १४ मैं आप से सिर्फ यही पूंछना चाहता था १५ वे सब महात्मा विश्वामित्र से यह वचन बोले १६ उस उदार धनीसे यह शुभसमाचार कहा गयाथा ।

तृतीयः प्रकाशः

(A)

विग्रहः । कायः	body	शरीर
उत्तमाङ्गम् । शिरः n	head	सिर
भालम्—ललाटम्	Forehead	माथा
कपालः । कर्परः ।	Skull	खोपड़ी
मुखं । आस्यं । आननं	Mouth	मुंह
चिबुकम् ।	Chin	ठोड़ी
गण्डः । कपोलः ।	Cheek	गाल
हनुः ।	Jaw	जावड़ा

नासिका । नासा ।	Nose	नाक ।
रसना । रसज्ञा । जिह्वा	tongue	जीभ ।
रदनः। दशनः । दन्तः ।	Touth	दांत
गलः । कण्ठः ।	Throat	गला
भ्रू f	brow	भौं
लोचनं । नयनं । नेत्रम्	eye	आंख
कर्णः । श्रोत्रम् ।	ear	कान
चिकुरः । कचः । केशः	hair	बाल (सिरके)
तालुः m	plate	तालुआ,
तनूरुहम् ।लोमन्,रोमन् n	hair on the body	शरीर पर के बाल
श्मश्रु n	beard	दाढ़ी
नाभिः m	vavel	ढूंढी
भुजः । बाहुः ।	arm	बांह
स्कन्धः । अंसः।	shoulder	कन्धा
पार्श्वः ।	rib, side	पसली, बगल
कूर्परः ।	elbow	कुहनी
अंगुलिः । अंगुली ।	finger	उंगली
नखम्	nail	नाखून
ग्रीवा—कन्धरा	neck	गरदन
ओष्ठः । अधरः ।	lip	होंठ ।
उरस् n । वक्षस् n ।	breast	छाती
मणिबन्धः ।	wrist,	कलाई
क्रोडः ।	cheat, lap	गोद
उदरम् । जठरः ।	belly	पेट
अवलग्नम् । मध्यम् ।	waist	कमर
कटिः f	loin	कमर
हस्तः । करः ।	hand	हाथ ।
पृष्ठम् ।	back	पीठ
जंघा	leg,	टांग

जानु n	knee	घुटना
ऊरुः m	thigh	जांघ
पद्म । अङ्घ्रिः m, (चरणम्)	foot	पैर
पादाङ्गुली	toe	पैरं की उंगली
मुष्टिः f	fist	मुट्ठी ।
कङ्कालः	skeleton	ठठरी ।
अंगम्-अवयवः ।	limb	अंगका भाग
हृद् f । हृदयम् ।	heart	दिल ।
मनस् n.	mind	मन
अन्त्रम् । पुरीतत् n	entrails	आँतें
वाच् f	speech	वाणी
रुधिरम् । रक्तम् असृज् n.	blood	खून, लोहू ।
मांस, पिशितम् आमिषम् ।	flesh	मांस, गोश्त
त्वच् f असृग्धरा ।	skin	चमड़ी
स्नायुः । वस्ना ।	Muscles	रग । पट्ठा
शुक्रम् । तेजस् n.	Semen	वीर्य, तेज ।

(२)

लेखनी, कलमः	Pen	कलम ।
पत्रम् । छदः ।	paper	कागज
मसी-मषी ।	Ink	दवात
मसीपात्रम् ।	Ink-pot	स्याही
मुकुरः । आदर्शः ।	looking glass	दर्पन
प्रसाधनी, कंकतिका ।	comb	कंघी
भूषणं, भूषा	ornament	जेवर
प्रदीपः	lamp	दीपक
क्षुरः ।	razor	उस्तरा
सूची ।	needle	सुई
चित्रम्	picture	तस्वीर
मानचित्रम्	map	नक्शा

कर्तरी	scissors	कैंची
खड्गः । असिः m.	sword	तलवार
असिपुत्रिका	knife	चाकू
चर्मन् n	shield	ढाल ।
सभा । परिषत् ।	meeting	सभा
सम्मार्जनी । शोधनी	Broom,brush	बुहारी
पाठः	Lesson	सबक
लाभः	Profit, gain	फायदा
हानिः ।	Harm	नुकसान
घटः । कुम्भः ।	Pot, jar	घड़ा
दण्डः ।	stick,club	डंडा ।
सूपः	soup	दाल
मूल्यम्,	Price,rate	कीमत
अर्घः	rate	भाव
व्याधिः m रोगः	sickness	बीमारी
ज्वरः	Fever	ज्वर
कासः	Cough	खांसी
श्वासः	Asthima	दमा
क्षयः । यक्ष्मन् m	Consumption	क्षयीरोग
पामा । विचर्चिका	Itch	खुजली
विस्फोटः। पिटकः ।	a boil	फोड़ा
व्रणः । क्षतम् ।	wound	घाव
अजीर्णम्	Indigestion	बदहजमी
अतीसारः	Dysentry	अतीसार दस्त
दद्रु	Wring-worm	दाद
औषधम्, भेषजम् ।	Medicine	दवा
वैद्यः । चिकित्सकः ५	Physician, Doctor	वैद्य
जातिः । ज्ञातिः f	Caste	जात
ब्राह्मणः	Brahman	ब्राह्मण

क्षत्रियः	a warrior caste	क्षत्री
वैश्यः। वणिक् m	Merchant	वैश्य
शूद्रः	a lower caste	शूद्र
व्यापारः	occupation,profession	पेशा
ताम्बूलिकः	betel-seller	तँबोली
नापितः। दिवाकीर्तिन् m	barber	नाई,
रजकः	washer-man	धोबी
कुलालः। कुम्भकारः।	Potter	कुम्हार
तन्तुवायः। कुविन्दः।	weaver	कोलारी-जुलाहा
सौचिकः	tailor	दरजी
स्वर्णकारः	goldsmith	सुनार
लोहकारः	Ironsmith	लुहार
तक्षन् m वर्द्धकिः m	Carpenter	बढ़ई
धीवरः।	water-bearer	धीमर
आपूपिकः	confectioner	हलवाई
चित्रकारः	Painter	चितेरा रंगसाज
पुस्तकविक्रेतृ m	Book-seller	कुतुबफरोश
पटविक्रेतृ	Draper	बजाज
गेन्दुकः। कन्दुकः	ball	गेन्द
घटी यन्त्रम्	watch	घड़ी

ADJECTIVE

खर्वः। ह्रस्वः।	Dwarf-short	बौना
तुन्दिलः। तुन्दिभः।	Fat, bulky	मोटा .
अन्धः	blind	अन्धा।
बधिरः	deaf	बहरा।
अवाक्। मूकः	dumb	गूंगा।
काणः	one eyed	काना।
खञ्जः। पङ्गुः	lame	लँगड़ा

कुब्जः	hump-backed	कुबड़ा।
खल्वाटः	bald	गंजा।
कुणिः	crippled in the arm	टोंटा।
प्रांशुः	उन्नत। Tall, high	ऊंचा।
बलवत्	strong, robust	बलवान्
निर्बलः	weak	कमजोर।
रोगिन्। आतुरः	ill, sick	बीमार
वार्त—निरामयः	Healthy	तन्दुरुस्त
तीक्ष्णम्	sharp, blunt	तेज
मन्दः। अलसः।	dull, lazy	सुस्त-कुन्द।
कियत्	How much, many	कितना, कितने

P 6 Verbs I

साध् (संसिद्धौ) 5 P. To accomplish to finish, पूरा करना

Do-10 P. to go to depart जाना

Caus साधयति to cause, to finish पूरा कराना

प्र— to adorn, to dress शोभित क०

Des सिसात्सति Fre सासाध्यते Pass साध्यते

D. W. साध्नुवन्। साधुः। साधनम्। साधितम्। साधितुम्। साध्यः। साध्यमानः साधयिता। साधयित्वा। संसाध्य।

11

लिख् (अक्षर विन्यासे) I, VI. P To write लिखना

आ— to paint चित्र काढ़ना।

उत्— to artude, to polish जिला करना

वि — to scrap खोदना

प्रति— to reply जवाब लिखना।

अभि to delineate तसवीर खींचना

Caus. लेखयति Des लिलिखिषति Fre लेलिख्यते Pass लिख्यते। D.W. लिखन्। लिखितम्। लिखितवान्। उल्लेखः

I P.

लेखकः । लेखिनी । लिखित्वा । लिलिखिवान् ।

दृश् (प्रेक्षणे) पश्य्- to see, to look at. देखना ।

उत्— to expect वाट देखना

सम्— to behold देखना

Caus दर्शयति to show दिखाना

Des दिदृक्षते Free दरीदृश्यते Pass दृश्यते

D. W. पश्यन् । दृष्टम् । दृष्टवान् । दर्शितम् । ददर्शिवान् । दृष्ट्वा । दर्शनम् । दृष्टिः । दर्शकः । द्रष्टव्यः । दर्शनीयः । दृश्यमाणः । सन्दृश्य । दिदृक्षा । ब्राह्मणदर्शम् । द्रष्टुम् । द्रष्टा ।

IV.

शी (स्वप्ने) II A to sleep, to lie down लेटना सोना

अति— to surpass बढ़जाना

सं— to doubt सन्देह क०

Caus शाययते Des शिशयिषते Fre शाशय्यते

Pass शीयते D. W. शयानः । शयनम् । शय्या । संशीतिः। अतिशयः । संशय्य । शयित्वा । शायित्वा । शयनीयम् । शयितम् । शिशियवान् । संशयः ।

V

ग्रह् (उपादाने) गृह् IX P. to take, to seize पकड़ना।

सं— to collect इकट्ठा क०

वि— to quarrel झगड़ा करना

प्रति— to accept } स्वीकार करना
to marry } विवाह करना

अनु— to favour कृपा क०

नि— to hold, to restrain थांमना

अप— to tear off फाड़ डालना

परि— to embrace छातीसे लगाना

Caus. ग्राहयति Des जिघृक्षति Fre जरीगृह्यते Pass गृह्यते

D.W. गृह्णन् । गृहीतः । गृहीतवान् । गृहीत्वा । विगृह्य । सङ्ग्रहः । अनुग्राह्यम् । ग्राहकः । जगृहिवान् । ग्रहणम् ।

जिघ्राहयिषा । गृह्यमाणः गृहीतुम् । हस्तग्राहम् ।

अद् (भक्षणे) IIp. To eat खाना

caus आदय— Des जिघत्सति Pass अद्यते

D w. अदन् । अन्नम् । अत्ता । अत्तम् । जग्धम् । जग्ध्वा । आदिवान् । अत्स्यन् । अदनम् ।

VII

चल् (सञ्चलने) I. p. To go, to remove चलना, सरकना

प्र——— to tremble कांपना

उत्——— to set out रवाना हो

वि——— to move to and fro. विचलना

प्रवि——— to deviate सरगर्दां फि०

caus. चालयति । des चिचलिषति fre चाचल्यते

pass चल्यते ।

D. w. चलन् । चलनम् । चलितम् । चलित्वा । चलितुम् । चेलिवान् । चलिष्यन् । चालनम् । उच्चाल्य । चाचल्यमानः।

VIII

घ्रा (गन्धोपादाने) IP. To smell सूँघना ।

caus. घ्रापयति । Des जिघ्रासति fre जेघ्रीयते pass घ्रायते

D.W. जिघ्रन् । घ्रातम् । घ्राणम् । घ्रात्वा । घ्रातुम् । जघ्रिवान् । जिघ्रासा ।

IX

स्पृश् (संस्पर्शे) 6p. To touch छूना ।

Caus. स्पर्शयति । deo पिस्पृक्षति । Fre पास्पृश्यते

Pass स्पृश्यते d. w. स्पृशन् । स्पृष्टम् । स्पर्शः स्पर्शनम् । स्पृष्टा । पस्पृशिवान् । स्प्रष्टुम् ।

भा (दीप्तौ) II p. To shine, to appear. चमकना ।

शप् (आक्रोशे) Iand 4 p. To Curse to swear. शाप देना कसम खाना

दिव् (क्रीडादौ) IV p. To play, to shine. खेलना, च०

सिव (तन्तु सन्ताने) IVp. to sew सीना।
धाव् (शुद्धौ) X P. to wash धोना।
सेव्-- (सेवायाम्) IA- To serve सेवा क०
कित् चिकित्स् रोगापनयने I.P To cure, to heal, चंगाकरना
क्री (द्रव्य विनिमये) IXp To buy खरीदना
वि--- A To sell बेचना

तृतीया विभक्ति।

(C) The Instrumental Case करण कारक।

१- जिसके द्वारा कर्त्ता किसी क्रिया को सिद्ध करे उसे करण (कारक) कहते हैं। हिन्दी में इसका चिन्ह (विभक्ति) से, द्वारा। इंग्लिशमें with, through, by और संस्कृतमें

वि० टा (आ, एन)		भ्याम्	भिस् (ऐः)
यथा	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः।
अर्थ	रामसे	२ रामों से	रामों से।

करण में यह तृतीया विभक्ति होती है यथा---
गोविन्दः कलमेनलिखति G. Writes with a pen गोविन्द कलम से लिखता है।

२-प्रकृति, स्वभाव (nature) जातिके योगमें तृतीया वि० होती है जैसे प्रकृत्या चारुः गोविन्दः। G. is lovely by nature गोविन्द स्वभाव का अच्छा है।

मुकुन्दो जात्या ब्राह्मणः M. is Brahman by Caste मु० जाति का (से) ब्राह्मण है।

३ सह, सदृश, साकं, सार्द्धम्, समं आदि के योग में तृतीया विभक्ति आती है। मया सह आसने आस्व। Sit with me on the sat मेरे साथ आसन पर बैठ इत्यादि।

४-जिस किसी विकृत अङ्ग अर्थात् बिगड़े हुए अंगसे अंग

वाले में विगाड़ पाया जाता है तो उस विकृत अंग वाचक शब्द के आगे तृतीया विभक्ति आती है यथा

शुभः नेत्रेण काणः आसीत् S. was blind of one eye. शु० एक आंख का (से) काना था।

५ जिसका नाम लेकर सौगन्द [कसम] खाई जाती है उस के साथ ३ वि० रहती है। स ईश्वरेण शपति He swears by God यह ईश्वर की सौगन्द खाता है।

६ जो वस्तु किसी दूसरी वस्तु [मनुष्य-पशु आदि] में किसी प्रकार की विशेषता बताती है उसके आगे ३ वि० आती है। जैसे जटाभिः तापसः He is an ascetic by matted hair. वह जटाओं से तपस्वी है यहां जटाएं तपस्वी में विशेषता जताती हैं।

७ "दिव्" [to play] धातु के करण के आगे ३ या वि० आती है। और द्वितीया भी, जैसे अक्षैः [अक्षान्] दीव्यति मुरारिः M. plays at dice, मु० पासा से खेलता है।

८ जो फल की प्राप्ति हो तो काल और मार्ग के अत्यन्त संयोग में उन के वाचक शब्द के आगे ३ या वि आती है। जैसे यज्ञदत्तेन त्रिभिः वर्षैः व्याकरणं अधीतम् Grammar was learnt by Y. in three years य० द० ने तीन वर्ष में व्याकरण पढ़ लिया (फल मिलगया)

६ जहां फल की प्राप्ति नहीं वहां काल और मार्ग वाचक शब्दों के आगे द्वितीया वि० आती है जैसे स व्याकरणं वर्षत्रयम् अधीतवान He learnt Grammar for three years उसने ३ बरस तक व्याकरण पढ़ा (पर न आया)

१० जिस शब्द से "हेतु" शब्द का प्रयोग किये बिना ही उसका अर्थ समझा जाता है उस (शब्द) के आगे ३ या वि० आती है यथा सः अत्र अध्ययनेन निवसति He dwells here with the view of studying वह यहाँ पढ़ने के (हेतु) निमित्त रहता है।

११-यदि दुराचार प्रगट हो तो "दाण्" to give धातु के प्रयोग

में सम्प्रदान-चतुर्थी के अर्थ में ३ या वि० आती है । यथा । कामुकः दास्या संयच्छते The lustful gives to his maid-servant. कामी दासीको (व्यभिचारके लिये) देता है।

१२ "प्र+ सद्" (to be pleased) " वि–स्मि " to wonder "लज्ज्" to be ashamed इन धातुओं के योग में जिनसे प्रसन्नता आदि हो उनके वाचक शब्दों से ३ या वि० आती है जैसे–अहं तेन प्रसन्नः अस्मि I am pleased with him मैं उससे प्रसन्न हूं । स मौढ्येन न लज्जते He is not ashamed of his folly वह अपनी मूर्खता से नहीं लजाता ।

१३ किम्, कार्यम्, अर्थः, प्रयोजनम्, इत्यादि शब्दों के योगमें जिससे प्रयोजन हो उसके आगे ३ या वि. आती है यथा किं तेन पुस्तकेन क्रियते What is to be done with that book, उस पुस्तक का क्या किया जावे । (उससे क्या प्रयोजन ।

D 1

Translate the following into Hindi or English

१ विद्वद्भिः भाति सभा २ रामः सुग्रीवेण सह मैत्रीं चकार ३ मनो-वाक्-काय-कर्मभिः साधवः परानुपकुर्वन्ति ४ अहं तत्पुस्तकं पञ्चभिर्दिनैरपठम् ५ मनोहरलालः पादेन खञ्जोऽस्ति ६ स कर्णेन बधिरः ७ शिवलालः शिरसा शपति ८ प्रभुदत्तः स्वभावेन मधुरः ९ अक्षिभ्यां पश्यामः, हस्तैः गृह्णीमः, त्वचा स्पृशामः, मुखेनाश्नः पादैश्चलामः १० रोगानौषधेन चिकित्सन्ति वैद्याः ११ नासिकया पुष्पाणि जिघ्रासति सबलसिंहः १२ शङ्करस्तेजसा देवानति शेते १३ त्वया सार्कं अहमपि पाठशालां गमिष्यामि १४ कोऽर्थः पुत्रेण वा तेन यो न विद्वान्न धार्मिकः १५ ते. श्मश्रु भिर्यवनाः १६ घण्टाद्वयेनपाठोऽधीतो मया १७ आर्या चिकित्सयाऽद्य नियसाथः १८ अतीसारेण बद्ध्वा च पीडितास्ते सर्वे । १९

सौचिकः सूच्या वस्त्राणि सीव्यति । २० कुलालो मृदा II घटं करोति ।

Render the following into Sanskrit:—

1. They went by this road. What is the use of this lamp to you O, blind man? 3 Ganga resembles Yamuna in her voice. 4 Rama's teacher is well pleased with him. 5 Away with that useless ball. 6 I have no need for this medicine. 7 At what price did you buy these Mangoes? 8 He is put up here with the view of being treated by the physician. 9 I have nothing to do with that old watch. 10. He was much surprised at seeing that picture. 11 I shall go along with you to school. 12. We have learnt it within two hours.

III

Translate the following into Sanskrit:—

१ सोहनलाल ज्वर के मारे पड़ा है २ श्यामसुन्दर का घोड़ा एक टांग से लँगड़ा है ३ गुरु जी में भक्ति रहने से तुम्हारे सब काम पूर्ण होजायँगे ४ उन स्त्रियोंने अपने शरीरों को गहनोंसे सजाया ५ रामचन्द्र लिखने पढ़ने में मोहनलाल के समान है ६ गोविन्द विद्या की कसम खाता है कि मैंने उसे आंख से नहीं देखा ७ बताओ हम किस रास्तेसे घरको आयें ८ यह देख कर उनको बड़ा अचम्भा हुआ ९ ये धीमे जाति के क्षत्री हैं उनका सुभाव बड़ा अच्छा है १० हमने उस दवाओंके सूचीपत्रको पांचही दिनमें लिख डाला ११ उन के साथ मत खेला करो १२ कृष्णदेव यहां कितने दिन तक रहा ? १३ यह हलवाई एक रुपए की कितनी मिठाई बेचता है? १४ ये सुई, कैंची, दर्पन' चाकू तुमने कितने में मोल लिए ? १५ अक्षयनाथ ने अपना बैल पचास रुपए में बेंच डाला १६ बाजार में यह कपड़ा किस भाव से बिकता है । १७ मन, वाणी और कर्म से राजा का हित करो ।

चतुर्थः प्रकाशः ।

A I

कोपः । क्रोधः ।	Anger	क्रोधः । गुस्सा
पारितोषिकः । पुरस्कारः।	Reward Prize	इनाम
सुहृद्, मित्रम्	Friend	मित्र, दोस्त
शत्रुः, द्विट्	enemy	दुश्मन,
महिमन् यशस्	Glory	बड़ाई
धनं, वित्तम्	Wealth	धन, दौलत
ऋणम्	Debt	कर्ज ।
देयम्	Due	देने योग्य
उत्तमर्णः	Creditor	कर्ज देनेवाला
अधमर्णः	Debtor	कर्ज लेनेवाला
स्वागतम्, शुभागमनम्	Welcome	शुभागमन
मल्लः	wrestels	मल्ल
निद्रा । शयनम् । स्वापः ।	Sleep	नींद ।
विप्रलम्भः। विसंवादः ।	Inconsistency	विवाद ।
त्वरा । सम्भ्रमः ।	Hurry, haste	जल्दी
दर्पः । गर्वः । अहंकारः ।	Arrogance, Pride, conceit	घमण्ड
व्रीडा । लज्जा ।	shame, blashfu'ness	शर्म ।
असहिष्णुता । ईर्ष्या ।	Envy, jealousy, rivalry, emulation	डाह, ईर्षा
असूया ।	Detraction, Malice	दोषा रोपण
अनादरः । परिभवः । तिरस्क्रिया	Disrespect, contempt, humiliation	अनादर
वैरम् । विरोधः।	Enmity, hatred	दुश्मनी
पश्चात्तापः । अनुतापः ।	repentance regret	अफसोस

उन्मादः । चित्तविभ्रमः।	Madness ectasy	पागलपन
शीलम्	virtuous conduct	सदाचार
स्नेहः, प्रेमन् m	Love, affection	प्यार
इच्छा । काङ्क्षा ।	Desire, wish	इच्छा
चिन्ता । स्मृतिः f	remembrance	याद
उत्साहः, अध्यवसायः।	Energy, perseverance	उत्साह
प्रमादः । अनवधानता।	Carelessness	असावधानी,
कपटः । व्याजः । दम्भः।	Fraud, deceit	कपट।
कौतुकम् । कुतूहलम् ।	Intrest, Curicsity	आकांक्षा
केलिः m लीला।	Play, amusement.	खेल।
प्रकृतिः f, निसर्गः।	nature, Disposition	सुभाव।
उत्सवः m, उद्धवः। महः	n Festival	उत्सव।
आलस्यम्	Idleness	सुस्ती।
शासनम् । आज्ञा।	Command, order	आज्ञा, हुक्म
उपायनम् । उपहारः	Present, musom.	भेंट।
शुल्कः	Tool	महसूल।
करः । बलिः m भागधेयः	Rent, tax, tribute	कर।
आगस् n अपराधः	Crime, fault.	अपराध,
उदर्कः	result	नतीजा।
न्यायः । कल्पः	Justice, law.	न्याय, नीति।
आवरणम्	Hinderance	रोक।
परित्राणम्	Protection	रक्षा
हर्षः । मोदः	Joy	खुशी
शोकः शुच् f.	Grief, sorrow,	रंज।
चिन्ता	Care	फिक्र
विस्मयः अद्भुतः	Wonder, astonishment	अचम्भा
क्षान्तिः f. तितिक्षा।	Patience	सब्र।
भयम् । भीतिः f. त्रासः	Fear, terror	डर

III

राजन् m नृपः	King	राजा ;
सम्राज् m सार्वभौम	Emperor, Soverign.	चक्रवर्ती
राज्ञी, महिषी	Queen, Empress	रानी, महारानी।
सचिवः। मन्त्रिन् m	Minister	मन्त्री।
सेनापतिः	General	सेनापति।
सेना-वाहिनी	army	सेना
पुरोधस् m पुरोहितः	Preceptor	पुरोहित
प्रतीहारः। द्वारपालः	Door-keeper	द्वारपालः
अध्यक्षः। अधिकृतः।	Officer	अफसर
सेवकः। अधिन् m	servant dependent	चाकर
चारः। प्रणिधिः m	A spy, detective	भेदिया
आप्तः। प्रत्ययितः।	confidential trusty	विश्वास योग्य
लेखकः। लिपिकरः	a copyist, clerk	मुहर्रिर
दूतः। सन्देशहरः	Messenger	दूत।
अध्वनीनः। अध्वगः।	Traveller	पांथ
निवेशः। शिबिरम्	camp	छावनी
सञ्जनम, उपरक्षणम्।	Watch, guafd	पहरा।
लिपि-पुस्तकम्	copy-book	कापी
सैनिकः।	soldier, sepoy.	सिपाही
भटः, योधः।	warrior	लड़ाका
वर्मन् n कवच m &n	Armour	अरोयकर
पदातिः m पत्तिः m	A foot-soldier	पैदल सिपाही
धन्विन् m धनुष्मत् m	Archet	तीरंदाज
सहायः। अनुचरः	follower	सहायक
शूरः। विक्रान्तः	Brave, Courageous	बहादुर.
जेतृ। जिष्णुः।	victorious	विजयी

आयुधम् । प्रहरणम् ।	weapon	हथियार
चापः । धनुस् m	A bow	कमान
शरासनम् । कोदण्डः		
मौर्वी, ज्या ।	The string of a bow	प्रत्यञ्चा
शरः । सायकः । बाणः ।	An arrow	बान ।
तूणम् । तूणीरं । इषुधिः m	Quiver	तरकस
खड्गः । असिः । करवालः	A sword	तलवार
फलकम् । चर्मन् n	A shield	ढाल ।
प्रासः । कुन्तः	a lance	भाला
गदा	a mace	गदा
पताका । वैजयन्ती	Flag, banner	झण्डा
कलिः m । युद्धम्, समरः	war, battle, fight quarrel.	लड़ाई, युद्ध ।
अभ्यासादनम्, अभ्यवस्कन्दनं	Assault, attack	हमला
विजयः । जयः	victory, triumph	जीत
अपक्रमः । अपयानम्	Flight	भाग
पराजयः । पराभूतिः f	Defeat	हार ।
निषूदनं । घातः ।	killing, destroying	मार
मृत्युः m पंचता, कालधर्मः	Death	मौत
परासुः । मृतः ।	Dead	मृतक
चिता, चितिः ।	a funeral pile	चिता
कबन्धः	A headless trunk	रुण्ड
श्मशानं । पितृवनम् ।	a cemetry	मरघट ।
कुणपं । शवः	corpse, dead body	लाश
प्रग्रहः । उपग्रहः । बन्दी	Imprisonment captivity	कैदखाना
बन्दिन् m	a prisioner	कैदी
कारा	Prision	कैद
असुः m । प्राणः	Life	जीवन
आयुस् n जीवितकालः	duration of life	उम्र ।

IV Adjective (m. f. n.)

धवल । श्वेत । सित । शुक्ल ।	White, fair	सफेद
कृष्ण । श्याम । असित ।	black, dark.	काला
नील ।	Blue	नीला
पीतगौर ।	Yellow	पीला
हरित । पालाश ।	Green	हरा
लोहित । रक्त ।	red	लाल
धूसर ।	Grey.	खाकी
अरुण । कपिल ।	Tawny	गुलाबी
पाटल । पिशंग । पिंगल ।	brown	भूरा
चित्र । किर्मिर ।	spotted	रंग बिरंग
हरिण । पाण्डुर ।	Pale	फीका पीला
धूम्र	smoky	धुएँकारंग । धूमिला

V Verbs

(a)

मन् (अवबोधने) IV A to think, to regard ख्याल क०

अनु—	to approve	अनुमति देना
अभि—	to intend, to desire to be proud	इरादा क०, चाहना, घमण्ड करना
अव—	to despise	अवज्ञा क०
अप—	to disregard	अपमान क०
सम्—	to assent, to honor	सम्मति देना

Caus: मानयते Des मिमन्सते Fre मम्मन्यते

Pass मन्यते । मन्यमानः । अभिमतम् ।

मन्ता । मतिः । मन्तुम् । मत्वा । मतुनम् । अवमन्य । मन्स्यमानः । सम्मानः । मतः ।

(B)

स्पृह् (ईप्सायाम्) XP To desire, to long for चाहना ।
to envy हसद क०

Caus स्पृहयति Pass स्पृह्यते D. W. स्पृहयत्, स्पृहा

(C)

श्रु (श्रवणे) V P. To hear सुनना
प्रति— to promise प्रतिज्ञा क॰
आ— }
सम— } Do Do
सम् + आ— }

Caus श्रावयति । Des शुश्रूषते Fre शोश्रूयते Pass श्रूयते
D. W. शृण्वन् । श्रावकः श्रवणम् । श्रुतवान् । श्रुतम् ।
श्रुत्वा । श्रुतिः । श्रोता । श्रोतव्यम् । शुश्रुवान् । शुश्रूषा ।
श्रवणीयम् । संश्रुत्य । श्रोष्यन् ।

(D)

दा (दाने) III U. to give, to grant देना
आ— }
अपा— } to take, to receive लेना
प्र—आ— to deliver देना-छोड़देना
Caus दापयति । Des दित्सति Fre देदीयते Pas
दीयते । D. W
ददत् । दानम् । दत्तम् । प्रदत्तम् । दीयमानः । सम्प्रदानम् ।
अपादानम् । देदियान् । दास्यन् । दत्वा । दाता । दातुम् ।
दास्यमानः । प्रदेयम् । दानीयम् दातव्यम् । दित्सा । आदाय
Pass भूत में अदायि । ददानः । दास्यमानः ।

(E)

कुप् (क्रोधे) IV P. to be angr[illegible]
Caus कोपयति । Des चुकोपिषति ।
Pass कुप्यते D. W कुप्यन् । कुपि-
यमः । चुकुपिवान् । कुपित्वा ।

रुच् (दीप्तावभिप्रीतौच)

अभि— to desire चाहना

Caus रोचयते । अरोचिषते । रोरुच्यते । रुच्यते । अरोचि ।
D. W. रोचमानः । रोचकः । रुचिः । रोचितम् । रुक् ।
रुरुचानः । रुच्यमानः । रोचितः ।

(G)

क्लृप् (सामर्थ्ये) IA. to resolve upon, to tend to निश्चय करना, योग्य होना

उप— to be suitable ठीक होना

वि— to change, to doubt बदलना, संदेह क०

सम् to desire, to intend संकल्प करना

Caus कल्पयति

प्र— to prepare तैयार करना

अनु— to give faith विश्वास करना

Res चिकॢप्सते Fre चल्कॢप्यते Pass क्लृप्यते-अकल्पि
D. W. कल्पमानः । कल्पिष्यमाणः । कल्पिता । कल्पितम् ।
कल्पितवान् । कल्पनीयम् । कल्प्यः । कल्पना । कल्पितुम् ।
कल्पित्वा । संकॢप्य ।

(H)

पद् (गत्यौ) IV A. to go जाना

प्र— to attain, to resort to प्राप्त करना, आसरा क०

प्रति—to go, to enter, to restore पहुंचना, शामिल होना

वि-to perish, to be in distress नाश होना, व्याकुल होना

उत्-To spring up, to rise, to be born निकलना, पैदा हो०

सम्—to be in good condition अच्छा होना

उप —to be suitable योग्य होना

निस्- To be accomplished पूरा होना ।

आ— to come near पास आना

to be in distress दुखी होना

वि—आ— to perish नाश होना

सम्— to procure संपादन करना
वि—आ to kill, to destroy नष्टकरना

Des पिपत्सते Fre पापद्यते । Pass पद्यते—अपादि D. W. पद्यमानः । प्रपन्नः । व्यापाद्य । निष्पत्तिः । सम्पन्नः । आपादयितुम् । प्रतिपद्य सम्पादनम् । सम्पादनीयम् । उत्पद्यमानः । विपत् । सम्पत्तिः ।

ख्या (प्रकथने) II P To tell, to relate कहना ।

(I)

सम्— to sum up, to accumulate जोड़ना, गिनना
वि—आ— to explain वर्णन करना
प्रति—आ to repudiate, अनादरकरना
Caus ख्यापयति । to proclain, to report प्रसिद्ध करना
Des चिख्यासति Pass ख्यायते ।
D. W. ख्यात् । ख्यातः । सङ्ख्या । संख्यातम् । ख्यापनम् । व्याख्यानम् । व्याख्यानम् । प्रत्याख्यानम् । आख्यानम् । संख्यातुम् । ख्यापयित्वा । व्याख्याय ।

(J)

शंस् (कथने) I P to praise, to tell कहना
प्र— to praise तारीफ क०
to recommend सिफारिस क०
आ— to report उम्मेद करना
Do. A to hope, to wish चाहना
सम्— P. to tell कहना
सम् + आ P. to desire अभिलाषा क०

Caus शंसयति । Des शिशंसिषति Pass शस्यते । D. W. शंसन् । प्रशंसा । शंसितुम् । शशंसिवान् । शंसित्वा । आशंस्य । आशंसा । प्रशंसनम् ।

(K)

चक्ष् (व्यक्तायां वाचि) II A. To say — कहना
to see — देखना
to name — नाम रखना
वि— to explain — व्याख्यान क॰
आ— to tell, to declare — प्रकट करना
प्रति—आ to repulse — हटाना, निरादर करना
Caus ख्यापयति । चिख्यासति । चाख्यायते । ख्याप्ते । अख्यायि ।
D. W. चक्षाणः । ख्यापकः । ख्यातुम् । विचक्षणः ।

(L)

कथ् (वाक्य प्रबन्धे) X P. A. to tell — कहना
द्रुह् (अभिजिघांसायाम्) to bear malice बुरा चीतना
द्युत् (दीप्तौ) IA — to shine — चमकना
शुभ् (शोभने) IA — to be splendid सुन्दर दीखना
भास् (दीप्तौ) IA — do — do
ह्नु (अपनयने) II A — to conceal छिपाना, मुकरना
अप— ,,
नि— to deny — इनकार करना
श्लाघ् (श्लाघायाम्) IA to praise, to flatter बड़ाई करना
Caus — to approve — स्वीकार करना
रुष् (हिंसायाम्) NP, to be angry — क्रुद्ध होना
धृ (धारणे) XU — to hold, to bear, to support — रखना उधार रखना

(C)

चतुर्थी विभक्ति ।

संस्कृत में—ङे. आय । ए । भ्याम् । भ्यस्-भ्यः ॥ हिन्दी में लिये, वास्ते, को, अंगरेजी में for, to

The Dative Case सम्प्रदान कारक।

१ अपना स्वत्व हटाकर पराया स्वत्व स्थापन पूर्वक देय वस्तु जिस पात्रको दीजाती है उसे सम्प्रदान कहते हैं इस में चतुर्थी आतीहै यथा-गुरवे गां ददाति He gives a cow to his preceptor यह गुरुजी को गाय देता है।

२ "रुच्" धातु और रुचि अर्थवाले धातुओंके योगमें जिसको कोई वस्तु रुचती है उसके आगे चतुर्थी विभक्ति आती है। यथा बालकाय रोचते मोदकः A boy likes sweet pot लड़के को लड्डू अच्छा लगता है।

३ नमः। स्वस्ति। स्वाहा। स्वधा। अलम्। वषट्, इन शब्दोंके योगमें संज्ञा शब्दके आगे ४ थी आती है। यथा श्रीगणेशाय नमः। Salutation to revered Ganesh गणेश जीको नमस्कार।

b अग्नये स्वाहा This offering is to Fire-God. c स्वस्ति भवते Good—bye to you आपका मंगल हो d राम देवः जयदेवाय अलम्। It is a match for G. रामदेव जयदेव के जोड़ का है।

e पितृभ्यः स्वधा।

f इन्द्राय वषट्। सौषट्।

४ परन्तु यदि ये नमः आदि क्रिया के साथ प्रयुक्त हों तो इस संज्ञाके आगे चतुर्थी न आकर द्वितीया आती है यथा स नमस्करोति देवम् He bows down to Deva यह देवको नमस्कार करता है।

५ प्रभु। समर्थ। शक्त। कुशल। ये और इन के समान अर्थ वाले शब्दोंके योगमें चतुर्थी आती है। यथा शक्तो मल्लो मल्लाय One wrestler is a match for another. एक मल्ल दूसरे मल्लके लिये समर्थ है।

६ "हित" और "सुख" शब्दों के योगमें संज्ञा शब्दके आगे ४ थी आती है यथा सुखं युष्मभ्यं भूयात् May happiness be to you तुमको सुखहो। हितं सर्वेभ्यो भूयात्।

७ "श्लाघ्" (to praise) । "हु" (to conceal) "स्था" (to stand) और "शप्" (to curse) इन धातुओं के योग में जिसको कोई बात जनाई जाती है। उस के आगे ४ र्थी वि० आती है। यथा, गोपी स्मरात् कृष्णाय श्लाघते The milk-maid overcome by love praises krishna. गोपी कामसे (पीड़ित हो) कृष्ण की स्तुति करती है। एवं हुते। तिष्ठते। शपते।

८ प्रेरणामें "धृ" to owe धातुके प्रयोगमें ऋणदेनेवाले के आगे ४ र्थी आती है, यथा गोपालः श्यामाय शतत्रयं धारयति। G. owes three hundred (rupees) to Shiam गोपाल श्याम का ३००) रु कर्जदार है।

९ "स्पृह" (to long for) धातुके योगमें चाहि हुई वस्तु के आगे ४ र्थी. आती है। यथा फलेभ्यः स्पृहयति रामः Ram longs for fruits रामको फलोंकी चाहना है।

१० "क्रुध" (to be angry) "द्रुह" (to bear malice ये और इन्हीं के समार्थक दूसरे धातुओं के जिस पर कर्त्ता का क्रोध हो उसके आगे ४ र्थी आती है। जैसे गुरुः क्रुध्यति शिष्येभ्यः। The teacher is angry with his desciples गुरुजी शिष्यों पर क्रुद्ध हैं।

११—परन्तु जब ये "क्रुध्" आदि धातु उपसर्ग पूर्वक प्रयुक्त होते हैं तो जिसपर कर्त्ता का क्रोध होता है उसके आगे ४ र्थी नहीं किन्तु द्वितीया विभक्ति आती है। यथा, शिष्यान् अभिक्रुध्यति गुरुः।

१२—जब किसी शुभ वा अशुभ सूचक उत्पात् से कोई फल जाना जाता है, तो उस फल वाचक शब्द के आगे ४ र्थी आती है। यथा, वाताय कपिला विद्युत् The tawny lightning forbades a hurricane कपिल रंग वाली बिजली आंधी लाती है।

१३— प्रति * श्रु और आ * श्रु धातु के योग में जिस के साथ प्रतिज्ञा की जाय उसके आगे ४ थीं आती है। यथा रामः सुग्रीवाय वालिवधं प्रतिशुश्राव। R. promised S. the destruction of B. रामने सुग्रीव से वालि के वध की प्रतिज्ञा की।

१४—जहां किसी वस्तु के निमित्त कोई दूसरी वस्तु बन जाती है वहां पहिली वस्तु के वाचक शब्द के आगे ४ थी आती है। यथा, कटकाय सुवर्णम् Gold is for band-ring कड़े के लिये सोना

१५—क्लृप्, (to be adequate, to tend to) 'सम् पद्'। "भू" और "अस्" to be or become इन धातुओं के योग में इन के कर्ता से जो फल प्राप्त होता है उस के आगे ४ थीं आती है। यथा, विद्या ज्ञानाय कल्पते Learning tends to knowledge विद्या से ज्ञान होता है विद्या ज्ञान के लिये होती है।

१६—जब वाक्य से अनादर सूचित होता है तो "मन्" धातु के प्राणिवाचक कर्म को छोड़कर दूसरे कर्म के आगे ४ थीं और २ या दोनों वि० आती हैं। यथा, नाहं त्वां तृणाय तृणं वा मन्ये I do not consider thee to be worth a straw मैं तुझे तिनके के बराबर भी नहीं गिनता।

परन्तु जहां तुल्यता समझी जाती है वहां २ या ही आती है जैसे अहं त्वां तृणं मन्ये I consider thee to be as a straw मैं तुझे तिनके के समान समझता हूं।

जहां 'तुम्' का प्रयोग नहीं किया जाता वहां उस तुम् क्रिया के कर्म के आगे ४ थीं वि० आती है। जैसे, दिलीपः राजा वनाय (वनं गन्तुम्) गां मुमोच। King Dalip loose the cow for the forest, i. e. to go to the forest राजा दिलीप ने वन के लिये (वन जाने को) गाय खोल दी

१८-"कथ" to tell "वद" to tell "शंस्" to praise, to tell और "आ * चक्ष्" to tell इत्यादि धातुओं के योगमें जिस से कोई बात कही जाती है उस के वाचक शब्द के आगे ४ र्थी वि० आती है। यथा, शशंस सर्व मादित्य शर्मा स शिवशर्मणे A. related every thing to Shiva sharma. आदित्य श० ने शिव श० से सब वृत्तान्त कह दिया

स तद्वृत्तं तस्मै कथितवान्। गोविन्दः यज्ञदत्ताय युद्ध वृत्तान्तं विख्यासति

१९-परिक्रयण (Hire) के वास्ते जो कुछ मोल दिया जाता है उस मोल वाचक शब्द के आगे ४ र्थी आती है और ३ या भी। यथा, पञ्चाशते पञ्चाशता वा परिक्रीतम् प्रति-मासं गेहमिदम् The house is hired for 50 rupees a month यह घर ५०) रु० महीने किराये पर है

२०-गति (motion) अर्थ वाले धातुओं के भाग भिन्न कर्म के आगे ४ र्थी आती है और २ या भी। यथा, ग्रामाय ग्रामं वा गच्छति देवदत्तः D. goes to the town देवदत्त गांव को जाता है

A—परन्तु जब कर्त्ता शरीर से व्यापार न कर मन से करता है तो द्वितीया ही आती है। यथा गोविन्दरामः ईश्वरं मनसा व्रजति G. R. Goes to God mentally (contemplates) गोविन्द राम ईश्वर का ध्यान करता है।

२१-प्र * पत् और प्र * नम् (to salute or bow down) धातुओं के कर्म के आगे ४र्थी और २ या दोनों क्रम से आती हैं। यथा ते शिवं प्रणिपत्य गताः वा शिवाय Having bowed down to Shiva they went away वे शिवजी को प्रणाम कर गये।

D. EXERCISE

A

Translate the following into Hindi or English:-

१ श्रीकृष्णाय नमः २ महिम्ने कलये विद्या ३ इन्द्राय वर्ष-

तेभ्यश्च कोप ४ विद्वद्भ्यः सदा हितं भूयात् ५ क्रियतां यद्
भवते रोचते ६ प्रणिपत्यासुरा स्तस्मै शमयितं सुरद्विषाम्
अभ्युः७ सिता विद्युत् दुर्भिक्षाय भवेत् ८ परित्राणाय साधूनां
विनाशाय च दुष्कृताम् धर्म—संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे
युगे ९ श्रुताय परिक्रांत मेतद् भवनं भवता १० मन्दिराय
गाति गोविन्दः मनसा च शिवं पुनः ११ रावणेण सुरेन्द्राय
द्विषां राज्यं समाश्रुतम् १२ मङ्गलं ते सदा भूयात् १३ कूपं
यामि जलाय च १४ रामलाल तुभ्यमहं पुस्तकं, लेखिनीं
मसीपात्रं च दास्यामि १५ मुरारिलालः सर्वं वृत्तान्तं शिव,
शङ्कराय कथयामास १६ सूर्यं तपस्याचरणाय दृष्टः कल्पेत
लोकस्य कथं समिधा १७ मूर्खपुत्रो ऽधिगतशास्त्रो विद्वांस
मपि तृणाय नो मन्यते १८ समहं दश राजतां मुद्रां धारयति
स च मे ना दिव्यति १९ तस्मै पुस्तकेन शपति मनो हरलालः
२० तेभ्यः सर्वेभ्योऽपि समर्थः एकाकी गोपीनाथः २१ राजा
शम्भुदत्ताय धनं ददौ २२ ते चर्माणि कर्तनीभ्यःस्पृहयन्ति ।

B

Translate into Sanskrit —

1 May good attend you all 2 Welcome to the Queen. 3 A messenger was sent by Rama to Hari. 4 You owe Rs 55 to Krishna Lal. 5 I do not long for wealth but for immortal glory. 6 Is he a match for Manohar Lal 7 I wish to give him ten books. 8 He related the whole story to Ganga Dhar. 9 He went to the Shivite temple and meditated there upon God. 10 This is for my black Cow. 11. These books are for teachers use. 12 I did not promise to give him this watch. 13 Salutations to to the Sudreme Soul. 14. Why are you angry with your son ?

(O)

Render the following into Sanskrit.

१ भले आदमी की सीख भलाई करती है और बुरे की बुराई २ हे बालक गुरुजी को प्रणाम कर—तेरा कल्याण हो ३ कल सन्ध्यासमय किशोरीलाल ने मुझे सफेद झण्डी देने का वायादा किया था ४ यदि दरिद्री का पुत्र धनी होजाय तो वह संसार को तिनके के समान भी नहीं समझता ५ इस चतुर नौकर ने सब बातें गोविन्दराम से कह दीं ६ यह कागज कापी के लिये हैं ७ मूर्खों को उपदेश देना केवल उनका गुस्सा बढ़ाता है ८ स्नान के लिये तालाबपर जाता हूं ९ अकेला मुकुन्ददेव उन दोनों सिपाहियों के लिये बहुत है १० मोहनलाल पर सोहनलाल के सात रुपये उधार के हैं ११ जो तुम्हें दीखे सो करो १२ मैंने उसे एक काली दवात देने की प्रतिज्ञा की थी १३ गोविन्दसहाय अपने नौकरों को दस रुपये महीना देता है १४ ये योधा उन पैदलों को कुछ गिनते ही नहीं १५ पूरब की हवा चलती है वर्षा होगी १६ गंगासहाय हरलाल से क्रुद्ध हो रहा है १७ ये तलवारें उन वीरों के लिये हैं १८ गंगाराम को धन की इच्छा नहीं वह तो मान और प्रेम का भूखा है १९ श्यामसुन्दर ने मुझ से कसम खाई कि मैं यह बात उस से न कहूंगा २० राजा का मंगल हो।

पंचमः प्रकाशः।

A

समयः। कालः।	Time	समय, वक्त
घस्रः। वासरः	day	दिन, वार
प्रत्यूषः। प्रभातम्।	morning	सुबह
दिनान्तः। सायम् (अ)	evening	सन्ध्यासमय
प्राह्णः।	Forenoon A. M.	दो पहर से पहले
अपराह्णः।	After noon P. M.	„ पीछे

मध्याह्नः	noon	दो पहर
रात्रिः । रजनी	night	रात
यामः । प्रहरः ।	watch, pahar	पहर
तमिस्रा	Dark night	अंधी रात
ऋतुः m	season	ऋतु
निशीथः	mid night	अंधेरीरात
धर्मः पुण्यम्	merit, Good	धर्म
पापम्	sin	पाप
जन्मन् n जननम्	Birth	जन्म, पैदाइश
जातिः f जातम्	Class	जाति, वर्ण
संविद् f आश्रवः	Promise	प्रतिज्ञा
मुक्तिः f कैवल्यम् ।	Absolution salvation	मुक्ति,छुटकारा
अज्ञानम् । अविद्या	Ignorance	अज्ञान,माया

B

उपानत् f पादुका	shoe	जूता
पांचालिका, पुत्रिका	A doll	गुड़िया
छत्रम् । आतपत्रम् ।	umbrella	छतरी
शिरस्त्रम्	cap, hat	टोपी
उष्णीषम्	turban	पगड़ी
व्यजनम्	fan	पंखा
शय्या	bed	बिस्तर
मंचः । पर्यङ्कः	couch cot	पलंग
माल्यम् । माला । स्रज् f	garland	माला
आसन्दी	easy chair	आराम कु
उपवेशनिका	chair	कुर्सी
पीठम् । आसनम्	stool, seat	चौकी मूढ
परिच्छदः	dress	पोशाक
गेन्दुकः । कन्दुकः ।	ball	गेंद
घनसारः । कर्पूरः ।	camphor	कपूर

चन्दनm&n । मलयजम्	sandal tree or ointment	चन्दन
लाक्षा । अलक्तम्	Lac-die	लाख
मृगनाभिः, मृगमदः	कस्तूरी musk	कस्तूरी
केशरः । कुंकुमः ।	saffron	केशर
रल्लकः । कम्बलः ।	woollen blanket	कम्बल
चोलः । कूर्पासकः ।	a bodice	चोली
पटः । वसनम् ।	cloth, garment	वस्त्र
कार्पासः	cotton-made	सूती
कौशेयम्	silken	रेशमी
रांकवम्	woollen	ऊनी ।
अङ्गुलीयकम् ऊर्मिका	Ring	अंगूठी
मेखला	zone	तगड़ी
मंजीरः । नूपुरम् ।	ornament for the feet	पाजेब
केयूरं । अंगदम् ।	Bracelet on the arm	बाजू
कटकः । वलयम्	Bracelet	कंगन-कड़ा
कुण्डलं । कर्णवेष्टनम् ।	ear-ring	बाली
मुक्तावली । हारः ।	a garland of pearls	माला

C

नकुलः ।	Ichneom	नौला
नागः, सर्पः	serpent, snake	साप
मत्स्यः । मीनः।	Fish	मछली
कुलीरः । कर्कटः	crab	केंकड़ा
कूर्मः । कमठः ।	tortoise	कछुआ
नक्रः । ग्राहः ।	crocodile	नाका
भेकः । मंडूकः ।	Frog	मेंडक
शंखः । कम्बुः m	Couch-shell	शंख
कृमिः m कीटः	Insect, worm	कीड़ा
वृश्चिकः	Scorpion	
आखुः । मूषकः	mouse	

ऊर्णनाभिः । तंतुवायः।	spider	मकड़ी
गृहगोधिका।	Lizard	छिपकली
पिपीलिका।	Ant	चींटी

D

पर्वतः । महीध्रः । शैलम्	Mountain, hill	पर्वत
पाषाणः प्रस्तरः।	stone, rock	पत्थर
कूटः । शिखरं।	Top, summit	शिखर
प्रपातः । भृगुः m	cliff	टाप
स्नुः । प्रस्थः।	Tableland	"
धातुः m	Metal	धातु
उत्सः । प्रस्रवणम् ।	waterfall	झरना
वारिप्रवाहः	spring, fountain	चश्मा
दरी । कन्दरी	valley, vale	घाटी
गुहा । गह्वरं	cave, den	गुफा
निकुंजः । कुंजः	Grove, bower	कुंज
खनिः । आकरः।	mine	खान

E

आम्रः । रसालः।	mango	आम
मृद्वीका । द्राक्षा	Grape	दाख
अमृतफलम्	Guava	अमरूद
बदरीफलम्	Plum	बेर
पूगीफलम्	Nut	सुपारी
क्षुद्रद्राक्षा	raisin	किशमिश
वातामफलम्	Almonds	बादाम
नारिकेलफलम्	cocoanut, kernel	नारियल गिरीगोला
दाडिमम्	Pomegranate	अनार
नारङ्गः	Orange	नारंगी
औदुम्बरम्	Fig	अंजीर
कूष्माण्डम्	Custard apple	पेठा

अक्षोटः	Peeled nut.	अखरोट
जम्बूफलम्		जामन
निम्बुकम्	lime	नीबू
तिन्तिडी । अम्लिका ।	Tamarind	इमली
गोलालुः ।	Potato	आलू
पनसम् ।	Jack fruit	कटहल
कर्कटिका	cucumber	ककड़ी
चिर्भटी, उर्वारुकम्	Musk-melon	खरबूजा
कालिन्दः ।	Watermelon	तरबूज
पलाण्डुः m	Onion	प्याज
लशुनम्	Garlic	लहसन
तुम्बी । कर्कोटः m	Pumpkin	घीया
मूलिका । मूलकं	Radish	मूली
गर्जरः ।	Carrot	गाजर
वृन्ताकम्	Brinjal	बैंगन
खर्जूरः ।	Date	छुआरा
रम्भाफलं	Plaintains	केला

F

Adjective

मधुर	Sweet	मीठा
अम्ल	sour	खट्टा
लवण	salted	नमकीन
कटु	Punjent	चरपरा
कषाय	Astringent	तुर्श । कसैला
तिक्त	Bitter	कड़वा ।
स्वादु	Tasteful	मजेदार

Degrees of comparison

Positive.	Meaning.	Comparative	Superlative
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ऊर्णनाभिः । तंतुवायः	spider	मकड़ी
गृहगोधिका ।	Lizard	छिपकली
पिपीलिका ।	Ant	चींटी

D

पर्वतः । महीधः । शैलम्	Mountain, hill	पर्वत
पाषाणः प्रस्तरः ।	stone, rock	पत्थर
कूटः । शिखरं ।	Top, summit	शिखर
प्रपातः । भृगुः m	cliff	टाप
सानुः । प्रस्थः ।	Table land	"
धातुः m	Metel	धातु
प्रस्रवः । प्रस्रवणम् ।	waterfall	झरना
वारिप्रवाहः	spring, fountain	चश्मा
दरी । कन्दरी	valley, vale	घाटी
गुहा । गह्वरं	cave, den	गुफा
निकुंजः । कुंजः	Grove, bower	कुंज
खनिः f आकरः ।	mine	खान

E

आम्रः । रसालः ।	mango	आम
मृद्वीका । द्राक्षा	Grape	दाख
अमृतफलम्	Guava	अमरूद
बदरीफलम्	Plum	बेर
पूगफलम्	Nut	सुपारी
द्राक्षा	raisin	किशमिश
बादामफलम्	Almonds	बादाम
नारिकेलफलम्	coconut, kernel	नारियल गिरीगोला
दाडिमम्	Pomegranate	अनार
नारङ्गः	Orange	नारंगी
उदुम्बरम्	Fig	अंजीर
कूष्माण्डम्	Castard apple	पेठा

अक्षोटः	Peeled nut	अखरोट
जम्बूफलम्		जामन
निम्बुकम्	lime	नीबू
तिन्तिडी । अम्लिका ।	Tamarind	इमली
गोलालुः ।	Potato	आलू
पनसम् ।	Jack fruit	कटहल
कर्कटिका	cucumber	ककड़ी
चिर्भटी,उर्वारुकम्	Musk-melon	खरबूजा
कलिन्दः ।	Watermelon	तरबूज
पलांडुः m	Onion	प्याज
लशुनम्	Garlic	लहसन
तुम्बी । कर्कारुः m	Pumpkin	घीया
मूलिका । मूलकं	Radish	मूली
गर्जरः ।	Carrot	गाजर
वृन्ताकम्	Brinjal	बैंगन
खर्जूरः ।	Date	छुआरा
रम्भाफलं	Plaintaine	केला

F

Adjective

मधुर	Sweet	मीठा
अम्ल	sour	खट्टा
लवण	salted	नमकीन
कटु	Punjent	चरपरा
कषाय	Astringent	तुर्श । कसैला
तिक्त	Bitter	कड़वा ।
स्वादु	Tasteful	मजेदार

Degrees of comparison

Positive,	Meaning.	Comparative	Superlati--
पटु	चतुर	पटीयान्	पटिष्ठ

Positive	Meaning.	Comparative	Superlative
गुरु	भारी	गरीयान्	गरिष्ठ
लघु	हलका	लघीयान्	लघिष्ठ
महत्	बड़ा	महीयान्	महिष्ठ
बाढम्	अच्छा	साधीयान्	साधिष्ठ
प्रिय	प्यारा	प्रेयान्	प्रेष्ठ
प्रशस्य	अच्छा	श्रेयस्	श्रेष्ठ
बहु	बहुत	भूयस्	भूयिष्ठ
मृदु	कोमल	म्रदीयस्	म्रदिष्ठ
युवन्	जवान्	यवीयस्–कनीयस्	कनिष्ठ यविष्ठ
ह्रस्व	छोटा	ह्रसीयस्	ह्रसिष्ठ
स्थूल	मोटा	स्थवीयस्	स्थविष्ठ
स्थिर	ठहराहुआ	स्थेयस्	स्थेष्ठ
वृद्ध	बड़ा	वर्षीयस्	वर्षिष्ठ
दृढ	मजबूत	द्रढीयस्	द्रढिष्ठ
दीर्घ	लम्बा	द्राघीयस्	द्राघिष्ठ
अन्तिक	पास	नेदीयस्	नेदिष्ठ
दूर	दूर	दवीयस्	दविष्ठ
अल्प	थोड़ा	अल्पीयस्	अल्पिष्ठ
उरु	बड़ा	वरीयस्	वरिष्ठ
क्षिप्र	जल्द	क्षेपीयस्	क्षेपिष्ठ
कृश	दुबला	क्रशीयस्	क्रशिष्ठ
क्षुद्र	तुच्छ	क्षोदीयस्	क्षोदिष्ठ

तर—तम ।

गुरु		गुरुतर	गुरुतम
लघु		लघुतर	लघुतम
महत्		महत्तर	महत्तम ।
प्रिय		प्रियतर	प्रियतम

क्रूर । घातुक । नृशंस । wicked, cruel दुष्ट । ज़ालिम

कदर्य्य । कृपण ।	miser	कंजूस ।
पिशुन । दुर्जन, खल	Wicked	नीच
निकृत, शट, अनृजु	rogue, cunning	ठग, लुच्चा
निःस्व, दीन, दरिद्र	Poor, wretched	दरिद्री
अहंकारिन्, अहंयु,	Proud	घमंडी
स्तोक । अल्प, सूक्ष्म,	little, small	थोड़ा
तनु, श्लक्ष्ण,	fine	बारीक
महत्, पृथुल, बृहत्, विपुल, विशाल	Large, great, vast	बड़ा
घन । निरन्तर, सान्द्र ।	thick, dence	सघन घना
पेलव, विरल, तनु,	thin, delicate	पतला
वक्र, कुटिल, भुग्न,	crooked, bent	टेढ़ा
कर्कश, कठिन, कठोर	Hard, severe	कड़ा, सख्त
दीर्घ, आयत,	Long, wide	लंबा
विमनस् । दुर्मनस्	sad, uneasy	गमगीन
उत्क, उन्मनस्	Longing, eager	उत्कण्ठित

(G) Inde:

एवं । इत्थं ।	Thus	इस प्रकार
शनैः	slowly	हौले २
मास्म । मा । अलम् ।	don't	मत
नहि । नो, न, ना	no, not,	नहीं
मनाक् । ईषत् ।	little, somewhat	थोड़ा
अंग, भो, रे, अयि ।	O! Oh!	हे अजी, अरे

(H)

VERBS.

I

रम् (क्रीडायाम्) IA To sport — खेलना
to rejoice, to be delightful, — प्रसन्न होना
to have sensual course with, — रमण करना

Positive	Meaning.	Comparative	Superlative
गुरु	भारी	गरीयान्	गरिष्ठ
लघु	हलका	लघीयान्	लघिष्ठ
महत्	बड़ा	महीयान्	महिष्ठ
साधु	अच्छा	साधीयान्	साधिष्ठ
प्रिय	प्यारा	प्रेयान्	प्रेष्ठ
प्रशस्य	अच्छा	श्रेयस्	श्रेष्ठ
बहु	बहुत	भूयस्	भूयिष्ठ
मृदु	कोमल	म्रदीयस्	म्रदिष्ठ
युवन्	जवान्	यवीयस्—कनीयस्	कनिष्ठ यविष्ठ
ह्रस्व	छोटा	ह्रसीयस्	ह्रसिष्ठ
स्थूल	मोटा	स्थवीयस्	स्थविष्ठ
स्थिर	ठहराहुआ	स्थेयस्	स्थेष्ठ
वृद्ध	बड़ा	वर्षीयस्	वर्षिष्ठ
दृढ	मजबूत	द्रढीयस्	द्रढिष्ठ
दीर्घ	लम्बा	द्राघीयस्	द्राघिष्ठ
अन्तिक	पास	नेदीयस्	नेदिष्ठ
दूर	दूर	दवीयस्	दविष्ठ
अल्प	थोड़ा	अल्पीयस्	अल्पिष्ठ
उरु	बड़ा	वरीयस्	वरिष्ठ
क्षिप्र	जल्द	क्षेपीयस्	क्षेपिष्ठ
कृश	दुबला	क्रशीयस्	क्रशिष्ठ
क्षुद्र	तुच्छ	क्षोदीयस्	क्षोदिष्ठ

तर—तम ।

गुरु	गुरुतर	गुरुतम
लघु	लघुतर	लघुतम
महत्	महत्तर	महत्तम ।
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम

क्रूर । घातुक । नृशंस । wicked, cruel दुष्ट । जालिम

च्यु (गतौ) AI To deport, to serve (from) च्युतहोना Caus च्यवयते। *Des* चुच्यूपते Fre चोच्यूयते Pass च्यूयते D. W. च्यवमानः। च्युतः, च्युतिः। च्यवनोयम्। च्युत्वा। च्योतुम्

XII

गल् (अदने) IP. To drop, to fall down गिरना
लज्ज् (लज्जायाम्) VI A. To be ashamed } लजाना
ह्री (Do) III P. To be ashamed
अर्ह् (पूजायाम्) IP to derve. योग्य होना
to be cutitute to पात्र होना
अर्च् (पूजायाम्) I, X. P. To worship } पूजा करना
to honour } सत्कार करना
लू (छेदने) IX P.A. To cut to lop off काटना कुतरना
कृत् (छेदने) VI To cut off काटडालना
वेप् (कम्पने) I A. To shake, to tremble कांपना

XIII

नम् (प्रह्वत्वे शब्देच) I To bow नमस्कार करना
to submit आधीन होना
to bend. झुकना
उप— to approach. झुकना
उत् To rise उठना
to erect सीधा होना
परि— to grow old पुराना होना
to ripe पकना
प्र— to bow down प्रणाम करना

Caus नमय—नामय—अनीनमत्। Des निनंसति, Fre नंनम्यते Pass नम्यते—अनमि।

DW नमन्। नमनम्। नमनीयम्। नत्वा। प्रणम्य le नन्तुम्। प्रणामः। परिणामः। नतिः।

वि—P To cease बन्द होना, रुकना
उप— do to die do
to desist from थांभना
आ— to divert दिलबहलाना
Caus रमयते । Des रिरंसते । Fre रंरम्यते Pass रम्यते
D. W. रममाणः । रतः । रन्ता । रमणम् । रामः । विरामः। रमणीयम्। रंरम्यमाणः। रेमाणः । उपरतिः । रन्त्वा । विरम्य। रन्तुम् । रम्यम् ।

II

गुप् (रक्षण) गोपाय् I P. To protect रक्षा करना
Caus Do Des जुगोपिषति, जुगुप्सति । Fre जोगुप्यते । जोगोपाय्यते । Pass गोपाय्यते—अगोपि ।
D. W. गोपायन् । गोपायिष्यन् ।गोपिष्यन् । गोप्स्यन्। गोप्ता । गोपायितः, गुप्तः । गोप्त्री । गोपनीयम् । गोपनम् । गोपायित्वा । गोपायितुम् ।

III

मद् (हर्षे) IV P. to get drunk } मत्तहोना,प्रसन्नहोना
to be glad, }
प्र— to be negligent गाफिल होना
उत्— to be mad पागल होना
to be intoxicated नशे में चूरहोना
Caus. मादय् to intoxicate उन्मत्त करना
to charm मोहितकरना
Des: मिमदिषति Fre मामद्यते Pass मद्यते—मादयते, अमादि ।
D. W. माद्यन् । मत्तः । प्रमादी । उन्मादः । मदिरा ।

IV

ली (श्लेषणे) IV A & IXP. to adhere लगना । चिपकना
to dwell, to live रहना
नि— to lie down लेटना
to hide oneself छिपना-दुबकना
वि— to vanish, to die गायब होना

च्यु (गतौ) A. To deport, to serve (from) च्युतहोना Caus च्यवयते । Des चुच्यूषते Fre चोच्यूयते Pass च्यूयते D. W. च्यवमानः । च्युतः, च्युतिः । च्यवनीयम् । च्युत्वा । च्योतुम्

XII

गल् (अदने) IP. To drop, to fall down गिरना

लज्ज् (लज्जायाम्) VI A. To be ashamed } लजाना
ह्री (Do) III P. To be ashamed

अर्ह (पूजायाम्) IP to derve. योग्य होना
to be cutitute to पात्र होना

अर्च (पूजायाम्) I,X.P. To worship } पूजा करना
to honour सत्कार करना

लू (छेदने) IX P.A. To cut to lop off काटना कुतरना

कृत् (छेदने) VI To cut off काटडालना

वेप् (कम्पने) I A. To shake, to tremble कांपना

XIII

नम् (प्रह्वत्वे शब्देच) I To bow नमस्कार करना
to submit आधीन होना
to bend झुकना
उप— to approach झुकना
उत् To rise उठना
to erect सीधा होना
परि— to grow old पुराना होना
to ripe पकना
प्र— to bow down प्रणाम करना

Caus नमय-नामय—अनीनमत् । Des निनंसति Fre नंनम्यते Pass नम्यते—अनमि ।

D W नमन् । नमनम् । नमनीयम् । नत्वा । प्रणम्य ।e नन्तुम् । प्रणामः । परिणामः । नतिः ।

XIV

तृ (सन्तरणे) I P. To Pass over — तरना
to cross — पार होना
to accomplish — सिद्ध करना
to fulfil — पूर्ण करना

अव— To descend. — उतरना
to be incarnate — अवतार लेना
to descend down from heaven like (gods)

वि— To give, to grant, — देना मंजूर करना
to favour with — कृपा करके
to give away — देना

सम्— To swim — तैरना

Caus तारय To save — बचाना
to relieve — मुक्त करना

प्र— To persuade — फुसलाना
to deceive — छलना

Des: तितरिषति-तितीर्षति । Fre तेतीर्य्यते Pass तीर्य्यते—अतारि । Pass अतीतरत् ।

D. W. तरन् । तीर्णः । तीर्णवान् । तारकः । तरणीयम् । तर्तुम् । तीर्त्वा । वितीर्य्य । प्रतारणम् । तितीर्षुः । अवतारः ।

XV

त्रै (पालने) I A To protect, to peresetve — रक्षा करना

परि— To save — बचाना

Caus त्रापयते Des तित्रासते Fre तात्रायते Pass त्रायते । D. W. त्रायमाणः । त्रातः । त्रातुम् । त्रात्वा । परित्राणम् ।

रक्ष (पालने) I P. To protect to guard — रक्षा करना
to tend — रखना
to govern — शासन करना

परि— To save रखाना बचाना
Caus रक्षयति, Des रिरक्षिषति Fre रारक्ष्यते Pass रक्ष्यते।

D. W. रक्षन्। रक्षितः। रक्षणम्। रक्षित्वा। रक्षितुम् संरक्षकः। रक्षा। परिरक्षणम्।

अव (रक्षणे) I P. To protect रक्षा करना
to satisfy, to please सन्तुष्ट करना
Caus आवय। Des अविविषति। Pass अव्यते
D. W. अवन्। अवितः। अवितुम्। अवित्वा। अवनम्। ओम्।

पञ्चमी विभक्तिः।

संस्कृतमें चिन्ह-(अः। आत्। यः। ओः आभ्याम् भ्यस् भ्यः

(उः)

रामात्।	रामाभ्याम्।	रामेभ्यः
हरेः।	हरिभ्याम्।	हरिभ्यः
शत्रोः।	शत्रुभ्याम्	शत्रुभ्यः
पितुः।	पितृभ्याम्।	पितृभ्यः
यशसः।	यशोभ्याम्।	यशोभ्यः
त्वत्।	युवाभ्याम्।	युष्मत्

हिन्दी में। से घर से।
इंगलिश में from From him

The Ablative Case अपादान कारक।

१ विभाग की अवधि को आपादान कहते हैं। या यों कहा जाय कि जिस से कोई वस्तु अलग होती है या जिस से छिपते हैं। लजाते हैं। वह अपादान है। इस अपादान में पंचमी विभक्ति होती है। यथा प्रभुः ग्रामात् आयाति। Parbhu comes from a village, प्रभु गांव से आता है। यहां ग्राम अपादान है।

XIV

तृ (सन्तरणे) I P. To Pass over — तरना
to cross — पार होना
to accomplish — सिद्ध करना
to fulfil — पूर्ण करना

अव— To descend. — उतरना
to be incarnate — अवतार लेना
to descend down from heaven like (gods)

वि— To give, to grant, देना मंजूर करना
to favour with — कृपा करके
to give away — देना

सम्— To swim — तैरना

Caus तारय To save — बचाना
to relieve — मुक्त करना

प्र— To persuade — फुसलाना
to deceive — छलना

Des तितरिषति-तितीर्षति । Fre तेतीर्य्यते Pass तीर्य्यते—अतारि । Pass अतीतरत् ।

D. W. तरन् । तीर्णः । तीर्णवान् । तारकः । । तरणीयम् । तर्तुम् । तीर्त्वा । वितीर्य्य । प्रतारणम् । तितीर्षा । अवतारः ।

XV

त्रै (पालने) I A To protect, to pereserve — रक्षा करना
परि— To save — बचाना

Caus त्रापयते Des त्रित्रासते Fre तात्रायते P I त्रायते । D. W. त्रायमाणः । त्रातः । त्रातुम् । त्रात्वा । परित्राणम् ।

रक्ष (पालने) I P. To protect to guard — रक्षा करना
to tend — रखना
to govern — शासन करना

परि— To save रखाना बचाना
Caus रक्षयति Des रिरक्षिषति Fre रारक्ष्यते Pass रक्ष्यते।

D. W. रक्षन्। रक्षितः। रक्षणम्। रक्षित्वा। रक्षितुम् संरक्षकः। रक्षा। परिरक्षणम्।

अव (रक्षणे) I P. To protect रक्षा करना
to satisfy, to please सन्तुष्ट करना
Caus आवय। Des अविविषति। Pass अव्यते
D. W. अवन्। अवितः। अवितुम्। अवित्वा। अवनम्। ओम्।

पञ्चमी विभक्तिः।

संस्कृतमेंऽर्थ–(ङसिः। आत्। ङसि। ओः आभ्याम् भ्यस् भ्यः

(ङः)

रामात्।	रामाभ्याम्।	रामेभ्यः
हरेः।	हरिभ्याम्।	हरिभ्यः
शत्रोः।	शत्रुभ्याम्	शत्रुभ्यः
पितुः।	पितृभ्याम्।	पितृभ्यः
यशसः।	यशोभ्याम्।	यशोभ्यः
त्वत्।	युवाभ्याम्।	युष्मत्

हिन्दी में। से घर से।
इंगलिश में from From him

The Ablative Case अपादान कारक।

१ विभाग की अवधि को आपादान कहते हैं। या यों कहा जाय कि जिस से कोई वस्तु अलग होती है या जिस से छिपते हैं। लजाते हैं। वह अपादान है। इस अपादान में पंचमी विभक्ति होती है। यथा प्रभुः ग्रामात् आयाति। Prabhu comes from a village. प्रभु गांव से आता है।

२ ऋते (without) । अन्यः, अपरः, भिन्नः, इतरः (other than or different from) । आरात् (near remote), प्राक्) (To the east), प्रत्यक् (to the west), पूर्वः (before or prior to) दूरात् (remote) आ और आहि (towards remote) इत्यादि शब्दों के योग में संज्ञा शब्दों के आगे ५ विभक्ति आती है। यथा—

(a)-ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः No Salvation without the knowledge of God बिना ज्ञान के मुक्ति नहीं होती।

(b)—स रामादन्यः He is other than Ram यह राम से भिन्न है। C—आराद्वनात् near the forest वन पास (b) गेहात् प्राक् । To the east of the house घर के पूर्व (e) अर्या. भरतात् पश्चिमाहि, वसन्ति यवनाः। Yunans dwell to the west of India यवन हिन्द के पश्चिम में रहते हैं।

(f) आषाढात्पूर्वोज्येष्ठः, Jaishtha is prior to Asorh जेठ आषाढ़ से पहिले होता है।

(g) दूराद् गेहाद्, remote from the house घर से दूर

३ पृथक् । नाना । विना (different, without) में से प्रत्येक के योग में संज्ञा से पंचमी आती है। द्वितीया और तृतीया भी। यथा पृथक् सोहनलालात् सोहनलालम् सोहन लालेन । Other than Sohanlal साहनलालसे भिन्न

४—आ (From the beginning) । आ (as for as, till, from) परि (to leave) इन में से प्रत्येक के योग में,

[illegible]

putra पटना से ले कर मह बरसा।

५—प्रभृति । आरभ्य (since from) । वहिः ऊर्ध्वम् परम् । अनन्तरम् (after) इन में से प्रत्येक के योग में

पंचमी आती है। यथा—a शैशवात् प्रभृति स मया शिक्षितः He was tought by me even since his child-hood मैं ने बचपन से उसे पढाया है।

a—गेहाद् बहि गम्यताम् Go out of the house घरसे बाहर जाओ।

घण्टा द्वयाद् अनन्तरं तत्र गमिष्यामि I shall go there after two hours दो घण्टे पीछेमें वहां जाऊंगा घण्टा द्वयाद् ऊर्ध्वम्—परंवा।

A कभी २ऊर्ध्वादि शब्द अ प्रगट रहते हैं। जैसे बहोः कालात् [अनन्तरम्—ऊर्ध्वम्] दृष्टस्त्वम्। You are seen after a long time तुम बहुत दिनों में दिखाई पड़े।

६—परा+जि [To hate] धातु के योग में कर्ता जिस से ग्लानि करता है उसके आगे ५ मी वि० आती है। यथा—अध्ययनात्पराजयते रामलालः। R. hates learning

७—भय [fear] और रक्षा [protection] अर्थ वाले धातुओं के योग में उनके कर्त्ता को जिस से भय और रक्षा हो उसके वाचक संज्ञा शब्द से आगे ५मी वि० आती है यथा a स भीतो मरणात्। He fears from death वह मौत से डरता है। सिंहात् तं रक्ष। Save him from the lion उसको सिंह से बचा।

८—जुगुप्स [to shrink], वि+रम् [to cease] प्र... मद् [to severe] इन और इनके समानार्थक विराम और प्रमाद उसके वाचक शब्दके आगे ५मी वि०आती हैं। यथा a ते पापात् जुगुप्सन्ते They shrink from sin वे पाप से घिन करते हैं। रोदनात् विरम। गोविन्दः स्वकार्य्यात् प्रमाद्यति।

९-जिससे विद्या पढ़ते हैं, छिपते हैं लजाते हैं अलग होते हैं उस के वाचक शब्द के आगे ५ वि० आती है। यथा प्रेम चन्द्रः गुरो रधीते P... ...with teacher ... प्रे० गुरुजी से ...

बालकः The boy hides himself from his father बालक बाप से छिपता है। स मातु वियोजितः He was seperated from his mother वह माता से अलग किया गया गोविंदात् लज्जते सा

१०–जहाँ "प्रति" शब्द का अर्थ प्रतिनिधि [representative] और प्रति दान [In exchange for] होता है वहाँ उसके प्रयोग में मुख्य पदार्थ बोधक शब्द के आगे ५ आती है यथा चन्द्रशेखरः शशिभूषणात् प्रति Chandra Shekhar is the representative of Shashibhushana चन्द्र० शशि० का प्रतिनिधि है। पुस्तकात् प्रति यच्छति लेखिनीम् गोपीनाथः G. Nath exchanges a pen for his book गो०ना० पुस्तक के बदले में कलम लेता है।

११–जिससे कोई वस्तु उत्पन्न होती है उसके वाचक शब्द के आगे ५ भी आती है यथा गोमयाद् वृश्चिका जायन्ते Scorpions are produced from cowdung गोबर से बीछू पैदा होते हैं। लोभात् क्रोधः प्रभवति Anger proceeds from anarice लालच से गुस्सा होता है।

१२–जहां "त्वा" या "य" प्रत्ययान्त क्रिया साक्षात् प्रयुक्त न हो किन्तु ऊपर से समझी जाय वहां उस क्रिया के कर्म या अधिकरण कारक के आगे ५ वि० आती है यथा स आसनात् प्रेक्षते (आसने उपविश्य) He sees from the seat वह आसन पर से देखते हैं। श्वसुरात् लज्जते वधूः [श्वसुरं वीक्ष्य] वह सुसर से लजाती है।

१३–"हेतु" अर्थ के बोधक शब्द के आगे ५ भी और ३ या दोनों विभक्तियां आती हैं। यथा कौशलात् कौशलेन वा मुक्तः चौरः The thief was set at liberty on account of his cleaverness चोर अपनी चतुराई से छूट गया।

१४–जब किसी अवधि से काल और मार्ग का परिच्छेद [नाप] किया जाता है तो उस अवधि-वाचक शब्द के आगे

५ मी, काल वाचक शब्द के आगे सप्तमी और मार्ग वाचक शब्द के आगे प्रथमा और सप्तमी दोनों विभक्तियां आती हैं। यथा...कार्तिक्या आग्रहायणी मासे मासः वा। A is one month from K. कार्तिकी पूनों से अगहन की पूनों एक महीना है या एक महीने में होती है।

१५-जिस वस्तु से कोई दूसरी वस्तु उत्कृष्ट [better] या अपकृष्ट [worse] समझी जाती हैं तो उस पहिली वस्तु के बोधक शब्द आगे ५ मी विभक्ति आती हैं यथा धनाद् विद्या गरीयसी Knowledge is better than wealth धनसे विद्या उत्तम है। तृणादपि लघीयान्-याचकः

A

Translate the following into English or Hindi

१...श्राध्दस्य पूर्वाह्णाद् पराह्णो विशिष्यते २-तृणादपि याचको लघीयानस्ति ३ महतो मुनि व्रतात् निवारयन्ती मेना सती मुवाच ४ सङ्गात्संजायते कामः कामात् क्रोधोऽभिजायते ५ प्रत्यगेव च प्रयागाच्च मध्यदेशः प्रकीर्तितः६चितायाःस विभेतिस्म ७ इतरो राघवा देव रावणानुचरो यदि सफलानि प्राक् प्रमानात्ततो मम। ईश्वरेच्छया आकाशः सम्भूतः अकाशा द्वायुः, वायो रग्निः, अद्भ्यः पृथ्वी, ६ निवृत्तोऽहं नरकपात् मार्गात् १० बाधिरान्मन्दकर्णः श्रेयान्११सोमात्तृतीये दिवसे सौम्यः १२ शिशवोऽध्ययनात् पराजयन्ते १३ पुरुषेभ्यो लज्जन्ते स्त्रियः १४ गेहनाद् विरता कन्या १५ तेन मद् व्याकरणमधीतम् १६ हिमवतो गंगाऽवतरति १७ ब्रह्मणः प्रजाप्रजायन्ते। १८ नगराद् ग्रामो योजनम्१९आमुक्तेः संसारः। आसकलाद् ब्रह्म २० प्रद्युम्नः कृष्णात्प्रति, तिलेभ्यः प्रतियच्छतिमाषान्। निव्रजाद्यात् घटो मूर्खः२१धावनोऽश्वात्स पतितः २२यवेभ्यो गाम् वारयति यज्ञदत्तः २३ भवात्प्रभृति सेव्यो हरिः२४ लङ्का आर्य्यवर्तात् दक्षिणाहि वर्तते।

B.

Translate the following into Sanskrit:—

1. Something is better than nothing. 2. Go to the northern direction of this city 3. Sir, we wish to learn the story of Virat from the beginning 4. How many coss is Patna from Benares 5. Wealth is dearer to him than his very life 6. The boys are coming from the school 7. The enemies fled from him 8. The mountain is fiery because it smokes 9. Gopinath exchanges a book from his book. 10. Scherpates are produced from cowdung. 11.

तातः । जनकः । पितृ m	Father	बाप
मातृ M जननी । प्रसू F	Mother	मा
भ्रातृ F	Brother	भाई
भगिनी । स्वसृ F	Sistec	बहिन
तनयः । पुत्रः । सूनुः m	Son	बेटा
पुत्री । दुहितृ F	Daughter	बेटी
पितृव्यः । पितृव्य जाया	Uncle, aunt	चाचा, चाची, ताऊ, ताई
मातुलः ।	Maternal Uncle	मामा
मातुलानी	Do Aunt	माई
जामातृ M	Son-in-law	जमाई
भागिनेयः स्वस्रीयः	Nephew	भानजा
भ्रात्रीयः । भ्रातृजः	Do Brother's eon	भतीजा
पितरौ । मातापितरौ	Parents	मा बाप वाल्दैन
पितृव्यजः	Cousin	चचाज़ाद भाई
श्यालः	Wife's brother	साला
भगिनीपतिः, आवुत्तः	Sister's husband	जीजा-बहनोई ।
यातृ ।	Husband's brother's wife	देवरानी-जिठानी ।

स्नुषा । जनी । वधूः	Daughters in law	पुत्रवधू-पतोहू
ननान्द ।	Husbands' sister	ननद ।
नप्तृ-पौत्रः ।	Grand son	पौता ।
नप्त्री । पौत्री ।	Grand daughter	पोती ।
पितामहः ।	Grand father	बाबा ।
पितामही ।	Grandmother	दादी।
मातामहः ।	Mother's father	नाना
मातामही ।	Do mother	नानी ।
देवृ-देवरः ।	Husbands brother	देवर ।
वैमात्रेयः ।	step brother	सौतेलाभाई ।
विमातृ F	Step-mother	मौसी ।
मातृष्वसृ F	others sister	मौसी ।
मातृ ष्वसृ यः	Mothers sisters son	मौसीका बेटा ।
औरसः । उरस्यः	Legitimate son	अपना बेटा ।
कुटुम्बम् ।	Family	कुनबा ।
सगोत्रः । बान्धवः	Relatve	रिश्तेदार ।
योषित्	Women	औरत
वंशः	Dynasty	खानदान
सती, साध्वी, पतिव्रता	Chaste woman	पतिव्रतास्त्री ।
विश्वस्ता । विधवा	Widow	रांड,
मृत पत्नीकः	Widower	रंडुआ,
कुलटा, पांसुला, स्वैरिणी	Bad women	दुष्टास्त्री,
अपत्यं, तोकम्	Offspring	सन्तान
शिशुः m	Child	बच्चा
स्तनन्धयः	Infant	दुधमुहा
युवन्	Young	जवान

B

Translate the following into Sanskrit:—

1. Something is better than nothing 2. Go to the nor-thern direction of this city 3. Sir, we wish to learn the story of Virat from the beginning 4. How many coss is Patna from Benares 5. Wealth is dearer to him than his very life 6. The boys are coming from the school 7. The enemies fled from him 8. The mountain is fiery be-cause it smokes 9. Gopinath exchanges a book from his book. 10. Schorpains are produced from cowdung. 11

तातः । जनकः । पितृ m	Father	बाप
मातृ M जननी । प्रसू F	Mother	मा
भ्रातृ F	Brother	भाई
भगिनी । स्वसृ F	Sister	बहिन
तनयः । पुत्रः । सूनुः m	Son	बेटा
पुत्री । दुहितृ F	Daughter	बेटी
पितृव्यः । पितृव्य जाया	Uncle, Aunt	चाचा, चाची, ताऊ, ताई
मातुलः ।	Maternal Uncle	मामा
मातुलानी	Do Aunt	मामी
जामातृ M	Son-in-law	दमाद
भागिनेयः स्वस्रीयः	Nephew	भानजा
भ्रात्रीयः । भ्रातृजः	Do Brother's son	भतीजा
पितरौ । मातापितरौ	Parents	मा बाप वाल्दैन
पितृव्यजः	Cousin	चचाज़ाद भाई
श्यालः	Wife's brother	साला
भगिनीपतिः, आवुत्तः	Sister's husband	जीजा-बहनोई ।
यातृ ।	Husband's brother wife	देवरानी-जिठानी ।

स्नुषा । जनी । वधूः	Daughters in law पुत्रवधू-पतोहू
ननान्द ।	Husbands' sister ननद ।
नप्तृ-पौत्रः ।	Grand son पोता ।
नप्त्री । पौत्री ।	Grand daughter पोती ।
पितामहः ।	Grand father बाबा ।
पितामही ।	Grandmother दादी ।
मातामहः ।	Mother's father नाना
मातामही ।	Do mother नानी ।
देवृ-देवरः ।	Husbands brother देवर ।
वैमात्रेयः ।	step brother सौतेलाभाई ।
विमातृ F	Step-mother मौसी ।
मातृष्वसृ F	others sister मौसी ।
मातृ ष्वसृ यः	Mothers sisters son मौसीका बेटा ।
औरसः । उरस्यः	Legitimate son अपना बेटा ।
कुटुम्बम् ।	Family कुनबा ।
सगोत्रः । बान्धवः	Relatve रिश्तेदार ।
योषित्	Women औरत
वंशः	Dynasty खानदान
सती, साध्वी, पतिव्रता	Chaste woman पति-व्रतास्त्री ।
विश्वस्ता । विधवा	Widow रांड,
मृत पत्नीकः	Widower रंडुआ,
कुलटा, पांसुला, स्वैरिणी	Bad women दुष्टास्त्री,
अपत्यं, तोकम्	Offspring सन्तान
शिशुः m	Child बच्चा
स्तनन्धयः	Infant दुधमुहा
युवन्	Young जवान

B.

Translate the following into Sanskrit:—

1. Something is better than nothing 2. Go to the northern direction of this city 3. Sir, we wish to learn the story of Virat from the beginning 4. How many cosas is Patna from Benares 5. Wealth is dearer to him than his very life 6. The boys are coming from the school 7. The enemies fled from him 8. The mountain is fiery because it smokes 9. Gopinath exchanges a book from his book. 10. Schorpains are produced from cowdung. 11.

तातः । जनकः । पितृ m	Father	बाप
मातृ M जननी । प्रसू F	Mother	मा
भ्रातृ F	Brother	भाई
भगिनी । स्वसृ F	Sister	बहिन
तनयः । पुत्रः । सूनुः m	Son	बेटा
पुत्री । दुहितृ F	Daughter	बेटी
पितृव्यः । पितृव्य जाया	Uncle, Aunt	चाचा, चाची, ताऊ, ताई
मातुलः ।	Maternal Uncle	मामा
मातुलानी	Do Aunt	माई
जामातृ M	Son-in-law	जमाई
भागिनेयः स्वस्रीयः	Nephew	भानजा
भ्रात्रीयः । भ्रातृजः	Do Brother's son	भतीजा,
पितरौ । मातापितरौ	Parents	मा बाप वाल्दैन
पितृव्यजः	Cousin	चचाजाद भाई
श्यालः	Wife's brother	साला
भगिनीपतिः, आवुत्तः	Sister's husband	जीजा–बहनोई ।
यातृ ।	Husband's brothes wife	देवरानी–जिठानी ।

स्नुषा । जनी । वधूः	Daughters in law	पुत्रवधू-पतोहू
ननान्द ।	Husbands' sister	ननद ।
नप्तृ–पौत्रः ।	Grand son	पौता ।
नप्त्री । पौत्री ।	Grand daughter	पोती ।
पितामहः ।	Grand father	बाबा ।
पितामही ।	Grandmother	दादी ।
मातामहः ।	Mother's father	नाना
मातामही ।	Do mother	नानी ।
देवृ–देवरः ।	Husbands brother	देवर ।
वैमात्रेयः ।	step brother	सौतेलाभाई ।
विमातृ F	Step-mother	मौसी ।
मातृष्वसृ F	others sister	मौसी ।
मातृ ष्वस्र यः	Mothers sisters son	मौसीका बेटा ।
औरसः । उरस्यः	Legitimate son	अपना बेटा ।
कुटुम्बम् ।	Family	कुनबा ।
सगोत्रः । बान्धवः	Relatve	रिश्तेदार ।
योषित्	Women	औरत
वंशः	Dynasty	खानदान
सती, साध्वी, पतिव्रता	Chaste woman	पति-व्रताखी ।
विश्वस्ता । विधवा	Widow	रांड,
मृत पत्नीकः	Widower	रंडुआ,
कुलटा, पांसुला, स्वैरिणी	Bad women	दुराखी,
अपत्यं, तोकम्	Offspring	सन्तान
शिशुः m	Child	बच्चा
स्तनन्धयः	Infant	दुधमुहा
युवन्	Young	जवान

B.

Translate the following into Sanskrit:—

1. Something is better than nothing 2. Go to the n
thern direction of this city 3. Sir, we wish to learn t
story of Virat from the beginning 4. How many coss
Patna from Benares 5. Wealth is dearer to him than h
very life 6. The boys are coming from the school
The enemies fled from him 8. The mountain is fiery b
cause it smokes 9. Gopinath exchanges a book from b
book. 10. Scherpsies are produced from cowdung. 1

तातः । जनकः । पितृ m	Father	बाप
मातृ M जननी । प्रसू F	Mother	मा
भ्रातृ F	Brother	भाई
भगिनी । स्वसृ F	Sister	बहिन
तनयः । पुत्रः । सूनुः m	Son	बेटा
पुत्री । दुहितृ F	Daughter	बेटी
पितृव्यः । पितृव्य जाया	Uncle, Aunt	चाचा, चाची ताऊ, ताई
मातुलः ।	Maternal Uncle	मामा
मातुलानी	Do Aunt	माई
जामातृ M	Son-in-law	जमाई
भागिनेयः स्वस्रीयः	Nephew	भानजा
भ्रात्रीयः । भ्रातृजः	Do Brother's son	भतीजा
पितरौ । मातापितरौ	Parents	मा बाप वालदैन
पितृव्यजः	Cousin	चचाजाद भाई
श्यालः	Wife's brother	साला
भगिनीपतिः, आवुत्तः	Sister's husband	जीजा-बहनोई
यातृ (	Husband's brothes wife	देवरानी-जिठानी

स्नुषा । जनी । वधूः	Daughters in law पुत्रवधू-पतोहू
ननान्द ।	Husbands' sister ननद ।
नप्तृ-पौत्रः ।	Grand-son पौता ।
नप्त्री । पौत्री ।	Grand daughter पोती ।
पितामहः ।	Grand father बाबा ।
पितामही ।	Grandmother दादी ।
मातामहः ।	Mother's father नाना
मातामही ।	Do mother नानी ।
देवृ-देवरः ।	Husbands brother देवर ।
वैमात्रेयः ।	step brother सौतेलाभाई ।
विमातृ F	Step-mother मौसी ।
मातृष्वसृ F	others sister मौसी ।
मातृ ष्वस्रेयः	Mothers sisters son मौसीका बेटा ।
औरसः । उरस्यः	Legitimate son अपना बेटा ।
कुटुम्बम् ।	Family कुनबा ।
सगोत्रः । बान्धवः	Relatve रिश्तेदार ।
योषित्	Women औरत
वंशः	Dynasty खानदान
सती, साध्वी, पतिव्रता	Chaste woman पतिव्रताली ।
विश्वस्ता । विधवा	Widow रांड,
मृत पत्नीकः	Widower रंडुआ,
कुलटा, पांसुला, स्वैरिणी	Bad women दुराली,
अपत्यं, तोकम्	Offspring सन्तान
शिशुः m	Child बच्चा
स्तनन्धयः	Infant दुधमुहा
युवन्	Young जवान

B.

Translate the following into Sanskrit:—

1. Something is better than nothing. 2. Go to the northern direction of this city 3. Sir, we wish to learn the story of Virat from the beginning 4. How many cosas is Patna from Benares 5. Wealth is dearer to him than his very life 6 The boys are coming from the school 7. The enemies fled from him 8. The mountain is fiery because it smokes 9. Gopinath exchanges a book from his book. 10 Schorpaics are produced from cowdung. 11.

तातः । जनकः । पितृ m	Father	बाप
मातृ M जननी । प्रसू F	Mother	मा
भ्रातृ F	Brother	भाई
भगिनी । स्वसृ F	Sister	बहिन
तनयः । पुत्रः । सूनुः m	Son	बेटा
पुत्री । दुहितृ F	Daughter	बेटी
पितृव्यः । पितृव्य जाया	Uncle, Aunt	चाचा, चाची, ताऊ, ताई
मातुलः ।	MaternalUncle	मामा
मातुलानी	Do Aunt	माई
जामातृ M	Son-in-law	जमाई
भागिनेयः स्वस्रीयः	Nephew	भानजा
भ्रात्रीयः । भ्रातृजः	Do Brother's son	भतीजा
पितरौ । मातापितरौ	Parents	मा बाप वाल्दैन
पितृव्यजः	Cousin	चचाज़ाद भाई
श्यालः	Wife's brother	साला
भगिनीपतिः, आवुत्तः	Sister's husband	जीजा-बहनोई ।
यातृ	Husband's brother's wife	देवरानी-जिठानी ।

स्नुषा। जनी। वधूः	Daughters in law पुत्रवधू-पतोहू
ननान्द।	Husbands' sister ननद।
नप्तृ-पौत्रः।	Grand-son पौता।
नप्त्री। पौत्री।	Grand daughter पोती।
पितामहः।	Grand father बाबा।
पितामही।	Grandmother दादी।
मातामहः।	Mother's father नाना
मातामही।	Do mother नानी।
देवृ-देवरः।	Husbands brother देवर।
वैमात्रेयः।	step brother सौतेलाभाई।
विमातृ F	Step-mother मौसी।
मातृष्वसृ F	others sister मौसी।
मातृ ष्वसृ यः	Mothers sisters son मौसीका बेटा।
औरसः। उरस्यः	Legitimate son अपना बेटा।
कुटुम्बम्।	Family कुनबा।
सगोत्रः। बान्धवः	Relatve रिश्तेदार।
योषित्	Women औरत
वंशः	Dynasty खानदान
सती, साध्वी, पतिव्रता	Chaste woman पति-व्रताख्री।
विश्वस्ता। विधवा	Widow रांड,
मृत पत्नीकः	Widower रंडुआ,
कुलटा, पांसुला, स्वैरिणी	Bad women दुराख्री,
अपत्यं, तोकम्	Offspring सन्तान,
शिशुः m	Child बच्चा
स्तनन्धयः	Infant दुधमुहा
युवन्	Young जवान

वृद्धः	Old	बूढ़ा
शैशवम् शिशुत्वम्	Childhood	बचपन
तारुण्यं, यौवनम्	Youth	जवानी
स्थाविरं, वार्द्धक्यम्	Oldage	बुढ़ापा
पूर्वजः, अग्रजः	Elder	बड़ाभाई

B

त्वदीय, तावक, तावकीन	Thy, thine	तेरा
मदीय, मामक, मामकीन	My, mine	
तदीय	His, Her, its	उसका
युष्मदीय, यौष्माकीन	Your, Yours	तुम्हारा
अस्मदीय, आस्माकीन	Our Ours	हमारा
पैतृक	Paternal	पिताका
मातृक	Maternal	माताका

C

वेषवारः, उपस्करः ।	Spice	मसाला
एला	Cardamum	इलायची
लवंगम्	Cloves	लौंग
जीरकम्	Commin seed	जीरा
धन्याकम्	Coriauder	धनियां
हरिद्रा	Turmeric	हल्दी
मरिचम्	Peper, chilly	मिर्च
पूगीफलम्	Nut	सुपारी
रमठः, हिंगुm	Asfoetida	हींग
शुण्ठी	Dry-ginge	सोंठ
आर्द्रकम्	Ginger	अदरक
मिसी-शतपुष्पा		सौंफ

d

पत्तिन् m शकुन्तः, विहगः, खगः, विजः	Bird	परन्द ; पक्षी पखेरू,

मयूरः, बर्हिन् m बर्हिणः नीलकण्ठः, शिखिन् m	Pea-cock मोर
मधुकरः, मधुलिट् m अलिन् m	Bee , भुमार,भौंरा
आतापिन् m चिल्लः,	A Kite चील
शुकः, कीरः	Parrot तोता
कोकिलः, परभृत् m कोयल पिकः वनप्रियः	Cuckoo, Nightingale
काकः, वायसः,	Crow कौआ
कोकः, चक्रः, चक्रवाकः,	Ruddy goose चकवा
हंसः	Swan हंस
चातकः सारंगः	Chatak पापीहा
वरटा, गन्धोली	Wasp बर्र
पतंगः, शलभः	Grass-hoper पतंगा
खद्योतः	Firefly जुगनू, पटबीजना
गृध्रः	Vulture गीध
बकः, कंकः	W. Crane बकुला
पुष्कराह्वः, सारसः	Crane सारस
चटकः, कलविंकः	Sparrow चिरौटा गौरैया
कृकवाकुः m ताम्रचूडः कुक्कुटः	cock मुर्गा
कुक्कुटी	Hen मुर्गी
उलूकः, दिवान्धः, घूकः	Owl उल्लू
श्येनः, शशादनः	Hawk बाज्
पारावतः, कलरवः, कपोतः	Pigeon, dove फाख्ता
गरुडः, वैनतेयः, खगेशः,	Eagle गरूड़, उक़ाब
तित्तिरः m	Partridge तीतर
पयोष्णी, तैलपायिका,	Bat चमगीदर
पंजरः	cage

पेशी, कोशः, अण्डः,	Egg	अण्डा
कुलायः, नीडम्,	Nest	घोंसला
पक्षः, पतत्रम्, पत्रम्,	Wing	पंख
चंचुः, त्रोटिः,	Bill, beak	चोंच
शिखण्डः, पिच्छः बर्हः	Feather, tail	पूंछ, पर
शिखा, चूडा,	crest	कलंगी
युगम्, युगलम्,	Pair	जोड़ा
कुलम्,	Flock	झुण्ड
जालम्	Net	जाल
कूजितम्	chirping	कूकना-कूज
छेक, गृहाक	tame, domestic cat	पाल्- पालतू
एकः, एका, एकम्, प्रथम	One, First	एक पहिल
द्वौ m द्वे F द्वितीय	two, second	दो दूसरा
त्रयः m तिस्रः F त्रीणि n तृतीय	three, third	तीन तीसरा
चत्वारः m चतस्रः F चत्वारि n चतुर्थ	Four fourth	चार चौथा
पञ्च, पञ्चम	Five, fifth	पांच पांचवा
षट्, षष्ठ,	Six, Sixth	छः छठा
सप्त, सप्तमः	Seven, Seventh	सात सातवां
अष्ट, अष्टौ, अष्टम्	Eight eighth	आठ आठवाँ
नव, नवम,	Nine, ninth,	नौ नवा
दश दशम्	ten tenth	दस दसवा
एकादश	Eleven 11th	११, ११वा
द्वादश	12—12th	१२, १२वा
त्रयोदश,	13—13th	१३, १३वा
चतुर्दश	14—14th	१४, १४वा

पञ्चदश	15—15th	१५, १५वां
षोडश	16-16th	१६, १६ वां
सप्तदश	17-17th	१७, १७ वां
अष्टादश	18-18th	१८, १८ वां
एकोनविंशतिः F एकोनविंश,	19-19th	१९, १९ वां
एकविंशतिः एकविंश	20-20th	२०, २० वां

F—Verbs

हृ (हरणे) T. w. — To Carry लेजाना, पहुंचाना
to Carry away हरलेजाना
to Convey लेजाना
to captivate गिरफ्तार क०

प्र— To strike मारना
to attack हमला क०

सम्— to collect इकट्ठा क०
to destroy नष्ट करना

सम्+प्र— to fight लड़ना

उप+सम्— to collect इकट्ठा करना
to make short कम क०

प्रति+सम्— To take back फेर लेना
to with-draw वापिसलेना

वि— To divert विहारक०मन बहलाना

परि—, निर्—, उप— To avoid त्यागना।

सम्+उप— Do Do

अप्—	To take away	हरलेजाना ।
	to rob	चुरा लेजाना ।
अभि+अव—	To eat	खाना
आ—	*Do*	Do
	to Carry	लेजाना
	to offer (a sacrifice) यज्ञ प
वि+अव—	To act or behave वर्ताव क
Do—	to stake in gambling जुआ खे
A—	to deal in transaction व्यौपार
उत्+आ—	To pronounce उच्चारण, क कहना ।	
	to illustrate	उदाहरण दे वर्णन, क०
प्रति+उत्+आ—	To answer	उत्तर देना
उप+आ—	To offer to present भेट क
वि×आ—	To explain	व्याख्या
उत्—	To take out	बाहर निक
	To draw out	खेंच लेना
	to save	बचाना
	to destroy	नाशक०

Caus हारयति Des, जिहीर्षति । Fre जेह्रियते ह्रियते

D. W. हरन्, हरणम्, हृतम्, हर्त्तव्यम्, हारकः, हा ह्रियमाणः संहारः, जिहीर्षा, अहिवान्, उदाहरणम्, ह्रन्, आहारः विहारः, प्रहारः उपहारः, संहारः, सं हर्त्तुम्, हृत्वा, विहृत्य, परिहर्त्तव्यम्, अभ्यवहृत्य, ह मनोहारी, विहारी,

b

स्मृ (आध्याने) 1. P. To remember याद करना

वि— To forget भूल जाना,

अप— to be senseless

Caus स्मारयति असस्मरत्, Des सुस्मूर्षति Fre सास्मर्यते Pass स्मर्यते–अस्मारि,

D. W. स्मरन्, स्मरणीयम्, स्मरणम्, स्मृतिः स्मारः, स्मर्तव्यम्, विस्मृतिः, स्मृत्वा, स्मर्यमाणः स्मरिष्यन्, स्मारकः, अपस्मारः स्मारंस्मारम्, स्मर्तुम्।

पा (पाने पिब् 1. P. To drink पीना,

नि— to sip, घूंट २ पीना चूसना

Caus पाययति अपीप्यत् Des पिपासति Fre पेपीयते, Pass पीयते, अपायि,

D. W. पीवन्, पानम्, पीतम्, पिपासा, पयम्, पानीयम्, पातव्यम्, पीत्वा, पातुम्, पीयमानः, सपीतिः, निपानम्,

दय I. A d

to gine देना

to protect रक्षा करना

to go जाना

to kill मारना

to take लेना,

Caus दाययते Des दिदयिषते, Fre दादाय्यते P. [illegible],

D. W. दयमानः, दया, दयितः, दयिता, दयितुम्, [illegible] दयिष्यमाणः दय्यमानः,

हन् (हिंसागत्योः) to strike मारना [illegible]

to hurt चोट पहुंचाना [illegible]

to kill [illegible]

to destroy [illegible]

अप- to remove हटाना ,
आ- to beat पीटना
अभि- To assail हमला क०
प्रति + आ- To drive back पीछे हटाना
वि + आ- To obstruct रोकना
प्रति- To drive back हटाना
To keep off दूरकरना
सम्- To put together इकट्ठा क०

Caus घातयति अजीघनत Des जिघांसति Fre जंघन्यते Pass हन्यते अघानि , अघानि ,

D. W. घ्नन् , हन्ता , हतः , घातकः , हन्तव्यः , हन्तुम् , हत्वा , घातः , संहतिः , जघ्निवान् , हन्यमानः , व्याघातः , हननम् , हनिष्यन् , संघातः ,

F

ईश (ऐश्वर्ये) II A To be master of मालिक होना,
to govern हकूमत क०
to be able समर्थ होना

Caus ईशयते , ईशिशिपते Pass ईश्यते—ऐशि ।

D. W. ईशानः , ईशिता , ईशितः ईशितुम् , ईशित्वा , ईश्यमानः ,

G

नाथ् (याञ्चोपतापयोः) To ask, to be master of मांगना
IA to bless आशिसदेना

Caus नाथयति + । Des निनाथिषते Fre नानाथ्यते pass नाथ्यते अनाथि D. W. नाथमानः,नाथितः , नाथितुम् , नाथः।

त्रस् (हिंसायाम्) X-U To hurt हानि क० मारना ।
To set free मुक्त करना

Caus त्रासयति-ते + अतत्रसत् , Des तितसिषति Fre

जासयते Pass जस्यते-अजासि ।

D. W. जासयन्, जस्यन्, जसितुम्, जसितव्यम्, जासयितुम्, जसित्वा, जासयित्वा, जस्यमानः ।

b

क्नथ् क्रथ् (हिंसायाम्) IP. To kill मारना

Caus क्रथयति-अचीकथत् Des चिक्रथिषति Fre चाक्रथ्यते Pass क्रथ्यते-अक्राथि-अक्रथि ।

D. W. क्रथन्, क्रथनम्, क्रथितः, क्रथितवान्, क्राथंक्राथं-क्राथंक्राथम्, क्रथित्वा, क्रथितुम् ।

कूज् (अव्यक्ते शब्दे) 1P. To make an inarticulate sound, to ubzz to chirp to coo — कूकना, चूंचूं क०

Caus कूजयति-अचुकूजत् Des चुकूजिषति Fre चोकूज्यते Pass कूज्यते-अकूजि ।

D W कूजन् । कूजितम् । कूजितवान् । कूजनम् । कूजितुम्, कूजित्वा । संकूज्य । कूज्यमानम् ।

J

रु (शब्दे) IIP to cry— to yell, रोना, चिल्लाना to humas bee: भिनभिनाना— to sound in general वि- to lament करना । Pass रावयति-अरूरवत् bf

ते Caus. कर्त-कारयति।

D.W. गतः। गत्वा। गीतवत्वान्। गदितः। गदि
गदित्वा। संगदः। निगदः।

K

घुष् (घुषे) II' to sound,		आवाज़ क० आदि
	to declare	प्रसिद्ध करना।
उद्—to cry		रोना। चिल्लाना
" X' to proclaim to aloud		घोषणा क० ढोंढ़ोरा

Caus. घोषयति-अघूघुषत् Des. जुघोषिषति। P
घुष्यते घुष्टते Pass। घोषति। D.W. घोषन्। ...
घुष्टिः। संघुष्यात्।

ध्वन् (शब्दे) I. P.	to sound to echo आवाज़	
	to thunder प्रति ध्वनि क०	
प्र—	to resound	गूंजना
प्रति—	Do	Do

Caus. ध्वनयति ध्वानयति-अदिध्वनत् Des. दिध्वनिषति
दाध्वन्यते Pass ध्वन्यते-D. W ध्वनन्, ध्वनितम्, ध्वनि
ध्वनित्वा, ध्वनम्, प्रतिध्वनिः प्रध्वानम्,

L

वह् (प्रापणे) III.	to carry to bear	लेजाना-बहु
	to feel	मालूम क०
प्र—	follow, to blow	बहना,
आ—	to produce to effect	करना, करना
	to tend to	देना उत्पन्न
	to bring on	लाना
उद्—	to lift up	उठाना। ऊंचा

	to marry	विवाह क०
वि——	to marry	विवाह करना ।
Caus वाहति		
निर्——	to support	निर्वाह क०
	to fulfil	पूरा करना
सम्——	to rub gently	हौले २ दबाना ।
	to champoo	या मलना ।

Des विवक्षति Fre वावहते Pass उह्यते D. ए. वहन् । वहमानः, ऊढः, ऊढवान्, वहनीयः विवक्षा, संवाहकः, वोढा, वोढुम्, उद्वाहः, प्रवहणम्, विवाहः, निर्वाहः, प्रवाहः,

M

कम्

षष्ठी विभक्तिः, Onse ending

	१ व०	२ व०	ब, व०
संस्कृत=ङस् अः, ओः,	अः आः स्य, उः	ओस्-ओ,	आम्, नाम्, णाम्

हिन्दी—का की, के, रा, री, रे English 's of

उदाहरण।	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
	यशसः	यशसोः	यशसाम्
	नद्याः	नद्योः	नदीनाम्
	पितुः	पित्रोः	पितॄणाम्
	हरेः	हर्य्योः	हरीणाम्
	करिणः	करिणोः	करिणाम्
	भानोः	भान्वोः	भानूनाम्
	मेरा	हम दोनों का	हमारा
	मम } मे }	आवयोः नौ	अस्माकम् नः
	तव	युवयोः	

तैं	याम्	ः
रामका	दो रामों का	रामों का
मेरा	हम दोनों का	हमारा
तेरा	तुम दोनों का	तुम्हारा

II. The Genative Case सम्बन्धकारक

१-पदार्थों के आपस के मेल को सम्बन्ध कहते हैं, सम्बन्ध (कारक) में षष्ठी विभक्ति आती है, यह सम्बन्ध कारकके सिवाय, तद्धित और समाससेभी जाना जाताहै यथ रामो दशरथस्य पुत्रः आसीत् Ramwasthe sonof Dashrat रा० द० के पुत्र थे हेम्नो घटः हेमघटः या a jar of gold, gold jar सोने का घड़ा, सुवर्ण घट,

२-ईश् (to govern) दय् (to save) प्र+भू to be abl (to remember) स्मृ और अधि+इ (to study) धातुओं के कर्म के आगे (प्रयोग कर्त्ता को यदि सम्बन्ध कहने की इच्छा हो तो) षष्ठी विभक्ति आती है, यथा गात्राणां ईष्टे He can not rule his limbs उसे अप गातों का (पर) अधिकार नहीं है,
समातुः स्मरति He remembers his mother वह माता स्मरण करता है । सर्पिषः दयनम् । सम्बन्ध विवक्षा जो विभक्ति नियमानुसार पावेगी वह होगी जैसे समात स्मरति—वह माको-,

३—"कृत्वा" प्रत्यय और इसके समानार्थक दूसरे प्रत्य के प्रयोग में (सम्बन्ध की विवक्षा में) काल वाचक आधार आगेषष्ठी वि०आतीहै यथा द्विःअन्हो भुङ्क्ते जपदेवः Javade दोप अ

४—तुल्य, सदृश, सम् (like or equal to) अनु

proper, worthy of) आदि अव्ययों के प्रयोग में जिस के सदृश हो उसके आगे षष्ठी ६ आती है-यथा—a रामस्य सदृशः गंगदत्तः Ganga Datta is like Rama गङ्. राम के समान है। b-नैतत्तस्यानुरूपम् It is not worthy of him यह उसके योग्य नहीं।

इन तुल्य आदि के योग में ३ भी आती है यथा रामेण सदृशः गंगदत्तः। परन्तु तुला और उपमा शब्दों के योग में जिस के तुल्य हो उसके आगे ६ आती है जैसे तुला सदृश न विद्यते। और कभी ३ या भी। तुला समारोहति।

४-दूर (distance) अन्तिक-समीप सन्निकृष्ट। निकट (near) इत्यादि शब्दों के योग में जिस से दूर या समीप हो उस के आगे षष्ठी आती है। यथा-ग्रामस्य भामाद्या दूरं वनम् The forest is distance from the village वनगांव से दूर है।

६-जहां "दिव्" धातु का जुआ खेलना और व्यापार करना अर्थ होता है वहां उसके कर्म के आगे ६ष्ठी आती है। यथा-चतुर्णां दीव्यति गोविन्दः G. deals in four गो० चार का व्यापार करता है।

परन्तु उपसर्ग सहित दिव् धातु के कर्म के आगे द्वितीया भी आती है जैसे त्रिंशतः त्रिंशतिं वा प्रतिदीव्यति सः और यदि दिव् धातु का स्तुत्यादि अर्थ होतो २ या आती है। स ब्राह्मणं दीव्यति He prises the Brahman

७-"पण" और "वि+अव+हृ" (व्यौहार करना और जुआ खेलना) धातुओं के कर्म के आगे (सं०वि०में) ६ हो आती है। यथा मनोहर त्रिंशतः व्यवहरते पणते वा मनोहर ३० की बाज़ी लगाता है। M. stakes thirty

परन्तु इससे भिन्न अर्थों में इन धातुओं के कर्म के आगे द्वितीया आती है यथा ब्राह्मणं पणते देवदत्तः Dev. extalls the Brahman

८-"नाथ" ({ to wish for / to bless }) धातु के कर्म के आगे ६ ष्ठी आती है। यथा-फलानां नाथते दीन दयालुः । D. wishes for fruits दो फलों की इच्छा करता है। परन्तु मांगने अर्थ में इस धातु कर्म के आगे द्वितीया आती है, यथा फलानि नाथति-दीनदयालुः D. asks fruits दी० फल मांगता है।

९-आशीर्वाद (blessing) अर्थ में आयुष्यं भद्रं, कुशलं सुखम् हितम् और कल्याणम् इन शब्दों में से प्रत्येक के योगमें जिसको आशीर्वाद दिया जाय उसके वाचक शब्द के आगे षष्ठी और चतुर्थी दोनों विभक्तियां आती हैं यथा युष्माकं युष्मभ्यं वा सुखं भूयात् May happiness attend you ईश्वर करे तुम को सुख हो।

१०-हिंसार्थक जास, निहन् प्रहन् नाट्, क्राथ् और पिष् धातुओं के कर्म के आगे (सम्बन्ध कहने की इच्छा हो तो) षष्ठी आती है। यथा चौरस्य उज्जासयति सः He kills the thief वह चौर को मारता है। चौरस्य प्रणिहननम् । चोरस्य उन्नाटम् चौरस्य क्राथनं दुष्टस्य पेषणम्।

जास् आदि का हिंसा अर्थ नहीं संबंध की विवक्षा नहीं उसके कर्म के आगे द्वितीया आती है। यथा चौरं मुज्जासयति सः धान्यं पिनष्टि । इत्यादि ।

११-कृत् संज्ञक ति, त, तृन् और अन, इत्यादि प्रत्यय जिन के अन्त में हों उन शब्दों के योग में उनके कर्त्ता और कर्म दोनों के आगे षष्ठी आती है-यथा (कर्त्ता) कालिदासस्य कृतिः This composition is of (by) Kalidas (कर्म) भारतस्य श्रवणम् Hearing of Bharat. Being heard of Bharat.

यदि एकही कृत् प्रत्यय के योग में कर्त्ता और कर्म दोनोंके आगे षष्ठी पाई जावे तो वहां कर्त्ता को छोड़ कर्म के आगे

षष्ठी आती है और कर्त्तामें ३ या यथा आश्चर्यं पुस्तकस्यपठनम् अनधीतेन The reading of a book without a learned man is wonderबिना पढ़ेकापुस्तकका पढ़ना अचंभेकी बातहै, तस् प्रत्ययान्त और उसके समानार्थक दूसरे । उपरि-अधः-पुरः पश्चात् अग्रे पुरस्तात्) शब्दों के योगमें ५मी को बाधकर षष्ठी आती है यथा-नगरस्य दक्षिणतो ऽगच्छम् , I went to the south of the city मैं नगर के दक्षिण ओर गया—

१२-पूर्वोक्त कृत् प्रत्यय यदि द्विकर्मक धातुओं के अन्त में हों तो उसके गौण कर्म (secondary object) के आगे षष्ठी और २ या दोनों विभक्तियां आती हैं यथा नेता मयूरस्य नगरस्य वा The taker of the peacock मोर का गांव का (को) लेजाने वाला ।

१३-वर्त्तमान काल में विहित जो "त„ प्रत्ययतदन्त शब्द के योग में संज्ञा शब्द के आगे षष्ठी आती है, यथा-राज्ञो मतो जय देवःJaydeva is respected by the King ज० रा. का मान्य है,

१४-आधार अर्थ के वाचक "त„ प्रत्ययान्त शब्द के योगमें जिस का यह आधार हो उसके वाचक श० के आगे षष्ठी आती है, यथा-गोविन्दस्य आसितम् एतत् ।

This is the resting place of Govind यह गोकी बैठकहै ।

१५-कृते (for) समक्षम् (in the presence of) इन में से प्रत्येक के योग में जिस के समक्ष हो उस के वाचक शब्द के आगे ६ आती है । यथा गुरोः समक्षम् हसितवान् सः He laughed in the presence of the teacher वह गुरुजी के सामने हंसा ।

१६-अनु + कृ (to imitate) धातु के प्रयोग में जिस का अनुकरण किया जाय उसके आगे षष्ठी और द्वितीया दोनों विभक्तियां आती हैं, यथा यद सेनस्य यद्सेनं वा सर्वे

दनुकरोति विष्णुदयालुः, Vishnu Dayal imitates Yagna sena in all his merit विष्णु० सब गुणोंमें य० का अनुकरण करता है।

१७–शतृ (अत्) शान (आन) और शीलार्थक तृणादि और प्रत्यय जिन शब्दों के अन्त में आवें उनके योगमें सं. श. के आगे षष्ठी नहीं किन्तु द्वितीया आती है, यथा–मातापितरौ आराधयितास्व, Always keep your parents pleased reason, object cause मा बाप की आराधना किया करो।

१८–जब संज्ञा शब्द के साथ हेतु (reason, object cause) शब्द का प्रयोग होता है तो संज्ञा शब्द और हेतु दोनों के आगे षष्ठी आती है। यथा–अन्नस्य हेतोः अन्नस्य हेतोः निवसति अत्र गोविन्दः Govind dwells here for the object of food गोविन्द यहां भोजन के निमित्त रहता है।

१९–परन्तु जब सर्वनाम के साथ "हेतु" का प्रयोग होता है तो सर्वनाम और हेतु दोनों के आगे षष्ठी और ३ या दोनों आती हैं, जैसे कस्य हेतोः केन हेतुना वा अत्र भवान् निवसति For what reason do you live here? तुम यहां किस हेतु से रहते हो?।

२०–और यदि सर्वनाम के संग निमित्त, कारण, आदि शब्दों का प्रयोग हो तो सब विभक्तियां आती हैं। यथा कि निमित्तेन कस्मै कारणात् कस्मात्कारणात् कस्य निमित्तस्य, कस्मिन निमित्ते भवानत्र निवसति।

२१–यदि सर्वनाम के सिवाय दूसरे शब्दों के संग उनका प्रयोग हो तो १ मा और २ या को छोड़ और सब विभक्तियां आती हैं, यथा–ज्ञानेन निमित्तेन सो ऽत्र निवसति, धनाय कारणाय सः नगरं याति।

I—Exercise

A.

Translate the following into Hindi or English

१—न खलु सः उपरतः यस्य वल्लभो जनः स्मरति २ कियदवशिष्टम् दिवसस्य ? ३ महान् कालो वर्त्तते तवा दृष्टस्य ४ कस्यात्यन्तं सुखमुपनतम् ? ५ कस्ते वृत्तान्तः प्रियवर ? ६ विदुषामादरः कार्य्यः ७—यशसो हेतो विंद्यां पठति भ्रात्रेयः

८—दुहित्रादीनां मान्यानां धनं न ग्राह्यम् ९ निधनं गतस्य तस्य बहूनि अहानि व्यतिक्रान्तानि १० स्याम सुन्दरस्य भार्य्या मधुरां मृद्वीका समुपहरति गोविंद स्वस्रे ११ धनपतिराजस्य श्वश्रूं तं नारिकेल रसं पाययतिस्म १२ मम पुत्रस्य कुशलं भूयात् १३ तस्या गमनं दूरत एव तवाहं निवेदयिष्यामि १४ कस्य केलो इमे पक्षिणः सन्ति ? १५ अथ ते शुक–काक–कोकिलादयः पतत्रिणः तात–मातुल भ्रातरिति [illegible]षाणाः तस्य समीपे स्थिताः १६ मुकुन्दस्यासित मिम् इदं याते रमापतेः भुक्तेतदनन्तस्ये स्पृशु गोप्यो दिदृक्षवः १७—दाह–पीड़ितो जयदेवः समस्त्री दिवसस्य जलं पपौ १८ धनराजस्य भागिनेयः कृष्णलालस्य जामातुः कृते मरिचैलालवङ्ग जोरक धान्यकानि समानिनाय १९ मदीय मातृ ष्वस्रेयस्य वाटिकायां पिक–बर्हि–कपोतादय श्चतुर्दश विहगाः प्रातः कूजन्ति २० यौष्माकीन–जनक जननी–स्वस्रीय–भ्रातृजपितृव्यजानां भद्रं भूयात् २१ एकोन–विंशतेः रूपकाणां व्यवहरति गोपीनाथः २२ मामकीन–भ्रातरो ऽत्राध्ययनस्य हेतो निवास मकुर्वत २३ सीता रामस्य स्नुषा निजश्वश्र्वाः पादौ संवाहयति २४ हरिं दिदृक्षु भक्तः स्यात् लोकान् कर्त्ता पुरं द्विषन् २५ शतं दायी, व्रजं गामी, मम सेव्यो हरिः सदा २६ जगन्नाथो मदन मोहनस्य सदृशः । सच तस्य सर्वथानु करोति २७ शत्रून् घातुकस्य राज्ञ आज्ञां पालयिता भवतद् भवान् । २८ विचित्रं यशदत्तस्य जलस्यपानम् १० का पूर्वः किञ्च वो नामधेयम् ३० नाथ तवाहं न मामकीनस्त्वम् ३१

निधानं धर्माणां किमपि च विधानं नवमुदाम् प्रधानं तीर्थानां ममल परिधानं त्रिजगतः। समाधानं बुद्धे रथ खलु तिरोधानं मधियाम् धिया माधानं नो हरतु भवतापं तव वपुः १ गं०ल०

B

Render the following into Sanskrit—

1. Jayant was dearer to his uncle than his very life. 2. Monoharlal is remembering his brother. 3. There is a Shiva temple in the south of this city. 4. We should not laugh before our teacher. 5. Your father was respected by the Raja of Kashmir. 6. I have not a command over this language. 7. We should avoid the company of the wicked. 8. Mukundlal wished to imitate Kishorilal in all his merits 9. Who is the auther of that book. May good attend your sons and grand sons. 11. For what reason did you not taste those dates, mangoes, and oranges by them. 12. I am, Sir, Your most obedient servant. 13. Where is your grandfather's garden? 14. Mohan wished to kill those tame birds. 15. I wonder how you drink bitter water? 16. Sip some juice of garlic and dry-ginger four or five times in a day. 17. How far is Mathura from Vrindaban. Manoharlal's face is very much like Murlidhar's. 19. It was not worthy of Gangasahai. 20. He wishes to acquire knowledge. 21. Shiam Sundar's maternal uncle is the man who took a pair of your pigeons to his house. 22. May happiness attend our king.

१ उस को मदरसे में पढ़ते हुए बारह बरस होगये २ शरीर किस को प्यारा नहीं है ! ३ तुम इसे क्यों भूल गए ? ४ ईश्व

की संसार की रचना बड़ी अद्भुत है ५ उस गांव की पश्चिम की ओर एक आम का पेड़ है। ६ वह अपने मोमा की सुधि करके रोता था ७ आज कल शिवलाल का चचेरा भाई दिन में ६ वार पानी पीता है उसे अनार का रस पिलाओ ८ किशोरसिंह को एक लौंग दो इलायची ५ मिर्चें सात बादाम चाहियें ६ यह हमारे चाचा के बैठने का कमरा है यह भोजन का और जो उस के पास है वह सोने का १० इन पके मीठे केलों में पांच गंगा धर के भतीजे को देदो ११ घातक जन बाज पक्षीको मारताहै १२ गायको लेजाने वाला गोविन्द कहाँहै १३ लँगड़े का पर्वतपर चढ़ना आश्चर्य है १४ चारों वेदों का पारगामी श्यामसुन्दर है १५ विधवा स्त्रियों का यह धर्म है १६ चलनेवाले को क्या दूर है १७ मदन दो घण्टे का मसाला लेने गया है अभी लौटकर नहीं आया १८ मा, बाप, गुरु, और बड़े लोगों के आदरकर्त्ता बनो १९ तुम्हारी ककड़ी मीठी है या कड़वी २० यह हमारे पिताजी की रचना है २१ उन्होंने चालीस की प्राजी लगाई २२ तुम्हारे भाई के पास हमारे भानजे का पिंजड़ा है २३ गंगाराम के योग्य नहीं। २४ गोपी सब बातों में सीता की नकल करती है २५ पूर्णचन्द्र को इस भाषा पर पूरा अधिकार है २६ हमारे राजा का कल्याण हो।

सप्तमः प्रकाश

A

प्रासादः । सौधः	Palace	किला
देवालयः । प्रासादः	Temple	देवमन्दिर।
पुरं । नगरम्	City	शहर
ग्रामः	Town, village	गांव

अवरोधः । अन्तः पुरम् ।	Harem	जनाना
चत्वरम् । अजिरम्	Court-yard	आँगन
द्वार F द्वारम् ।	Door, entrance	द्वार-दरवाजा
कपाटम् । अररम् ।	a leaf of a door	किवाड़
आरोहणम् । सोपानम्	stair-case	जीना
निः श्रेणिः । अधिरोहणी	Ladder	सीढ़ी । नसैनी
देहली	thresh hold	देहली
वातायनम् । गवाक्षः	window	झरोखा, खिड़की
आवेशनम् । शिल्पशाला	workshop	कारखाना
गंजा । मदिरागृहम्	Tavern	शराब खाना
मठः । छात्रालयः ।	Boarding house	बो० हौ०
मन्दुरा । वाजिशाला	Stable	अस्तबल
गर्भागारम् । वासगृहम् ।	Hall	बड़ा कमरा
उटजः । पर्णशाला ।	Hut	झोंपड़ा
भित्तिः	wall	दीवार
प्राकारः	Rampart	परकोटा
प्राचीरम्	Compound	घेर
विपणिः F पण्यवीथिका	market	बाज़ार ।
आपणः । निषद्या ।	Shop	दूकान ।
वेदिका वितर्दिः F	Pulpit	वेदी
चन्द्रशाला	Terrace	अटारी
प्रपा	A place where is distributed	प्याऊ
हर्म्यम् । गोपानसी ।	Manson	हवेली
गुहा । गह्वरम्	Cave-den	गुफा-भिट
दरी, कन्दरा	Vale, Valley	घाटी

सदनम् । आगारम्। मन्दिरं भवनम् । वेश्मन् m सद्मन् निकेतनम् । निशान्तम् । गेहम् । आलयः निलयः	House dwelling	घर मकान
कुट्टिमः ।	floar Ground paned or plaster	फर्श
अर्गलम्	Bclt	चटखनी
पुरद्वारम् । गोपुरम्	Town-gate	सदर द्वार

B

समुद्रः । सिन्धुः m	Sea	समुद्र
महासागरः । अर्णवः महोदधिः m सरस्वान्	Ocean	महासागर
नदी । सरित् F	River	नदी
सरः m जलाशयः ।	Tank	तालाब
ह्रदः ।	Deef Lake	झील
तड़ागः । कासारः ।	Tank or lake	सरोवर
वेशन्तः । पल्वलम्	pool, pond	तलैया पोखरा
कूपः । अन्धुः m	a well	कुआं
वापी । दीर्घिका ।	a well with steps	बावड़ी
अप् f pl. वारि । सलिलं कमलम् । भुवनं वनम्	water	पानी-जल
खेयम् । परिखा,	Ditch	खाई
आवापः । आल वालम् ।	a basin for water	थांवला
कुल्या ।	Canal, channel	नहर ।
कल्लोलः, भङ्गः । तरङ्गः । ऊर्मिः	wave	लहर ।
आवर्त्तः ।	whirl-pool	भंवर
तीरम् । रोधस् ।	Bank	किनारा
वेला	Shore	समुद्र
द्वीपः, अन्तरीपम् ।	Island	टापू
सिकता	Sand	रेती
नौः F तरणीः F तरिः f	Boat	नाव

उडुपम्, प्लवः, पोतः,	Raft	घन्नाई
नौका दण्डः, क्षेपणी	Oar	पतवार
अरित्रम्, केनिपातः,	Rudder	पल्ली
पृषत्। बिन्दुः पृषतः	drop	बूंद
	Spray	फुआरा
पंकः, जम्बालः, कर्दमः,	Mud, mire	कीच, दलदल
सम्भेदः,	Confluence	संगम,
इन्दीवरम्,	Blue lotus	नीलकमल
कमलं, उत्पलम्, कुवलयम्,	*waterlily*	कमल
कुमुदम्-कैरवम्।	white lotus	कुमोदिनी-कुई,
पद्मः, नलिनं, अरविन्दम्, सरोरुहम्, पंकेरुहम्, तामरसम् राजीव, पुष्कर, शतपत्रम् कुशेशयम, सरोरुहम्, सरसिज कोकनदम्।	Lotus कमल, *Red* Lotus लालकमल	
शैवालः, शैवलः,	Moss	काई
किंजल्कः, केसरः,	Tilaments	पंखड़ी
परागः,	pollen	फूल की धूलि,
नालः,	Stalk	डण्ठल,
मृणालम्, बिसम्,	Fibres	तन्तु-कमलकक०
मकरन्दः	Juice of flower	फूल का रस
कूपकः, गुणवृक्षकः,	Mast	मस्तूल
नाविकः, कर्णधारः,	Pilot	नावचलानेवाला
सांयात्रिकः। पोतवणिक्	Sea-merchant	समुद्री व्यापारी
जल यात्रा।	Voyage	दरियाई सफर

C. adj. In all genders.

प्रसन्न, स्वच्छ, अच्छ,	clear	स्वच्छ, साफ
कलुष, अनच्छा, आविल,	Dirty	मैला,
निम्न, गभीर, गम्भीर,	Deep	गहरा

उत्तान, गाध, Shallow उथला
अगाध, Unfathomable अथाह,
उच्च, प्रांशु उन्नत } High, tall lofty ऊंचा
तुङ्ग, उच्छ्रित }
आनत, अवनत, Low नीचा,
वक्र, कुटिल, नत, Bent, crooked टेढा ।
ऋजु, सरल । अजिह्म Straight, erect सीधा
वर्तुल, वृत्त, Round गोल
बन्धुर Uneven ऊंचा नीचा
संसक्त । अव्यवहित । Adjoining सटाहुआ
दूर । विप्रकृष्ट । Distance, far दूर
सविध । निकट । समीप }
आसन्न, सन्निकृष्ट । } near, close पास
उपकण्ठ । अन्तिक अभ्याश(स) }
त्रिंशत् । त्रिंश, Thirty 30th तीस । ३० वां
चत्वारिंशत् । चत्वारिंश । Forty, 40th चालीस । ४० वां
पञ्चाशत् । पञ्चाश । Fifty, 50th पचास । ५० वां
षष्टिः । षष्टितम । Sixty, 60th साठ । ६० वां
सप्ततिः । सप्ततितम, Seventy, 70th सत्तर । ७० वां
अशीतिः ।-तम । Eighty, 80th अस्सी, ८० वां
नवतिः । Ninety 90th नव्वे । ९० वां
शतम् । तम Hundred, 100th सौ, सौवां
कियत् } How much कितना
} How many कितने
कति pl. How many कितने

D Verbs

श्वस् (प्राणने) II P. to breathe — साँस लेना
to sigh — आह भरना

वि— to rely upon / to confide / to believe — विश्वास क०

आ— to take courage — हिम्मत बांधना
to revive — धीरज धरना

उत्— To exhale — साँस बाहर नि०
to open to flower — खिलना
to sigh — उसास लेना

नि— To inhale — भीतर को साँस खीं०

Caus श्वासयति-अशिश्वसत्, Des शिश्वसिषति Int शाश्वस्यते Pass श्वस्यते Pre श्वसन्, श्वसितः, श्वसनम् विश्वासः, श्वसितु आश्वास्य, श्वसित्वा, उच्छ्वासः आश्वासनम्

II

मृज् (शुद्धौ) II P. To wipe away — पोंछ डालना
to rub — रगड़ना, घिसना
to clean or cleanse — स्वच्छ क० साफ
to sweep — झाड़ना
to sprinkle — छिड़कना

अप— To remove — हटाना, सरकाना

अव— to wash — धोना
to moisten — तर करना

परि— To touch — छूना

प्र— To rub — घिसना
to polish — जिला क०
to brighten — चमकीला क०

Cus.मार्ज्जयति Des मिमृक्षति—मिमार्जिषति ।
Fre मरीमृज्यते Pas-मृज्यते – आमार्ज्जि ।
Dev.मार्ज्जन,मृष्टः, मृष्ट्वा, प्रमार्ष्टुम्,परिमार्ज्य अपामार्जनम् ।
ममृ जिवान्; ममार्जिवान, मार्जनम्,

ष्णा—स्ना (शौचे) II P. To bathe नहाना—स्नान क०

नि—to be perfect } निपुण होना
to be skilful } जान कार हो०
to beconversant } पूर्ण हो०

Caus स्नापयति + असिस्नपत्, Des सिस्नासति Fre सास्ना यते, Pass स्नायते—अस्नायि ।

D. W. स्नान्, स्नानम्, निष्णातः, स्नातुम्, स्नात्वा, स्नातः स्नातवान्, स्नापनम्, स्नातव्यम्, स्नानीयम्, सस्निवान् ।

गाह् (विलोडने) 1A. To dive into गोता मारना
To enter धसना
अव- To bathe स्नान करना
to be take oneself to आश्रय करना

Caus.गाहयते—अजगाहत Des जिगाहिषते Fre जागाह्यते Pass गाह्यते-अगाहि ।

गाहमानः, गाढः, घाक्ष्यमाणः गाहिष्यमाणः अवगाहनम् अवगाह्य-वगाह्य, गाहितुं—गाढुम् अवगाहः, गाहमानः,

मञ्ज् (सङ्गे) 1P. To adhere } लगना
to be attached } आसक्त होना

आ— To be engaed in } आसक्त होना
} तत्पर होना

वि + अति — to connect mutually परस्पर जुड़ना
आपस में संबंध क०

Causसंजयति, Desसिसंक्षति Freसासज्यते Pass सज्यते
D.W.सजन्, आसक्तः, व्यतिषज्य, ससंजिवान् सज्यमानः, आसक्तुम्,

स्निह (प्रीतौ) IV P. to bear affection प्रीति क०
स्नेहय्—to charm मोह लेना
Des सिस्नेहिषति, सिस्निक्षति, Fre सेस्निह्यते Pass स्निह्यते
D. W. स्निह्यन्, स्निग्धः, स्नेहः, स्नेहनम्, स्निग्धा, स्नीढ़ः।

VII to walk चलना

भ्रम (अनवस्थाने) I & IV P. To turn round घूमना फिरना
to wander, to roam. Do.
to be unsteady अस्थिर होना
परि- to walk round about इधर उधर च०
सम्— to be agitated घबड़ाना हड़बड़ी करना
वि—to play खेलना
Caus भ्रमय-भ्रामय + अबिभ्रमत् Des बिभ्रमिषति।
Fre बंभ्रम्यते। Pass भ्रम्यते—अभ्रमि।
D W भ्रमन्, भ्राम्यन्, भ्रान्तः भ्रमणीयम्, भ्रान्त्वा, सम्भ्रमः परिभ्रम्य, भ्रमिष्यन्, भ्रमितुम् भ्रमणम् भ्राम्यमाणः सम्भ्रान्तः।

VIII

नाह् (बन्धने) IV P. to bind. बांधना
सम्—to prepar for to be ready तय्यार होना
to put on to dress पहिनना
परि—to span फैलाना
to grow large बढ़ना
अप— to untie खोलना
पि, अपि— to tie बांधना
उप— to derss पट्टी बांधना,
Caus नाहयति + अनीनहत् Des निनत्सति नानह्यते,

Fre. नहाते + अनाहि Pas नह्यन् नद्धः परिणाहः नद्धा नद्ध उपनह्य, नेहिवान् नह्यमानः, उपनाहनम्, पिनद्धः।

IX

मुच् (मोचने) मुञ्च् । P to abbinden छोड़ना
to release मुक्त करना
to loosen खोलना
वि—— to set free स्वच्छन्द करना आज़ाद क०
परि Do Do
उत्—— to liberate उन्मुक्त क० स्वच्छन्द करना
Caus मोचयति + अमूमुचत् Des मुमुक्षति Fre मोमुच्यते Pass मुच्यते + अमोचि।
D W मुञ्चन्, मुक्तः, मुक्तिः मोक्ता, मोचनम् मुमुक्षुः, मोक्तव्यः, मोक्तुम्, मुमुच्वान्, मोक्ष्यन् मुच्यमानः मुक्त्वा विमुच्य

X

रञ्ज् (रागे) I & IV P. to dye रंगना
अनु—— to be found शायक होना
वि—— to retire from विरक्त होना
अभि—— to rejoice आनन्द मनाना
Caus रञ्जयति Des रिरंक्षति Fre रारज्यते Pass रज्यते
रजन्-रज्यन् रक्तः रञ्जनीयम् रञ्जनम् विरक्तः विरक्तिः विरागः अभिरक्तुम् अनुरज्य अनुरञ्जनम्।

XI

युज् (योगे) VII U. to join मिलाना-जोड़ना
to appoint मुकर्रर करना
to employ नौकर रखना
प्र—— to use काममें लाना
नि—— to employ काम में लगाना
सम्—— to unite मिलाना

वि—— to seperate अलग करना
वि+प्र do do
नि——A To appoint नियुक्त करना
to give order आज्ञा देना
अनु——A To order do do
अभि——P To be accused मुकदमा चलाना
उप—— to be useful फायदेमंद होना मुलजिम ठहराना
Caus योजयति, अयूयुजत् Des युयुक्षति Fre योयुज्यते
Pas युज्यते-अयोजि।

D W युञ्जन्। युक्तम्। युक्तिः, योजनम्, योक्तुम्, योक्ता, *नियुज्य, वियोज्य, युक्ता, प्रयोक्ता, प्रयोगः, अभियोगः, योगी,* अभियुक्तः, नियोगः, संयोगः।

XII

क्षिप् (प्रेरणे) VI P. To throw फेंकना
प्र—— do do
आ—— To insult गुस्ताखी, बेइज्जतीक०
नि—— To entrust सौंपना,
अधि—— To abuse गाली देना
to slander निन्दा करना,
सम्—— To make short संक्षिप्त क० घटन
वि—— To interrupt बाधा या खलल डा
Caus क्षेपयति, अचिक्षिपत् Des चिक्षिप्सति Fre चेक्षिप्यते
Pas क्षिप्यते-अक्षेपि।

D. W. क्षिपन्, क्षिप्तः, क्षेपकः, क्षेप्ता, संक्षेपः, क्षिप्त्वा, क्षेप्तुम् प्रक्षिप्य, क्षेपणम्, विक्षेपः।

E. सप्तमी विभक्तिः

एक वचन द्वि-वचन बहु-वचन

संस्कृत=(ङि) इ, यां, ए, औ, } ओस्, ओः, सुप्-सु, षु

हिन्दी—में, पै, पर. English In, on, at within.

उदा० रामे	रामयोः	रामेषु
हरौ	हर्य्योः	हरिषु
करिणि	करिणोः	करिषु
भानौ	भान्वोः	भानुषु
यशसि	यशसोः	यशस्सु
नद्याम्	नद्योः	नदीषु
मयि	आवयोः	अस्मासु
त्वयि	युवयोः	युष्मासु
राममें	रामों में	बहुतरामों में
तुझमें	तुम२दोनोंपै	तुम पर.

F. The Locative Case.

अधिकरण कारक

१–जो कर्त्ता और कर्म के द्वारा क्रिया का आधार है वह अधिकरण कारक होता है। यथा–a–आसने उपविशति शंकरः Shanker sits on his seat शंकर आसन पर बैठता है।

b–उखायां ओदनं पचति देवदत्तःDev. cooks rice in a kettleदेवदत्त बटलोई में भात पकाता है।

UB—जिसमें कोई वस्तु रहे वह आधार और रहने वाला आधेय कहलाता है, आधार छः प्रकार का होता है

a—औपश्लेषिक–वह जिसके एक भाग में आधेय है यथा शय्यायां शेते शिशुःThe child is lying on the bed बच्चा बिस्तर पर सोता है।

b—सामीपिक–वह जिस के समीप में आधेय रहे यथा–बटे गावः सुशेरतेThe cows are lying on the Bat–trees गायें बट के पास पड़ी हैं।

c—अभि व्यापक–वह जिस के सब अंशों में

यथा तिलेषु विद्यते तैलम् । Oil is in the sesamum. तिलों में तैल होता है ।

d—वैषयिक वह जिसके विषय में (यावत) आधेय हो। यथा, मोक्षे अनुराग अस्य He desires for salvation मोक्ष के विषय में उस का प्रेम है ।

e—नैमित्तिक वह जिस के निमित्त आधेय हो यथा— युद्धे सन्नह्यते वीरः The warrior prepare for battles वीर लड़ाई के लिये तय्यार होता है ।

F औपचारिक—वह जिसमें आधेयका उपचार कियाजाय (एक वस्तु को दूसरी और मानलेना उपचार कहाता है) यथा—अङ्गुल्यग्रे करिणां शतम् A hundred of elephants is to the tip of the finger उंगली के पोरुए में सौ हाथी ।

२—जिस समुदाय से क्रिया, गुण, जाति और संज्ञा के द्वारा किसी पदार्थ को अलग करते हैं उसके वाचक शब्द के आगे सप्तमी विभक्ति आती है और षष्ठी भी । यथा—गोषु गवां वा कृष्णा बहुक्षीरा Among the black one gives much milk गौओं में श्यामा बहुत दुधार होती है, परन्तु भेदमें ५मी होतीहै, यथा—माथुराः पाटलिपुत्रकेभ्य आढ्यतराः ।

३—स्वामी, अधिपति, ईश्वरः दायादः, प्रतिभूः और प्रसूत आदि शब्दों के योग में सं० श० के आगे षष्ठी और सप्तमी दोनों आती हैं, यथा—गवां गोषु वा स्वामी the master of cows गौओं का मालिक ।

४—साधुः और असाधुः इनमें से प्रत्येक के योग में ७ मी विभक्ति आती है, यथा—कृष्णः साधुः मातरि, असाधु र्मातुले Krisna was wel behaved towards his mother and ill behaved towards his maternal uncle कृष्ण माके लिये अच्छे और मामा के लिये बुरे थे ।

५—आयुक्त—व्यापृतः—व्यग्रः—तत्परः—आसक्तः (engaged in) और कुशल—निपुणः—पण्डितः—प्रवीणः—शौण्डः—पटुः—

(skilful) आदि शब्दों में से प्रत्येक के योग में जिस में आसक्त आदि हो उस के वाचक शब्द के आगे सप्तमी विभक्ति आती है षष्ठी भी, यथा—राम सहायः विष्णु-पूजायां आसक्तोऽस्ति, Ram sahai is engaged in the worship of God रा; स. विष्णु पूजा में लगा है, सन्नू: अक्षद्यूते निपुणोऽस्ति Sannu is skilful is playing at dice or gambling सन्नू जूआ खेलने में चतुर है,

६—प्रसित और उत्सुक (desirous of) (longing for) आदि में से प्रत्येक के योग में जिस में इच्छा हो उसके वाचक शब्द के आगे सप्तमी और तृतीया दोनों आती हैं। यथा—माणवकोऽसौ क्रीड़या क्रीड़ायां वा उत्सुकः, The boy is longing for play यह लड़का खेल में उत्कण्ठित है।

७—यदि "त" प्रत्ययान्त शब्द के पीछे "इन्" प्रत्यय बढ़ाया जावे तो उस (शब्द + त + इन्) के योग में सं. शब्द के आगे ७ मी आती है, यथा—(अधि + इ + त × इन) अधीती चतुर्षु versed in the four vedas चारों वेदों का पढ़ा हुआ।

८—दूर, समीप और इन्हीं के अर्थ बोधक दूसरे शब्दों के आगे ७ मी आती है, जैसे नगरस्य दूरे Remote from the city गांव से दूरी पर,

९—जहां किसी प्रसिद्ध क्रिया से अप्रसिद्ध क्रिया का बोध होता है वहां उस प्रसिद्ध क्रिया के कर्ता और कर्म के आगे ७ मी आती है, यथा—(क) वर्षति देवे चौरः आयातः, A thief came here when it was raining जब मेह बरसता था तब चोर आया, (कर्म) गोषु दुह्यमानासु देवदत्तो गतः, The cows being milked Devadatt went away जब गायें दुही जाती थीं तब देवदत्त गया,

१०—परन्तु यदि प्रसिद्ध क्रिया के कर्ता का अनादर सूचित होता हो तो उस (कर्ता) के आगे ६ षष्ठी और ७ मी दोनों आती हैं, यथा माता पित्रोः रुदतोः प्राव्राजीत् पुत्रः। माता पिता के रोते हुए (उनका अनादर करके) पुत्र सन्यासी होगया, The son turned out a recluse disregarding his wea-

parents i,e in spite of the weeping of his parents.

११–जहां दो कारकोंके बीचमें कोई काल या पथ होताहै वहां उस काल वाचक शब्द के आगे ५ मी और सप्तमी दोनों आती हैं, यथा-सोऽद्य भुक्त्वा त्र्यहात् त्र्यहे वा भोक्ता Having dined to day he will dine again after three days आज खाकर वह तीन दिन के पीछे खायगा इहस्थोऽयं क्रोशात् क्रोशे वा लक्ष्यं विध्येत् ,Standing here he can hit the mark two miles distance यहां बैठा हुआ कोस भर पै निशाना मार सकता है.

१२–यह "अधिक" शब्दके योगमें जिससे अधिक हो उसके वाचक के आगे ५ मी या ७ मी आती है, यथा सर्वस्मात् सर्वस्मिन् वा अधिक ईश्वरः God is above all ईश्वर सब से (में) बड़ा है।

१३–योग्यता वाचक शब्दों के योग में जिस में योग्यता हो तीहै उसके आगे ७मी आती है, यथा एतत् त्वयि उपपद्यते This is fit for you यह तेरे योग्य है

१४–अनु × रञ्ज to be fond of स्निह to bear affection to अभि × लष् to desire आदि धातु और इन्हीं अर्थों वाले दूसरे धातुओं के योग में जिस में अनुरञ्जन आदि हो उसके आगे ७मी आतीहै, यथा-रामे दृढ मनुरक्ताः पौराः the citizens are firmly attached to Ramapुरवासी राम में (पर) बड़ा प्रेम रखतेथे b–पिता पुत्रे स्निह्यति A father loves his son पिता पुत्रको प्यार करता है,

१५–अप + राध् (to offend) धातुके योगमें जिसका अपराध कियाजाय उसके वाचक शब्दके आगे ७ मी आतीहै और ६ मी। कस्मिन्नपि पूजार्हे अपराद्धा शकुन्तला Shakuntala has offended some one deserving respect शकुन्तला नेकिसीपूज्य का अपराध किया है।

१६–काल विशेष के सूचक नक्षत्र वाचक शब्दों के आगे ७ मी ३ या आती है, यथा-मूलेमूलेन वा आवाहये देवीम्

श्रवणे श्रवणेन वा विसर्जयेत् मूल में (मूल नक्षत्र विशिष्ट काल में) सरस्वती देवी का आवाहन करना चाहिये और श्रवण में (श्रवण नक्षत्र विशिष्ट काल में) विसर्जन।

१७ यदि कर्म (कारक) और फल का नित्य सम्बन्ध हो तो कर्म के योग में फल वाचक शब्द के आगे ७ मी आती है यथा चर्मणि द्वीपिनं हन्ति(Man) kills the tiger for his skin (मनुष्य) चमड़े के लिये चीते को मारता है।

१८—वृत्, व्यवहृ,to act or behave towards अस्, मुच्, क्षिप् to throw इन धातुओं में से प्रत्येक के योग में जिसके साथ व्यवहारादि हो उसके वाचक शब्द के आगे ७मी आती है यथा गुरुषु विनयेन वृत्तिः कार्य्या One should act modesty towards respectable person बड़े लोगों में (से) विनय का वर्ताव करना चाहिये

G. Exercise

A

Translate the following into Hindi or English.

१ अहं त्वां गुरुणि कार्य्ये नियोजये २ अस्मिन् व्रते ऽनुष्ठिते तव पुत्रो भविष्यति ३ बुद्धि मत्सु नराः श्रेष्ठाः नरेषु ब्राह्मणाः स्मृताः ४ अपकारिषु यः साधुः स साधुः सद्भिरुच्यते ५ इदं सत्वयि बद्धमाय ६ समुद्धृद् व्यसने यः स्यात् ७ परंसा तस्मिन् न विश्वसिति ८ वसन्ते भ्रमणं पथ्यम् ९ कविषु कालिदासः श्रेष्ठः १० दण्डनीत्यां निष्णातो देवदत्तः ११ एतत्त्वया चेतसि क्रियताम् १२ गोविन्ददेवः प्रत्यहं वेदाध्ययने आसक्तोऽस्ति १३ चन्द्रशालायां स्वपिति रामदेवः १४ नैतत्वय्युपपद्यते १५ ग्रन्थ स्यारम्भे लिखितमेतत् १६ पुत्रे विदुषि सञ्जाते आनन्दमवगाहते पिता १७बुद्धिमति विद्यार्थिनि, अध्यापक कस्य परिश्रमः सफलत्वमेति १८ राजसु स्वामी श्रीमद्विजयी सार्वभौमः १९ देहलीदीपकं स्थापय २० समुद्रे तरति नौका २१ दधनि घृतं तिष्ठति, तस्य शास्त्र श्रवणे महती प्रीतिः २२ अधीती व्यकरणे गृहीती पदस्वङ्गेषु कृष्णदत्तः २३ चर्मणि द्वीपिनं हन्ति, दन्तयो र्हन्ति कुञ्जरं केशेषु चमरी-हन्ति सीम्नि पुष्कलको हतः

२४ कुशलोन्वेषणायाहं मायुक्तो दूतकर्म्मणि २५ भ्रातु
भार्य्यायां योऽनु स्येत कामतः २६ कुतो धर्म्मे क्रिया वि
रक्षके त्वयि. २७ मन्दाः पशव इव हताः पश्यतो रक्ष
अपराद्धोऽस्मि तव भवतः कण्वस्य २८ पुनरपि यावद्राज
देवः सिंहासने समुप विशति तावदन्या पुत्तलिकाऽवद
पाम्द्या सज्जन सङ्ग मँ गुणि गखे प्रीति गुरौ नम्रता वि
व्यसने स्वयोषिति रतिर्लोकापवादाद्भयम्. भक्तिः शूलिनि
रात्मदमने संसर्ग मुक्तिः खले । एते येषु वसन्ति निर्म
स्तेभ्यो नरेभ्यो नमः ।

Exercise B.

Translate the following into Sanskrit:—

1. A friend in need is a friend indeed. 2. Among t
than poets Kalidas and Bhawbhuti are the most ren
3. I always get up early in the morning. 4. He was
nted to this post in the year 1911. 5. They can'
comfortably even at night. 6. commit this matter
ting, Please. 7. He entrusted the burden of his fa
his eldest son. 8. In this deep tank there are many
Govind is longing for bathing in the river. 10. Tree
green twings in the spring. 11. Having read the
Ramchandra to-day I will read it again after two
13. We should all prepare for our salvation. 14. A
engaged in the study of History & Geography. 15
laya is the highest of all the mountains. 16. Have
on them. 17. You should be modest towards your
mother & teacher. 18. The subjects are firmly attach
their king. 19. In spite of the calling of the teach
boys want away. 20. Do not offend your parents. 21
killed theelephant for his tusks, the chamari deer
hair and the musk-deer for his musk. 22. A bull
nessed to the yoke of a carriage. 23. The night

they went away. 24. We should be wel behaved towards our king.

१—यह स्त्री घरके कामों में लगी रहती है २ प्रभु दयाल एक बड़े उहदे पर मुकर्रर किया गया है ३ राजा दिलीप राज का भार मन्त्रियों को सौंप कर वन को गयेथे ४ गोपी भूठा है मैं कभी नहीं उसका विश्वास करता ५ कहते हैं, रावण चारों वेदों का पढ़ा हुआ था ६ कल जब मेंह बरस रहा था तो हम अपनी अटारी में बैठे पढ रहे थे ७ अगले अषाढ के महीने में वे एक कारखाना खोलना चाहते हैं ८ बड़ों को आते देख छोटोंको खड़ाहोजाना चाहिये९यदिउसमें आपका विश्वास होतो यहबात उसमें देख लीजे। १०इसतालावमें आजकल कितना पानीहै ? ११ उसटापूमें साठ आदमी बसतेहैं १२ आज मिलकर आप मुझसे चौथे दिन फिर मिलना १३ यह बात आपको शोभा नहीं देती १४ किशनलाल उन सब लड़कों में अच्छा है १५ यह छात्र गेंद बल्ला खेलने में होशियार है १६ हमारे भाई हरि के भजन में तत्पर हैं १७ परमात्मा सब के हृदय कमल में निवास करते हैं १८ मेरी उंगली के सामने चालीस पेड़हैं १९ सब बैल मदरसे के पास बैठेथे २० सार्व भौम सब राजाओंमे(से)माननीयहोतेहैं २१हरे रुपए सबके लिये अच्छाहै२२मित्र वही जो अड़ीमें काम आवे २३ बसन्त में घूमना अच्छा होता है २४ माता बुलाती रही, गोविन्द चला गया २५ मुरारीलाल के देखा कहतेही श्याममुन्दर रोने लगा २६ जब राजा रक्षक मौजूद है तो प्रजा को दुख कैसा २७ तुम पर उसका प्रेम है २८ नवरात्रों में मूल में भगवती का आवाहन और श्रवण में विसर्जन किया जाताहै २९ जहाज में सैकड़ों मनुष्य बैठते हैं ३० राजा प्रजा का स्वामी है, वह कभी उसका अपराध न करे, किन्तु राजा में भक्ति और परमेश्वर में प्रीती रखनी चाहिये।

सब विभक्तियां एक पद्य में

श्रीरामः शरणं समस्त जगतां रामं विना का गतिः ? रामेण प्रहता निशाचर चमू रामाय कार्यं नमः रामात्त्रस्यति काल भीम भुजगो रामस्य सर्वं वशे रामे भक्तिरखण्डिता भवतु मे हे राम मां पालय

इति श्री मच्छुक्ल पं० गणेशप्रसाद शुक्ल तनय
पं० रामस्वरूप शुक्ल साहित्याचार्य
कृता इंगलिश संस्कृतानुवाद
दीपिका समाप्ता

पुस्तक मिलने का पता:—

पं० रामस्वरूप शुक्ल

कठगर मुरादाबाद ॥

शुद्धा शुद्ध पत्र

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ संख्या	पंक्ति
इन्द्रिय क्षपन	इन्द्रिय दमन	२	६
अधत्वे······	अधत्व	२	२५
अनुभवक······	अनुभवकरना	३	८
उतर······	उत्तर	५	६
बुद्बुद······	बुद् बुदः	५	१२
सौदाभिनी······	सौदामनी	५	१५
धाभूय······	धोभूय	६	३
रूपवती······	रूपधतो	६	२६
मध्यम्······	मध्यम	७	१२
क्षधः ······	क्षुधः	६	१
भुवनत्रयस्य······	भुवनत्रयस्ययः	६	१३
गति निवृतौ······	गतिनिवृत्तौ	१२	३
चेक्रियते······	चरीक्रियते	१२	२७
उकत्वा······	उरक्त्वा	१५	६
फसला क०······	फैसला करना	१६	१३
रोमूढ······	रैमूढ़	१८	१५
मैं······	मे	१८	२०
क्रिधा······	क्रिया	१८	२८
उनहरि······	उनहार	१६	२६
धर्म······	धर्मं	२१	११
प्रेरणधिक······	प्रेरणार्थक	२२	५
धनयंति······	नयन्ति	२२	२६
गुरुम ······	गुरुम्	२४	६
धामनन······	धामनेन	२४	१०
सपया······	समया	२४	५
दज में······	दर्जे में	२५	
मदना······	मद्न	२७	८
अडि.घ······	अंघ्रिः	२६	३

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ संख्या	पंक्ति
परं······	पर	२६	४
पिशितम्	पिशितम्	२६	१३
राक्ष······	राक्षः	३०	२
हृस्वः······	हृस्वः	३१	२२
लिलिखिसीत······	लिलिखिषति	३६	२५
ह······	है	३६	६
क्रोधः······	क्रोध	३६	३
स्वरा······	त्वरा	३६	१७
प्रड़ि······	पीड़ा	३६	१६
जरोचकर······	जरोचकर	४०	२२
लोरित······	लोहित	४३	७
श्रुति······	श्रुतिः	४४	६
प्रकुप्य······	प्रकुप्य	४५	२६
(निष्पत्तौ)······	निष्पत्ती	४५	२६
व्याक्यानम् २······	व्याख्यानम्	४६	१५
अगि······	आगे	५०	७
क······	के	५०	७
षर्ता······	कर्ता	५०	२२
मनस······	मनसा	५१	२०
०······		५३	७
गाविन्द······	गोविन्द	५३	१३
टपी······	टोपी	५४	१७
अर्यावर्तात्······	आर्यावर्तात्	६४	१२
साहनलाल······	सोहनलाल	६४	२१
मूलाच्छोतुम्······	मूलाच्छेतुम्	६४	२१
समीतः······	संविमेति	६५	१८
लश्रग······	अलग	६५	२३
निर्लीयते	निलीयते	६५	३०
डोय······	जाय	६६	१६

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति
आती हैं……	आती है	६७	१६
प्रत्यगेव घ……	प्रत्यगेव	६७	१६
प्रयागाच्च	प्रयागाच्च	६७	१६
ईश्वरेच्छ्या……	ईश्वरेच्छया	६७	१८
नरक पात् ……	नरकपात	६७	१६
आर्य्य वर्तात्……	आर्यावर्तात्	६७	२८
सून्तुः……	सूनुः	६८	१५
मातृस्वस्रयः……	मातृस्वस्रीयः	६६	१३
कु कुक्टी……	कुकटी	७१	२२
ह……	ह	७३	८
भॅट्ट……	भॅट	७३	२५
ह्रियमाणः……	ह्रियमाणः	७४	२४
अपहनि……	अहनि	७६	१०
नाध्यते……	माध्यते	७६	२४
जापयति……	जासयति		
दिध्यनिसति……	दिध्यनिपति	७८	१६
वियाह क०……	०	७६	१
वाएति……	धाहयति	७६	२
कम्……		७६	१२
पदार्थौ……	पदार्थौ	८०	६
सर्पिसः……	सर्पिसः	८०	१६
स्माय स्मरति……	स्मरति	८०	२१
यह माको……	यह माको	८०	२१
गद	याद करता है। ग० द०	८१	३
तुला समारोहिति	तुला समारो। हति पुष्पकेन	८१	६
मनोहर स्त्रिशतः……	मनोहर स्त्रिशतः	८१	२५
भूया……	भूयाः	८२	११
चौस् रस्य……	चौरस्य	८२	१७

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति
नहीं……	नहो और	८२	१८
सर्वे……	सर्वे	८३	२८
विक०……	विष्णु दयालु	८४	१
अन्नस्य हेतोः ……	अन्नस्य हेतोः	८४	११
अन्नस्य हेतोः कस्मात् कारणात्	कस्मात्कारणात्	८४	१२
प्रधान……	प्रधानम्	८६	१
पिपणिः……	धिषणिः	८८	१८
पहिग्रहः……	परिग्रहः	९५	१
सेंत्तेपः……	संत्तेपः	९४	२३
थेपणम्……	त्तेपणम्	९६	२४
दर याज……	दर वाजा	८८	३
तरणि……	तरणिः	२९	२६
पंचास……	पचास	९१	१८
फलाना……	फैलाना	९४	२२
पक……	एक	३८	२६

rong	Write	2
udicious	audacias	3
ssail	assail	3
ruth	Truth,	3
an	man	3
ould	could	5
Demonish	Gintle	11
aditate	meditate	11
o	Do	11
o invest with	to invest with	16
n	on	17
sydent	students	18
iver	river.	20
[illegible]	Vaman	20
Robbed	robs	21
Slam	rain	23
(to small)	(to smill)	23
wn	town?	25
[illegible]	tree	26
nel	Navel	28
sthima	Asthma	30
ring-worm	ring-worm	30
az	seal	33
hysion	Physician	35
Varstels	wrestler	37
ashfuney	bashfulness	39
esthey	ecstasy	40
ntrest	interest	43
Archer	Archer	41
Prison	Prison	43
roclaim	proclaim	46
Scuber	Kaitlas	
hlwar	heat	

Wrong	Writ
Forbudes	Forebodes
Sudreumo	Supremo
Cut	Cot
Ichneom	Ichneumo
Conch	Couch
Kesrull	Kernel
Castard apple	Custard
Plaintaino	Plantain
punjent	pringent
Denco	sense
Intoxicated	Intoxicated
Derice	deserve
Incarnato	Incarnate
Toughs	tought
anarce	anarice
Cleadurness	claverness
Schorpans	chorpions
From	With
Husbands	Husbands
Others	Mothers
Relative	relative
Women	Woman
Yous	Yours
Out	Our
coriander	coriander
peper	papper
Asfoetida	asafetida
Hoper	Hopper
oc	to
to marry	o
left	Lfs
parient	parents
Shivit	Sirit
unitat	unnitate
taste	laste